राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 | अंक : 227 पटना (बिहार) बुधवार 18 जून 2025 | पेज - 12 | मूल्य: 1 | R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

विधायक दल की बैठक में निशांत कुमार को राजनीति में लाने के लिए लाया जाएगा प्रस्ताव

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना : पुरानी कहावत है, अगर धुआं उठ रहा है तो आग जरूर लगी होगी. मतलब पिछले 6 महीने से जिस प्रकार से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के राजनीति में एंट्री की अटकलें चल रही है. ऐसा लगता है जैसे पटकथा लिखी जा चुकी है, बस धीरे-धीरे पर्दा उठ रहा है. निशांत कुमार को लेकर सरगर्मी तेज : बिहार में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे निशांत कुमार को लेकर बिहार की राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है. अब निशांत कुमार को राजनीति में एंट्री के लिए जदयू के विधायक, पार्टी के विधायक दल की बैठक में इसका प्रस्ताव लाएंगे. विधायक ने इसका पूरा मसौदा तैयार कर लिया है. जो विधायक इस प्रस्ताव को लाने वाले हैं उन्होंने साफ तौर पर कहा कि विधायक दल की बैठक में इस प्रस्ताव को लाएंगे. साथ ही निशांत कुमार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस विषय पर बात भी करेंगे. यह विधायक हैं जदयू के विनय चौधरी. विनय चौधरी ने कहा है कि निशांत कुमार पूरे बिहार में किसी भी सीट पर चुनाव लड़कर जीत सकते हैं. 'सभी की मांग निशांत' : दरभंगा के बेनीपुर से जदयू विधायक विनय कुमार चौधरी से ईटीवी भारत में खास बातचीत की. उन्होंने बताया कि वह लगातार सभी मंचों पर कह रहे हैं कि निशांत कुमार को राजनीति में आनी चाहिए. निशांत कुमार चाहें तो कहीं से भी चुनाव लड़ लें. जदयू विधायक ने कहा कि सिर्फ मेरी ही मांग नहीं है पूरे बिहार की मांग है कि वह राजनीति में आएं और इसको लेकर मैं लगातार प्रस्ताव ला रहा हूं. लगातार हम लोग प्रयासरत हैं कि वह राजनीति

में आएं. "मैं इसको लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बात करूंगा और निशांत कुमार से भी बात करूंगा. मैंने निशांत कुमार से मिलकर यह आग्रह किया है कि वह राजनीति में आएं. फिलहाल निशांत कुमार इस बात को हंसकर टाल देते हैं."- विनय कुमार चौधरी, बेनीपुर से जदयू विधायक विनय कुमार चौधरी से ईटीवी भारत ने पूछा कि क्या निशांत कुमार की इच्छा है कि वह राजनीति में आएं तो, उन्होंने कहा कि यह मैं नहीं बता सकता हूं लेकिन जब भी मैं बात किया है वह इस बात को हंसकर टाल देते हैं. हम लोगों की पूरी इच्छा है कि निशांत कुमार राजनीति में आएं. कार्यकताओं की इच्छा है कि वह राजनीति में आएं. 'कहीं से भी चुनाव जीत सकते हैं निशांत' : जदयू विधायक ने कहा कि नालंदा सांसद कुमार कौशलेंद्र ने भी खुलकर मांग किया है कि निशांत कुमार को राजनीति में आनी चाहिए. समय आने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी इस विषय पर बात करेंगे. बिहार में जहां से चाहें वहां से चुनाव लड़ें, अच्छे खासे वोट से चुनाव में जीत दर्ज करेंगे. "मैं निश्चित तौर पर विधायक दल की बैठक में इस प्रस्ताव को लेकर आ रहा हूं और तमाम विधायकों के सामने इस बात को रखूंगा कि निशांत कुमार को राजनीति में आनी चाहिए. सभी विधायक तैयार हैं कि निशांत कुमार राजनीति में आएं. हम लोगों की इच्छा है कि 2025 में निशांत कुमार चुनाव लड़े."- विनय कुमार चौधरी, बेनीपुर से जदयू विधायक

महागठबंधन से अलग 'इंडिया' की राह; आप का एलान, खान सर से भेंट चर्चा में

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

पटना :राज्यसभा सांसद और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने मंगलवार को ऐलान किया कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में सभी 243 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने बताया कि यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और बिहार प्रदेश समिति से विचार विमर्श के बाद लिया गया है। संजय सिंह ने कहा, बिहार की सभी सीटों पर आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ेगी। यह फैसला अरविंद केजरीवाल और बिहार समिति से विस्तृत चर्चा के बाद लिया गया है। यह घोषणा ऐसे समय पर हुई जब दिल्ली में चल रही अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के विरोध में पटना में आम आदमी पार्टी ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान संजय सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात कर दिल्ली में झुग्गियों और दुकानों को तोड़े जाने

की कार्रवाई को रोकें। उन्होंने कहा, दिल्ली में बिहार के लोगों की दुकानों और घरों को गिराया जा रहा है। मुख्यमंत्री को इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से बात करनी चाहिए। ह्यजहां झुग्गी, वहीं मकानह्ण का वादा किया गया था, लेकिन अब उन्हीं झुग्गियों को उजाड़ा जा रहा है। संजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भाजपा पर निशाना साधते हुए लिखा, श्दिल्ली में विश्वासघात, बिहार में दोस्ती ये नहीं चलेगा। जो भाजपा दिल्ली से बिहारी भाइयों को खदेड़ रही है, उसे बिहार से खदेड़ दो। दिल्ली में बिहार के लोगों के घरों को तोड़े जाने के खिलाफ पटना में विशाल प्रदर्शन हुआ। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की संभावना है, हालांकि अभी तक चुनाव आयोग ने आधिकारिक तारीखों की घोषणा नहीं की है। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में ठऊअ गठबंधन के पास 131 विधायक हैं, जिनमें भाजपा के 80, जदयू के 45, हम (सेक्युलर) के 4 और 2 निर्दलीय विधायकों का समर्थन शामिल है। वहीं विपक्षी INDIA गठबंधन के पास 111 विधायक हैं, जिसमें राजद 77, कांग्रेस 19, भाकपा (माले) 11, माकपा 2 और भाकपा 2 विधायक शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

12 गांव का एक ही सहारा था चचरी पुल, बाढ़ के पानी में वो भी बह गया

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

मुजफ्फरपुरः जिले के औराई प्रखंड स्थित मधुबन प्रताप गांव में बागमती नदी पर बना चचरी पुल बीते सोमवार को तेज बहाव में बह गया है. वहीं, बाइक सवार युवक पुल पार कर रहा था, जिसे ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया. उक्त युवक की बाइक को भी कड़ी मशक्कत के बाद नदी से बाहर लाया गया. चंदा इकट्ठा कर बनाया गया था चचरी पुलः मिली जानकारी के अनुसार, नेपाल के तराई क्षेत्र में भारी बारिश के चलते बागमती नदी के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी हुई थी, जिससे नदी का पानी उफान पर आने से चचरी पुल बह गया. यह पुल ग्रामीणों द्वारा करीब एक लाख रुपए का चंदा इकट्ठा कर बनाया गया था. 12 गांवों का टूटा संपकः चचरी पुल के बह जाने से मधुबन प्रताप समेत आसपास के करीब 12 गांवों का सीधा संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया है. अब ग्रामीणों को शहर पहुंचने के लिए लगभग 20 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय कर सीतामढ़ी के रास्ते आना होगा. "यह स्थिति हर साल आती है. हम लोग ग्रामीणों से चंदा इकट्ठा कर पुल बनाते हैं, लेकिन बारिश शुरू होते ही नदी का जलस्तर बढ़ता है और पुल बह जाता है. इस बार भी वही हुआ. अब ब्लॉक या अस्पताल जाने के लिए बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा". दीपक कुमार सहनी, नाविक नेपाल में बारिश से बिहार में कहरः बता दें कि पड़ोसी देश नेपाल में बारिश होने से प्रखंड की नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे मक्के की फसल खराब हो रही है. ऐसे में किसानों के चेहरे पर मायूसी छाई हुई है.

बिहार में पहली बार राज्य स्तरीय टेबल टेनिस रैंकिंग टूनार्मेंट, 19 जून से पटना में होगी शुरूआत

संवाददाता द्वारा

पटना :बिहार में खेल क्षेत्र को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ह्यफर्स्ट बिहार स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूनार्मेंटह्ण का आयोजन किया जा रहा है। खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और बिहार टेबल टेनिस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह प्रतियोगिता 19 जून से 22 जून तक पाटलिपुत्र खेल परिसर, पटना के इंडोर स्टेडियम में होगी। इस टूनार्मेंट में राज्य के 17 जिलों से 250 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में अंडर 11, 13, 15, 17, 19 आयु वर्ग के बॉयज व गर्ल्स सिंगल्स, तथा मेंस और वीमेंस सिंगल्स में मुकाबले होंगे। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने जानकारी दी कि यह प्रतियोगिता राज्य के टेबल टेनिस खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए एक मजबूत आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष में चार स्टेट रैंकिंग टूनार्मेंट और एक स्टेट चैम्पियनशिप आयोजित की जाएगी। इन सभी में खिलाड़ियों को अंक दिए जाएंगे, और शीर्ष पांच खिलाड़ियों का चयन बिहार टीम के लिए होगा, जो राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पद्मश्री शरद कमल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन किया

जाएगा, जिन्हें आगे चलकर विशेष प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाया जाएगा। शंकरण ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन और अन्य मूलभूत सुविधाओं की पूरी व्यवस्था सरकार और खेल प्राधिकरण द्वारा की गई है। जो जिले इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं, वे हैंः अररिया, सहरसा, गया, दरभंगा, खगड़िया, मुजफ्फरपुर, पश्चिम चंपारण, मधुबनी, समस्तीपुर, पूर्णिया, मधेपुरा, भागलपुर, नालंदा, सुपौल, सारण, भोजपुर और पटना। अंत में उन्होंने कहा कि बिहार सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के खिलाड़ी हर खेल में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतें, और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार हर उस खेल को प्रोत्साहित कर रही है

बीजेपी विधायक विशाल प्रशांत? की पत्नी ऐश्वर्या राज ने जीता 'Mrs. Bihar 2025' का खिताब

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

बिहार की राजनीति में जहां आमतौर पर सियासी बयानबाजी और गठजोड़ की चर्चा होती है, वहीं इस बार एक खबर राजनीति की चकाचौंध से निकलकर सीधे फैशन और आत्मविश्वास के मंच तक पहुंची है। भोजपुर के बड़हरा से बीजेपी विधायक विशाल प्रशांत सिंह की पत्नी ऐश्वर्या राज ने 'मिसेज बिहार 2025' का खिताब जीतकर न सिर्फ सियासी गलियारों में हलचल मचा दी, बल्कि पूरे राज्य में गर्व की लहर दौड़ा दी है। इस प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन पटना में किया गया, जहां ऐश्वर्या ने अपने आत्मविश्वास, संस्कृति से जुड़ाव और गरिमामय प्रस्तुतिकरण के जरिए निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।भोजपुर जिले में इस खबर को लेकर खुशी की लहर है। विधायक पति विशाल प्रशांत सिंह ने सोशल मीडिया पर अपनी पत्नी की इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा, 'ये जीत सिर्फ ऐश्वर्या की नहीं, बल्कि हर उस महिला की है जो खुद के लिए कुछ करने की हिम्मत रखती है। तुम्हारे आत्मबल और मेहनत को सलाम।' Mrs कौन हैं ऐश्वर्या राज? :पटना में हाल ही में आयोजित मिसेज बिहार 2025 सौंदर्य प्रतियोगिता में ऐश्वर्या राज ने 14 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए यह प्रतिष्ठित ताज अपने नाम किया। वह भोजपुर के बड़हरा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (BJP) के विधायक विशाल प्रशांत सिंह की पत्नी और बिहार के पूर्व विधायक सुनील पांडेय की बहू हैं। पटना में जन्मी और पली-बढ़ी ऐश्वर्या की शिक्षा भी उतनी ही प्रभावशाली है जितनी उनकी व्यक्तित्व की चमक। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बीकॉम और फिर पटना विश्वविद्यालय से एमबीए की डिग्री हासिल की। इसके साथ ही, उन्होंने गुरुग्राम स्थित एक संस्थान से एयर होस्टेस प्रशिक्षण का कोर्स भी किया है। ऐश्वर्या का यह सफर सिर्फ एक ब्यूटी पेजेंट जीतने का नहीं है, यह उस जज्बे और हौसले की कहानी है जिसमें एक महिला अपने पारिवारिक दायित्वों को निभाते हुए भी अपने सपनों को ज़िंदा रखती है। ऐश्वर्या राज ने अपने जवाब से लोगों का जीता दिल :पटना में आयोजित मिसेज बिहार 2025 प्रतियोगिता में भले ही प्रतिभागी पूरे राज्य से आए हों, लेकिन भोजपुर की बहू और बीजेपी विधायक विशाल प्रशांत सिंह की पत्नी ऐश्वर्या राज ने अपने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और सामाजिक सोच से निर्णायकों के साथ-साथ दर्शकों का दिल भी जीत लिया।प्रतियोगिता के निर्णायक दौर में जब स्टेज पर ऐश्वर्या से महिलाओं की भूमिका को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने महिला शिक्षा, आत्मनिर्भरता और बदलते सामाजिक दृष्टिकोण पर जो जवाब दिया, वह सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक सोच थी, ऐसी सोच जो आने वाली पीढ़ी के लिए रास्ता दिखाए। उन्होंने एक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि, 'हर महिला का सपना उसका अधिकार है, और समाज को चाहिए कि वह उन्हें सिर्फ घरेलू भूमिका में न बाँधे, बल्कि हर क्षेत्र में उनके आत्मविश्वास को सलाम करे।'

नीतीश मॉडल से बेहतर है केजरीवाल मॉडल :संजय सिंह ने कहा

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः इस साल बिहार में विधानसभा का चुनाव होना है. इसके लिए आम आदमी पार्टी ने भी तैयारी शुरू कर दी है. मंगलवार को पार्टी नेताओं ने पटना में महाधरना के माध्यम से अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करने की कोशिश की. राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए. बातचीत में उन्होंने साफ कर दिया कि आम आदमी पार्टी बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी और सभी 243 सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी. संजय सिंह ने केजरीवाल मॉडल को नीतीश मॉडल से बेहतर बताया. आम आदमी पार्टी हमेशा आम जनता के मुद्दों को उठाती है. दिल्ली और पंजाब में हमने काम कर के दिखाया है. अब हमलोग बिहार में काम करना चाहते हैं. बिहार को अरविंद केजरीवाल जैसे नेता की जरूरत है. इसलिए हम सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, उसके लिए हमारी तैयारी चल रही है.- संजय सिंह, सांसद, आम आदमी पार्टी बिहार में भी केजरीवाल का क्या मतलब?: इस सवाल पर संजय सिंह ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष लगातार बिहार में यात्रा कर रहे हैं. सात चरणों का यह यात्रा चल रही है. तीन चरण समाप्त हो चुकी है. इस दौरान हम केजरीवाल मॉडल के बारे में, दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यों के बारे में लोगों को बता रहे हैं. उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आज बिहार को एक अच्छी सरकार चाहिए. जिसकी प्राथमिकता शिक्षा हो, स्वस्थ हो, रोजगार हो, बिजली हो, पानी हो. जिंदगी की जो दुश्वारियां हैं, उसको दूर करने के लिए सरकार काम करें, ऐसी एक सरकार यहां पर होनी चाहिए. 'हम समझते हैं बिहारियों का दर्द': संजय सिंह ने कहा कि हम लोग जो दिल्ली से चलकर यहां आए हुए हैं. विधायक संजीव झा, प्रभारी अंजेश यादव, एक पीड़ा के साथ आए हैं, एक दर्द के साथ आए हैं, दिल्ली में दुश्मन देश के नागरिक की तरह बिहारी के साथ व्यवहार किया जा रहा है. उनके घरों पर

बुलडोजर चलाया जा रहा है, उनकी दुकानों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है. उनकी झुग्गियों को बर्बाद किया जा रहा है. बिहार का एक भी नेता नहीं बोल रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां आकर बड़े-बड़े वादे करते हैं. बिहार के लोगों को डेढ़ फीट जगह भी नहीं दी जा रही है. दिल्ली से हम यह कहने आए हैं कि जिन लोगों ने दिल्ली से बिहार के लोगों को भगाया है उस बीजेपी को बिहार से भागने का काम यहां के लोग करें. नीतीश मॉडल क्यों नहीं पसंद?: संजय सिंह ने कहा कि मॉडल वह है, जिससे जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सके. बिहार के लोग अभी भी अपनी नौकरी और रोजगार के लिए पलायन करने को मजबूर हैं, यह बड़ा सवाल सरकार के ऊपर है. अगर बिहार के लोगों को नौकरी पाने के लिए सड़क पर उतरना पड़ता है. उनकी परीक्षाओं से पेपर लीक हो जाते हैं, उसके लिए आंदोलन करना पड़ता है और आंदोलन करने पर उनको लाठियों से पीटा जाता है. 'नीतीश को जवाब देना चाहिए': संजय सिंह ने कहा कि निश्चित रूप से सरकार से सवाल होने चाहिए. फसल के दाम लोगों को नसीब नहीं हो रहे हैं. 8% सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं. स्वास्थ्य की हालत यह है कि दरभंगा में एक मेडिकल कॉलेज की चर्चा हुई और जमीन पर मेडिकल कॉलेज था ही नहीं. सरकारी योजनाओं की हालत यह है कि पुल बनता है और उद्घाटन से पहले ही टूट जाता है या चालू होने के बाद एक साल में ही टूट जाता है. नीतीश कुमार और बीजेपी को इसका जवाब देना चाहिए. क्या बिहार में भी केजरीवाल आएंगे?: इस सवाल के जवाब पर आप नेता संजय सिंह ने कहा कि बिहार के जो हमारे साथी हैं, वह अरविंद केजरीवाल से बात करेंगे. उन्होंने कहा कि जो फैसला होगा, वह आपको जानकारी दी जाएगी. जो पार्टी का निर्णय हुआ है, उसकी जानकारी दे सकता हूं. चुनाव प्रचार का शंखनाद हो चुका है आजः राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि निश्चित तौर पर आज इस रूप में देख सकते हैं. आपको मैंने बताया है कि एक पीड़ा और दुख के साथ हम लोग यहां आए हैं. बार-बार अनुरोध करने के बावजूद बुलडोजर के सामने भी हमारे साथी लेट गए, गिरफ्तार भी किया गया. आज तो हम इसी बात के लिए आए हैं कि बिहार का नेता आखिर बोल क्यों नहीं रहा है? क्यों नहीं सवाल उठा रहा है? दिल्ली में बीजेपी, बिहार में बीजेपी और केंद्र में भी बीजेपी, हर जगह बीजेपी होने के बावजूद बिहार के लोगों के घर को तोड़ा जा रहा है. उनको बर्बाद किया जा रहा है यह ठीक नहीं है. बिहार में अकेले चुनाव लड़ेंगे?: इस सवाल के जवाब पर संजय सिंह ने कहा कि हां बिल्कुल हम बिहार में अकेले ही विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे? हमारी किसी से कोई बात नहीं हुई है. हमलोग सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. कांग्रेस-तेजस्वी से कोई बातचीत हुई आपकी?: आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह इस सवाल के जवाब पर कहा कि नहीं किसी से कोई बातचीत नहीं हुई है. वैसे हमलोग अकेले चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. बिहार में थर्ड फ्रंट बनाएंगे?: थर्ड फ्रंट के सवाल पर संजय सिंह ने कहा कि अभी तक जो जानकारी थी, मैंने आपको बता दिया है. पार्टी ने यहां के नेताओं ने मिलकर हम सब ने तय किया है कि अकेले चुनाव लड़ेंगे. हमें इस बात की हरी झंडी है कि आप लोग बिहार में चुनाव लड़िये, अकेले अपनी तैयारी कीजिए. इसलिए थर्ड फ्रंट के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है. केजरीवाल की जेरोक्स कॉपी हैं प्रशांत किशोर?: संजय सिंह ने कहा कि मैं तो ऐसा नहीं मानता. अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में 10 साल सरकार चलाई है. इसके बारे में मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि बिजली फ्री, पानी फ्री, शिक्षा फ्री, इलाज फ्री, माता बहनों के लिए बस में यात्रा फ्री, तमाम फ्लाईओवर के निर्माण, पुलों को वर्ल्ड क्लास उन्होंने बनाया, इसके बावजूद मुनाफे का बजट दिया, जो एक मॉडल है वह इस्टैबलिश्ड मॉडल है. चुनाव परिणाम आने के बाद आज दिल्ली की क्या हालत है, सब लोग देख रहे हैं.

बिहारः प्रशांत किशोर ने अशोक चौधरी को 'सर्वदलीय नेता' क्यों कहा

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

गोपालगंजः जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने अपनी 'बदलाव यात्रा' के दौरान गोपालगंज में परिवारवाद के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड दोनों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने खउ्र नेता अशोक चौधरी के दामाद सायन कुणाल को लेकर दिए गए बयान पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसमें अशोक चौधरी ने कहा था कि उनके दामाद फ्रर कोटे से धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्य बने हैं, न कि मुख्यमंत्री या उनके दामाद होने के नाते। प्रशांत किशोर ने अशोक चौधरी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे 'सर्वदलीय नेता' हैं। पीके ने कहा, 'अशोक चौधरी के पिताजी कांग्रेस में विधायक-मंत्री रहे, खुद खउ्र में विधायक-मंत्री, उनकी बेटी (शांभवी चौधरी) लोजपा (रामविलास) से सांसद हैं और अब उनके दामाद फ्रर कोटे से धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्य बने हैं। तो क्या अब एक ही परिवार के लोग सभी दलों में रहेंगे?' परिवारवाद के मुद्दे पर पीके ने फखऊ नेता तेजस्वी यादव को भी घेरा। उन्होंने कहा, 'जिसके परिवार के 8 लोग राजनीति में हैं, वो दूसरों पर उंगली उठा रहा है। ये दोनों दल एक जैसे ही हैं।' वहीं, नीतीश कुमार को लेकर प्रशांत ने कहा कि 'मैं हर दिन यही कह रहा हूं कि राज्य में सारी नियुक्तियां और तबादले कौन कर रहा है? नीतीश कुमार कोई निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं। जो व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं, वो कोई निर्णय नहीं ले रहे हैं। इसलिए, उनके आस-पास के लोग ये कर रहे हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 20 जून को सीवान दौरे के सवाल पर प्रशांत किशोर ने तंज कसते हुए कहा, 'मोदी जी आने वाले हैं, इसमें नया क्या है? चुनाव है तो हर महीने आएंगे। बिहार की गरीब जनता के पैसे से यहां आकर सभा करेंगे, और वही पुरानी बातें बताएंगे कि आप लोगों को 4 किलो अनाज दे दिए, पाकिस्तान को सबक सिखा दिए, मंदिर बना दिए।' पीके ने आगे कहा कि मोदी जी यह नहीं बताएंगे कि गोपालगंज की चीनी मिल कब चालू होगी। उन्होंने पूछा, '15 साल हो गए लेकिन मोदी जी ने यह नहीं बताया कि बिहार से पलायन कब रुकेगा।' प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री से यह बताने की मांग की कि कब बिहार के बच्चों को मजदूरी करने के लिए गुजरात नहीं जाना पड़ेगा और कब बिहार के बच्चे बिहार को बनाने में अपना पसीना बहाएंगे, न कि गुजरात में फैक्ट्रियों को चलाने में। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी जी गुजरात में फैक्ट्रियों की बात करते हैं और बिहार में सिर्फ 4 किलो अनाज की।

जब अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा, राजनीति से बड़ी है राष्ट्रनीति

प्रफुल्ल पटेल ने जवाब में जो कहा, वह अटल बिहारी वाजपेयी को अच्छा लगा। पटेल ने कहा कि हमारे निमंत्रण पर मित्रों को ऐतराज हो सकता है, लेकिन अपने स्वभाव के अनुरूप अगर वह निमंत्रण स्वीकार करते हैं तो जन्मदिन समारोह को राजनीति से दूर रखने की भी सीख देते हैं। उस शाम मंच पर जो लोग आए, उनकी उपस्थिति उत्साहवर्धक के साथ-साथ अंतर्विरोधी आचरण को भी चुनौती देने वाली थी। मंच पर प्रधानमंत्री वाजपेयी के अलावा, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला, रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस, पी.ए. संगमा, उढकके महासचिव एबी वर्धन, रामकृष्ण हेगड़े, आई.के. गुजराल, एच.डी. देवगौड़ा, शरद यादव, आदि उपस्थित थे। फिल्म जगत से जैकी श्रॉफ, यश चोपड़ा, बप्पी लाहिड़ी, भीमसेन जोशी, मकबूल फिदा हुसैन, दिलीप कुमार, शबाना आजमी समेत काफी कलाकार थे। प्रमुख उद्योगपतियों में हिंदुजा, राहुल बजाज, परमेश्वर गोदरेज भी मौजूद रहे। मंच पर उपस्थित सभी नेताओं ने एक स्वर से शरद पवार के व्यक्तित्व की प्रशंसा की। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के अलावा सोमनाथ चटर्जी के भी शुभकामना संदेश आए। तब शरद पवार के एक बयान की चौतरफा प्रशंसा की गई।

के.सी. त्यागी

यह कहानी शरद पवार के 61वें जन्मदिन की है, जो 12 दिसंबर, 2001 को मुंबई के महालक्ष्मी टर्फ क्लब में मनाया गया था। आयोजक थे उन्हीं के दल के नेता प्रफुल्ल पटेल और छगन भुजबल। तब महाराष्ट्र में कांग्रेस और ठउढ की मिली-जुली सरकार थी। विलासराव देशमुख मुख्यमंत्री थे और छगन भुजबल उप-मुख्यमंत्री। शरद पवार की स्वीकार्यता इस हद तक थी कि कम्युनिस्ट से लेकर इखढ तक सभी समारोह की शोभा बढ़ा रहे थे। इसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को आमंत्रित करने ठउढ नेता प्रफुल्ल पटेल संसद भवन स्थित कार्यालय पहुंचे। महाराष्ट्र में कार्यक्रम था और वहां इखढ विरोधी सरकार थी। वाजपेयी ने निमंत्रण स्वीकार करने को लेकर गंभीर मंथन किया। फिर मिनट भर बाद बोले कि उनके दलों के कुछ नेताओं को यह अप्रिय लग सकता है। प्रफुल्ल पटेल ने जवाब में जो कहा, वह अटल बिहारी वाजपेयी को अच्छा लगा। पटेल ने कहा कि हमारे निमंत्रण पर मित्रों को ऐतराज हो सकता है, लेकिन अपने स्वभाव के अनुरूप अगर वह निमंत्रण स्वीकार करते हैं तो जन्मदिन समारोह को राजनीति से दूर रखने की भी सीख देते हैं।

नेता से अभिनेता तक : उस शाम मंच पर जो लोग आए, उनकी उपस्थिति उत्साहवर्धक के साथ-साथ अंतर्विरोधी आचरण को भी चुनौती देने वाली थी। मंच पर प्रधानमंत्री वाजपेयी के अलावा, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला, रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस, पी.ए. संगमा, उढकके महासचिव एबी वर्धन, रामकृष्ण हेगड़े, आई.के. गुजराल, एच.डी. देवगौड़ा, शरद यादव, आदि उपस्थित थे। फिल्म जगत से जैकी श्रॉफ, यश चोपड़ा, बप्पी लाहिड़ी, भीमसेन जोशी, मकबूल फिदा हुसैन, दिलीप कुमार, शबाना आजमी समेत काफी कलाकार थे। प्रमुख उद्योगपतियों में हिंदुजा, राहुल बजाज, परमेश्वर गोदरेज भी मौजूद रहे। मंच पर उपस्थित सभी नेताओं ने एक स्वर से शरद पवार के व्यक्तित्व की प्रशंसा की। लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के अलावा सोमनाथ चटर्जी के भी शुभकामना संदेश आए। तब शरद पवार के एक बयान की चौतरफा प्रशंसा की गई। उन्होंने कहा कि गठबंधन की राजनीति का युग आ गया है और एक पार्टी के शासन के दिन समाप्त हो चले हैं। हालांकि हमारी विचारधारा अलग-अलग है, लेकिन हमें देश की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए एक साथ आना चाहिए। ऐसे कई देश हैं जहां सरकारें बदल गई हैं, लेकिन विदेश नीति और आर्थिक

नीतियां वही हैं। उन्होंने वहां मौजूद सभी लोगों से कहा कि उन्होंने उन्हें एक नई उम्मीद दी है- देश के लिए कुछ अच्छा करने की। वहां पीएम अटल बिहारी ने कहा कि उनकी विचारधारा अलग-अलग है, लेकिन सबका लक्ष्य एक है और वह है राष्ट्र को बेहतर बनाना। शरद पवार के पास अनुभव भी है और प्रतिभा भी। इस पर सभास्थल पर जोरदार ठहाके भी लगे। चूंकि शरद पवार की पत्नी का नाम प्रतिभा है और वह बगल वाली सीट पर विराजमान थीं। अटल बिहारी ने यह भी कहा कि इस तथ्य के बावजूद कि शरद पवार एक अलग पार्टी और एक अलग राज्य से आए थे, उन्होंने उन्हें गुजरात भूकंप के लिए आपदा प्रबंधन का अध्यक्ष बनाया और केंद्रीय मंत्री के स्तर का भी दर्जा दिलाया। शरद पवार के अनुभव का लाभ भुज भूकंप के पीड़ितों को मिला। समूचे गुजरात ने उनकी प्रशंसा भी की।

अविश्वास में भी विश्वास : 1993 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहते हुए शरद पवार लातूर में आए भूकंप की आपदा झेल चुके थे। उनके प्रबंधन की समूचे देश ने प्रशंसा की थी। पीएम वाजपेयी ने समूचे विपक्ष पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि आतंकवाद निरोधक अध्यादेश की समूचा विपक्ष आलोचना कर रहा है, लेकिन पवार साहब ने अध्यादेश का बारीकी से अध्ययन किया और कुछ सकारात्मक सुझाव भी सरकार के सम्मुख प्रस्तुत किए। हमने भी बड़े दिल से उन्हें स्वीकार किया। अगर हम राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर एक साथ आ सकें, तो भविष्य में कोई अनिश्चितता नहीं रहेगी। यहां यह बताना जरूरी है कि 1999 में वाजपेयी के नेतृत्व वाली ठऊअ सरकार को 13 महीने बाद ही अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा था। जब जयललिता और मायावती जैसे क्षेत्रीय नेताओं के कड़े प्रतिरोध का सामना करते हुए सरकार एक मत से पराजित हो गई, तो उस समय शरद पवार और साथियों ने अविश्वास प्रस्ताव पर उनका विरोध किया था। इससे पहले सरकार की बनाई एक कमिटी में शरद पवार को महत्वपूर्ण पद दिया गया, जो कोल्ड ड्रिंक्स में पेस्टिसाइड्स की मौजूदगी को लेकर थी। समारोह सफल रहा, लेकिन सोनिया गांधी की गैरहाजिरी सभी को इसलिए भी अखरी कि महाराष्ट्र में संयुक्त सरकार का नेतृत्व कांग्रेस पार्टी कर रही थी। कार्यक्रम के संयोजक ने एक निजी बातचीत में माना कि महाराष्ट्र इखढ के सीनियर नेता गोपीनाथ मुंडे भी वाजपेयी की उपस्थिति के हक में नहीं थे। उन्होंने प्रमोद महाजन के जरिए अपना विरोध भी दर्ज कराया था। लेकिन अटल बिहारी का अटल संदेश था कि राजनीति से बड़ी राष्ट्रनीति होती है। निस्संदेह ठउढ को इस कार्यक्रम से राजनीतिक लाभ भी हुआ। शरद पवार के बढ़े कद का स्थानीय चुनावों में फायदा हुआ। ठउढ ने कोंकण और उत्तरी महाराष्ट्र जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने करीबी प्रतिद्वंदियों, कांग्रेस और शिवसेना पर बढ़त हासिल की।

बिहार में इस बार अपने दम पर चुनाव लड़ेगी जेएमएम, राजद पर साधा निशाना

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि वह बिहार विधानसभा चुनाव में इंडी गठबंधन से अलग स्वतंत्र राजनीतिक दल के रूप में मैदान में उतर सकता है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि बिहार में हमारा अपना संगठन है और हम अपने बूते उतरने को तैयार भी हैं ।दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों और सीटों के बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन ने हाल में दो बैठकें आयोजित की थीं, लेकिन इसके लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा को कोई आमंत्रण नहीं मिला।इस संबंध में मीडिया के सवाल पर झामुमो के महासचिव ने कहा, "वे हमें नहीं बुला रहे हैं तो हम जबरदस्ती वहां घुसने भी नहीं जा रहे। हमारी स्वतंत्र पहचान है और यह निश्चित है कि हम वहां अपनी शक्ति प्रदर्शित करेंगे। भट्टाचार्य ने कहा कि कांग्रेस और राजद को हम बता देना चाहते हैं कि झारखंड में हमने उन्हें अपने साथ रखा और उचित सम्मान दिया। पिछले विधानसभा चुनाव में राजद

को झारखंड में मात्र एक सीट पर जीत मिली थी, लेकिन हमने उनके इकलौते विधायक को पूरे पांच साल तक मंत्रिमंडल में बनाए रखा। ऐसा इसलिए, क्योंकि हम चुनाव मैदान में एक साथ उतरे थे और हमें गठबंधन धर्म का पूरा ख्याल था। यही गठबंधन धर्म कांग्रेस और राजद को बिहार में दिखाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के हाल में हुए महाधिवेशन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर ओडिशा, बिहार और देश के दूसरे राज्यों में संगठन के विस्तार का संकल्प लिया गया था। झारखंड मुक्ति मोर्चा इसके पहले भी बिहार विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारता रहा है। 2010 में चकाई विधानसभा सीट पर झामुमो के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की थी। पार्टी ने इस बार बिहार में झारखंड से सटी 12 विधानसभा सीटों को चिह्नित किया है, जहां उसका प्रभाव है। इन सीटों में तारापुर, कटोरिया, मनिहारी, झाझा, बांका, ठाकुरगंज, रूपौली, रामपुर, बनमनखी, जमालपुर, पीरपैंती और चकाई की सीटें शामिल हैं ।पार्टी का मानना है कि इन इलाकों में आदिवासी समुदाय की अच्छी-खासी आबादी है।इन क्षेत्रों में उसकी आदिवासी हितों की नीतियां और झारखंड में किए गए कार्य मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं। झामुमो ने पहले ही इन सीटों पर स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें शुरू कर दी हैं।

कर्नाटक में अब सड़कों पर नहीं दिखाई देंगी बाइक टैक्सी, जानिए किसके आदेश पर बंद हुई सेवा

ब्यूरो

बेंगलुरु : कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य में ऐप आधारित बाइक टैक्सी सेवा ठप हो गई. कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए ओला, उबर और रैपिडो जैसी आधारित कंपनियों ने बाइक टैक्सी सेवा विकल्प हटा दिए. कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि सभी को हाईकोर्ट के फैसले का पालन करना चाहिए. उन्होंने कहा इस मामले में हाईकोर्ट ने तीन महीने पहले ही फैसला सुनाया था जिसमें कहा था कि बाइक टैक्सी नियमों के विरूद्ध है. कोर्ट ने शुरू में 6 हफ्ते का समय दिया और फिर अनुरोध पर छह सप्ताह का और समय दिया. अब जबकि 12 सप्ताह बीत चुके हैं तो इन कंपनियों को हाईकोर्ट के आदेश का पालन करना चाहिए. कर्नाटक हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने शुक्रवार को राज्य में बाइक टैक्सी सेवा को निलंबित करने वाले पहले के एकल-न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया. एक्टिंग चीफ जस्टिस वी कामेश्वर राव की खंडपीठ ऐप आधारित कंपनियों की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. याचिका ओला, उबर और रैपिडो की

ओर से दायर की गई है.इन कंपनियों ने 2 अप्रैल के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें छह सप्ताह के भीतर बाइक टैक्सी सेवाओं को रोकने का निर्देश दिया गया था. बाद में समय सीमा 15 जून तक बढ़ा दी गई. एकल न्यायाधीश ने कहा था कि जब तक राज्य सरकार मोटर वाहन अधिनियम के तहत विशिष्ट नियम और दिशानिर्देश अधिसूचित नहीं करती, तब तक ऐसी सेवाएं संचालित नहीं हो सकती. खंडपीठ ने कहा कि यदि राज्य ने नियमों को बनाने में प्रगति का संकेत दिया होता तो वह आदेश पर रोक लगाने पर विचार करती. हालांकि, सरकार ने कहा कि उसने ऐसे नियम नहीं बनाने का नीतिगत निर्णय लिया है. इसके कारण अदालत ने इन कंपनियों को राहत देने से इनकार कर दिया. पीठ ने राज्य सरकार और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए और अगली सुनवाई 24 जून के लिए निर्धारित की. इस बीच, ओला उबर ड्राइवर्स एंड ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तनवीर पाशा ने आदेश का सख्ती से पालन करने का अनुरोध किया है. रैपिडो ने एक बयान में अदालत के फैसले को स्वीकार किया और अपने सवारों के लिए चिंता व्यक्त की. कंपनियों ने सरकार और परिवहन विभाग के साथ मिलकर एक नियामक ढांचा विकसित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई जो अनुपालन, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार हो. उबर ने 16 जून से अपनी बाइक टैक्सी सेवाओं को निलंबित करने की भी पुष्टि की है. कंपनी ने कहा कि यह निर्णय उन हजारों सवारियों और ड्राइवरों को प्रभावित करता है जो रोजाना बाइक टैक्सियों पर निर्भर रहते हैं. हम कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर एक प्रगतिशील नीति विकसित करने में मदद करना जारी रखेंगे जो सभी के लिए सुरक्षित, सुलभ और किफायती हो सकता है.

इजरायल और ईरान के युद्ध में कूदेगा अमेरिका? ट्रंप लगाने जा रहे आखिरी जोर

शैलेश कुमार शुक्ला

वाशिंगटन/तेहरान : ईरान और इजरायल के बीच लड़ाई में तनाव अपने चरम पर है। दोनों ही देश एक-दूसरे पर मिसाइलों की बारिश कर रहे हैं। इससे ईरान और इजरायल दोनों में काफी नुकसान पहुंचा है। ईरानी सेना की टॉप लीडरशिप को इजरायल ने मार दिया है। इस बीच ईरान ने अब खाड़ी देशों के माध?यम से संकेत दिया है कि वह तत?काल परमाणु मुद्दे पर बातचीत करने और तनाव को कम करने के लिए तैयार है। हालांकि ईरान ने इसके लिए चाल चलते हुए एक शर्त भी रखी है। ईरान का कहना है कि इजरायल और ईरान की इस लड़ाई में अमेरिका सीधे शामिल नहीं होगा। वहीं अमेरिकी राष?ट्रपति डोनाल?ड ट्रंप जी-7 की बैठक को बीच में छोड़कर वापस लौट गए हैं। ट्रंप ने सफाई दी है कि वह ईरान और इजरायल की लड़ाई की वजह से नहीं लौट रहे हैं। उन?होंने ईरानी लोगों को तेहरान खाली करने के लिए कहा है। ट्रंप की आखिरी कोशिश है कि ईरान को परमाणु समझौते के लिए तैयार किया जाए। इसके लिए अमेरिका के उप राष?ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी विदेश मंत्री के बीच जल?द ही मुलाकात हो सकती है। वहीं अमेरिका के और ज?यादा युद्धपोत भी खाड़ी की ओर बढ़ रहे हैं। माना

जा रहा है कि यह ईरान पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। दरअसल, इजरायल कई दिनों से ईरान के परमाणु ठिकानों पर बम और मिसाइलें गिरा रहा है लेकिन इससे कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा है। इजरायल का कहना है कि ईरान परमाणु बम बनाने से मात्र एक कदम दूर है। इजरायल के सामने सबसे बड़ी मुश्किल ईरान का फोडी परमाणु सुविधा केंद्र है जिसे तबाह करने के लिए बंकर बस?टर की जरूरत है। यह केंद्र ईरान ने पहाड़ के कई फुट नीचे बनाया है ताकि किसी हमले से उसे बचाया जा सके। इसको नष?ट करने की क्षमता केवल अमेरिका के पास है जो अपने परमाणु बॉम?बर की मदद से बंकर बस?टर बम गिरा सकता है। ईरान इसी का फायदा उठाते हुए चाहता है कि इस लड़ाई से अमेरिका दूर रहे। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा है कि जब तक इजरायल हमले नहीं रोकता है, तब तक वह भी मिसाइलें दागता रहेगा। उन?होंने कहा कि बातचीत शुरू करने से पहले सीजफायर करना होगा।इस बीच अमेरिका का परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित?ज दक्षिण पूर्वी एशिया से खाड़ी देशों की ओर बढ़ रहा है। पेंटागन ने ऐलान किया है कि ईरान और इजरायल के बीच तनाव को देखते हुए वह 'अतिरिक?त युद्धपोतों' को भेज रहा है। यह एयरक्राफ्ट कैरियर मलक?का स?ट्रेट के रास?ते हिंद महासागर में दाखिल हो गया है। यह अब फारस की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। यह दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोतों में से एक है। अमेरिका ने सफाई दी है कि यह तैनाती रक्षात?मक है। इस एयरक्राफ्ट कैरियर पर 5 हजार जवान और 60 फाइटर जेट तैनात कि?ए जा सकते हैं। इस बीच इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष तेज होने के मद्देनजर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यहां जारी जी-7 शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले ही विदा ले रहे हैं। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि 'सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए।' दुनिया भर के नेता पूरे विश्व में अनेक क्षेत्रों में जारी तनाव को कम करने में मदद के विशिष्ट लक्ष्य के साथ जी-7 में एकत्र हुए, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर टकराव के कारण यह बाधित हो गया है। जी-7 ने एक बयान जारी करके इजरायल का समर्थन किया है। इजरायल ने चार दिन पहले ईरान के खिलाफ हवाई हमले शुरू किए थे। शिखर सम्मेलन में ट्रंप ने चेतावनी दी कि इससे पहले कि 'बहुत देर हो जाए' ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगानी चाहिए। ट्रंप ने कहा कि ईरानी नेता 'बातचीत करना चाहते होंगे' लेकिन उनके पास अपने परमाणु कार्यक्रमों को लेकर सहमति बनाने के लिए 60 दिन थे और फिर भी इजराइली हवाई हमले शुरू होने से पहले वे ऐसा करने में विफल रहे। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, ' उन्हें समझौता करना होगा।' यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका इस संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल होगा ट्रंप ने कहा, ' मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता।' अब तक इजराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम स्थलों को निशाना बनाया है लेकिन वह ईरान के फोर्डो यूरेनियम संवर्धन संयंत्र को नष्ट नहीं कर सका है। यह स्थल जमीन के अंदर काफी गहराई में है और इसे नष्ट करने के लिए इजराइल को 30,000 पाउंड (14,000 किलोग्राम) के 'जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर' की आवश्यकता होगी। इजराइल के पास इस स्तर के बमवर्षक नहीं हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर सोमवार दोपहर चेतावनी देते हुए कहा, 'सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए!' इसके तत्काल बाद ट्रंप ने शिखर सम्मेलन छोड़कर जाने का फैसला किया।

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना मे बाइक सवार घायल

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर टांगरबसली रोड में बुढ़ाखुखरा के निकट मंगलवार को सड़क दुर्घटना में बाइक सवार ललित उरांव 25 वर्ष, शशि उरांव 22 वर्ष व जयपाल उरांव 50 वर्ष घायल हो गये. घटना 12 बजे दिन की है. बताया जा रहा है कि गुड़गुड़जाड़ी गांव के ललित उरांव व शशि उरांव बाइक से अपने घर की ओर जा रहे थे. इसी क्रम में टांगरबसली की ओर से आ रहे एक मारुति वैन ने उन्हें धक्का मार दिया. जिससे उनकी बाइक पैदल चल रहे बुढ़ा खुखरा निवासी जयपाल उरांव से टकरा गयी जिससे वह भी सड़क पर गिरकर घायल हो गया. शशि उरांव व जयपाल उरांव को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है !

संस्था ने डॉ. विनय कुमार माहेश्वरी को किया सम्मानित

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - विटालिया हॉस्पिटल (बारियातू रोड,बूटी मोड़ के निकट)के डॉक्टर विनय कुमार माहेश्वरी को चिकित्सा के क्षेत्र मे उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं मरीजों के साथ मधुर व्यवहार के लिए शिवा लिंगम मानव सेवा संस्थान एवं छात्र क्लब चिकित्सक मंच (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप) की ओर से आज सम्मानित किया गया। डॉ.विनय कुमार माहेश्वरी(एम.एस.सर्जरी) लैप्रोस्कोपिक एवं प्रॉक्टोलॉजी सर्जन है जिन्होंने बवासीर,भगंदर,फिस्टुला, किडनी स्टोन आदि आदि बीमारियों के अनेकों मरीजों की सफल ईलाज कर उनके चेहरे पर खुशियां लाई है।अपनी प्रतिक्रिया में डॉक्टर विनय ने कहा मरीजों की खुशी ही मेरी खुशी है सभी मरीजों को मैं पारिवारिक स्नेह देता हूं वहीं गॉलब्लैडर स्टोन से पीड़ित मैकलुस्कीगंज की मरीज देवंती देवी ने कहा मैं डॉक्टर विनय से ऑपरेशन कराई हूं मैं अभी पूर्ण रूपेण स्वस्थ एवं संतुष्ट हूं।डॉक्टर मृदु भाषी के साथ साथ व्यावहारिक भी हैं। आज के सम्मान समारोह की अध्यक्षता चिकित्सक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापित शिवा लिंगम संस्था के कोषाध्यक्ष दीपक कुमार साहू ने किया।मौके पर उपस्थित संस्था के अध्यक्ष काशी नाथ शाहदेव ,उपाध्यक्ष गौतम कुमार साहू,सचिव बिनोद कुमार साहू एवं ट्रस्टी कन्हाई प्रसाद साहू ,डॉ राजेंद्र हजरा ने भी डॉक्टर विनय को बधाई दी।

एनएच 80 सड़क किनारे ट्रक पलटा, वाहन चालक बाल बाल बचा

मंडरो:

मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत हाजीपुर डिहारी मुख्य सड़क किनारे अनियंत्रित होकर चिप्स लदा एक ट्रक पलटा, बाल बाल बचे ट्रक चालक। प्राप्त जानकारी के अनुसार महादेवगंज से चिप्स लोड करके एक ट्रक मिजाचौकी की तरफ जा रहा था तभी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। वाहन चालक की जांच बच गई। वही मामले की जानकारी मिलते ही मुफ्फसिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। वही बताया गया की मुख्य सड़क किनारे गड्ढा में वाहन का चक्का फसने से चिप्स लदा ट्रक पलटा। कीड़ी प्रकार की कोई हताहत नहीं हुई है। ट्रक मालिक के द्वारा चिप्स उठाने का कार्य किया जा रहा था। वही स्थानीय ग्रामीणों ने बताया की एनएच 80 सड़क पर वाहन चालकों की मनमानी जारी है। ट्रक चालक अत्यधिक स्पीड में वाहन चलाते हैं। वर्तमान में सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। वाहन चालकों को वाहन सड़क की स्थिति को देखकर चलानी चाहिए।

रामगढ़ विधानसभा के विधायक ममता देवी ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ की पूजा अर्चना

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

रामगढ़ विधानसभा के विधायक ममता देवी द्वादश ज्योतिर्लिंग बाबा बैद्यनाथ धाम में सपरिवार पहूंच कर पूजा अर्चना की। मंदिर प्रबंधक रमेश परिहस्त ने उन्हें संकल्प कराकर बाबा का विधिवत पूजा कराया। बाबा बैद्यनाथ का स्पर्श पूजा करने के उपरांत विधायक ममता देवी ने बताया कि बड़े ही सौभाग्य से आज बाबा वैद्यनाथ के दरबार में अपने परिवार के साथ हाजिरी लगाने का मौका मिला और आसान एवं बड़े ही व्यवस्थित तरीके से बाबा का स्पर्श पूजा करके हमें आत्म संतुष्टि मिली। बाबा बैद्यनाथ की कृपा से हमारी हर मनोकामनाऐं पूरी हो रही है और बाबा से हमने इस राज्य के साथ अपने क्षेत्र वासियों के लिए सुख एवं समृद्धि के लिए तथा उन पर सदैव कृपा बरसाने की मंगल कामनाऐं की। हमने मांगा कि बाबा की विशेष कृपा हम पर सदैव बनी रहे। बाबा मंदिर में पूजा उनके पति बजरंग महतो एवं बच्चों के साथ देवघर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश, जिला महासचिव - सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल, प्रदीप कुमार आदि मौजूद थे।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में लुत्फल हक को समाजसेवा का मिला अवार्ड

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः अपने समाज सेवा के कार्यों से देश-विदेश में सम्मान समारोह के बड़े-बड़े मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके पाकुड़ के बहुचर्चित समाजसेवी लुत्फल हक ने एक बार फिर जिले वासियों को गौरवान्वित किया है। उन्हें दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में समाजसेवा का अवार्ड मिला है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने उन्हें अवार्ड देकर सम्मानित किया है। दिल्ली के भारत मंडपम में केंद्रीय मंत्रियों और देश के जाने-माने हस्तियां की मौजूदगी में समाजसेवा के अवार्ड से नवाजा गया है। यहां भारत की उड़ान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें देश के जाने-माने 250 उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया था। इन्हीं में से समाजसेवी लुत्फल हक भी शामिल थे। भारत की उड़ान कार्यक्रम में मिजोरम के राज्यपाल वीके सिंह जैसे शख्सियत भी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सतीश चंद्र दुबे, हरीश मल्होत्रा, एसपी सिंह बघेल, ज्वेल ओरम, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने भी कार्यक्रम में शिरकत किया। देश भर के ढाई सौ उद्योगपतियों के बीच पाकुड़ के समाजसेवी लुत्फल हक को सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अपने हाथों

अवार्ड देकर सम्मानित किया। पाकुड़ के लोकप्रिय और गरीबों के दिलों में बसने वाले चर्चित समाजसेवी लुत्फल हक ने केंद्रीय मंत्री के हाथों सम्मानित होकर खुद को गौरवशाली बताया है। उन्होंने यह सम्मान पाकुड़ के गरीब और असहाय लोगों के नाम किया है। उन्होंने कहा कि मैं इतने बड़े मंच पर सम्मानित होकर खुद को गौरवशाली जरुर महसूस कर रहा हूं। लेकिन यह सम्मान मुझे उन गरीबों के लिए मिला है, जिनकी दुआओं ने मुझे यहां तक पहुंचाया है। मैं पाकुड़ की जनता का भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझे मोटिवेटेड किया। मेरा हौंसला अफजाई कर देश विदेश में बड़े-बड़े मंच पर पहुंचाया। पाकुड़ प्रशासन का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। पाकुड़ प्रशासन ने समाजसेवा के कार्यों में साथ दिया और मेरा मनोबल बढ़ाया। लुत्फल हक ने कहा कि गरीबों के लिए मैं हर संभव काम करता रहूंगा। जिससे कि उन्हें जीवन जीने में थोड़ी सहूलियत मिले। मेरा छोटा सा प्रयास गरीबों के जीवन में अगर खुशी लाती है, तो मैं हमेशा उनके साथ खड़ा हूं और रहूंगा। मैं खुदा से दुआ करता हूं कि मैं जब तक दुनिया में रहूं, गरीबों और असहाय परिवारों के सुख-दुख में उनके साथ खड़ा रहूं। उल्लेखनीय है कि समाजसेवी लुत्फल हक पाकुड़ ही नहीं दूसरे राज्यों में भी गरीब और जरूरतमंद लोगों को मदद पहुंचाते हैं। पाकुड़ रेलवे स्टेशन में पिछले 3 सालों से इनके द्वारा हर दिन लगभग 300 लोगों को निःशुल्क भोजन की व्यवस्था ने पाकुड़ वासियों का दिल जीता है।

देवघर की बहु बरखा झुनझुनावाला को हेमा मालिनी के हाथों मिली spiritual Experience award

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर की बहू Barkha Jhunjhunwala को मिला Spiritual Excellence Blue diamond Award" बॉलीवुड अभिनेत्री ड्रीम गर्ल Hema Malini fi के हाथों हुआ सम्मान.Barkha Jhunjhunwala, जो पेशे से एक अनुभवी टैरो कार्ड रीडर और न्यूमेरोलॉजिस्ट हैं, मूल रूप से देवघर की बहू, Abhimanyu Jhunjhunwala की पत्नी और Pradeep Jhunjhunwala व Ranjana Jhunjhunwala की पुत्रवधू हैं। उन्होंने आध्यात्मिक और हीलिंग के क्षेत्र में अपने समर्पण और कार्य से एक अलग पहचान बनाई है। हाल ही में मुंबई में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें Spiritual Excellence Blue diamond Award” से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें बॉलीवुड अभिनेत्री ड्रीम गर्ल Hema Malini के शुभ हस्तों से प्रदान किया गया, जो कि Barkha के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण और भावुक क्षण था। इस विशेष अवसर पर उनके मार्गदर्शक Harpreet Ma’am और Abhishek Sir भी मंच पर उपस्थित थे, जिनका मार्गदर्शन Barkha अपनी आध्यात्मिक यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण मानती हैं। इस समारोह के दौरान

प्रेरणादायक पुस्तक "Fearless and Feminine" का भी विमोचन किया गया, जिसमें Barkha की जीवन कहानी को एक सह-लेखिका के रूप में शामिल किया गया है। इस पुस्तक में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे टैरो और आध्यात्मिक मार्गदर्शन ने उन्हें कठिनाइयों से निकालकर आत्म-हीलिंग और रोशनी की ओर अग्रसर किया। कार्यक्रम में Barkha ने मुख्य वक्ता (Speaker of the Event) के रूप में भी सहभागिता की। अपने प्रेरक और आत्मिक भाषण के माध्यम से उन्होंने श्रोताओं को आत्म-जागरूकता, आत्म-विश्वास और आंतरिक परिवर्तन की ओर सोचने के लिए प्रेरित किया। सम्मान मिलने के पश्चात Barkha Jhunjhunwalaने कहाः यह सम्मान उन सभी लोगों के लिए आशा की किरण है, जो अपने जीवन में एक नई शुरूआत की तलाश में हैं। मेरे लिए टैरो सिर्फ कार्ड नहीं, बल्कि एक क्वांटम हीलिंग का माध्यम है, जिसने मुझे स्वयं को जानने और निखारने का रास्ता दिखाया. Barkha की यह उपलब्धि उन सभी के लिए प्रेरणा है, जो आध्यात्मिकता, आत्म-विकास और हीलिंग की राह पर आगे बढ़ने का साहस रखते हैं। और एक बात जरूर कहना चाहूंगी... मेरे पति अभिमन्यु झुनझुनवाला की मदद के बिना ये सब मुमकिन ही नहीं था। जब-जब मैं टूटी, उन्होंने मुझे फिर से संभाला, उठाया और आगे बढ़ाया। मेरी ताकत, मेरा हौसला – हर मुश्किल घड़ी में मेरे साथ अडिग रहे।

उनका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी जीत की वजह बना। इस सफर की असली नींव वही हैं। बरखा झुनझुनवाला का जन्म बिहार के भागलपुर ज़िले के कहलगांव में हुआ। उनके पिता अशोक कुमार बंकिया और माताजी शर्मिला देवी बंकिया हैं। वे तीन बहनों में सबसे छोटी हैं। इस उपलब्धि को लेकर उनके माता-पिता भी अत्यंत गर्व और आत्मीयता महसूस कर रहे हैं।

विशेष मध्यस्थता अभियान के तहत अब तक चार पारिवारिक मामलो का हुआ निष्पादन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःझालसा रांची के निदेर्शानुसार 16 से 20 जून तक चलाई जा रही स्पेशल मेडिएशन ड्राइव इन फैमिली मैटर के तहत प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय में लंबित मूल भरण पोषण वाद संख्या 59/25 मनीजा खातून बनाम रईसुद्दीन शेख, मूल भरण-पोषण वाद सं0-44/2025 महाफूल टुडू बनाम सोनाराम किस्कू , ओरिजिनल सूट संख्या40/2025 ,श्रवन कुमार साहा बनाम नीलम देवी,भरण पोषण वाद सं०-30/2025 नसीमा खातुन बनाम सैफुल अंसारी बनाम सैफुल अनसारी उक्त सभी दंपत्ति विगत कई महीनों से अलग रह रहे थे। प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुधांशु कुमार शशि के अथक प्रयास से आज चारों दंपतियों को मिलजुलकर एक दूसरे के साथ रहने का आशिर्वाद दिया। दोनों दंपतियों ने एक दूसरे को फूल माला व मिठाई खिलाकर राजी खुशी से साथ रहने का वादा किया।मौके पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुधांशु कुमार शशि, अधिवक्ता धर्मेंद्र सिंह,राहुल व्यास,अल्बिना मुर्मू एवं बजले रहमान उपस्थित रहे।

जातीय जनगणना हर वर्ग को सही प्रतिनिधित्व देने का हैं आधार वंचितों का हैं अधिकार - उदय लखमानी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ कांग्रेस प्रदेश महासचिव उदय लखमानी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा जनगणना 10 वर्षों में कराने का प्रावधान है। साथ ही, यह केंद्र सरकार के कर्तव्यों में शामिल है। जिस प्रकार से जनगणना कराने से केंद्र की भाजपा सरकार भाग रही थी उससे यह साफ प्रतीत होता है कि वह आदिवासी-दलित-अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग को उनका अधिकार देने से कतरा रही थी, लेकिन आदरणीय नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी ने आदिवासी-दलित-अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग को संपूर्ण अधिकार मिले इसे लेकर जो लंबी लड़ाई लड़ी है उसी का परिणाम है कि आज केंद्र सरकार ने जनगणना

कराने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। कांग्रेस प्रदेश महासचिव उदय लखमानी ने आगे कहा कि सड़क से लेकर सदन तक नेता विपक्ष राहुल गांधी ने इस तानाशाही सरकार से लड़ते हुए जनगणना कराने के लिए उन्हें बाध्य किया है। यह जीत हमारे संविधान की है जिसने हमें तानाशाहों से लड़ने और सामाजिक न्याय की मुख्य धारा में बढ़ने की ताकत दी है, जिसे कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी जी की पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन कर रहे हैं। जब भी इस देश में संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक न्याय को विखंडित करने के लिए भाजपा एवं फ्र्र द्वारा प्रहार किया गया है, तब सबसे पहले कांग्रेस पार्टी ही पूरी ताकत के साथ उन सामंतवादी ताकतों से लड़ने के लिए खड़ी रही है। हमें गर्व है कि हम कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं जो जनता के अधिकारों और देश के प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव लड़ता रहा है।

पाकुड़ डीसी आमजनों की समस्याओं से हुए अवगत पदाधिकारियों को दिये निर्देश

रिपोर्ट-अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान जमीन से संबंधित, नगर परिषद से संबंधित, परिवहन विभाग से संबंधित, शिक्षा विभाग से संबंधित, कल्याण विभाग से संबंधित आदि से संबंधित मामले से एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने

संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

नशामुक्ति को लेकर निकाली गई प्रभातफेरी एवं विभिन्न खेलों के माध्यम से किया गया जागरूक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग के निदेशानुसार जिला खेल कार्यालय पाकुड़ द्वारा मादक पदार्थों के सेवन को रोकने और लोगों के बीच जागरुकता बढ़ाने के लिए लगातार नशा मुक्त अभियान का आयोजन किया जा रहा है। आज इसी क्रम में शहर के अम्बेडकर चौक पाकुड़ से जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार के द्वारा जागरूकता प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये प्रभात फेरी अम्बेडकर चौक से शुरू होकर बैंक कॉलोनी स्टेडियम में जाकर समापन हुआ। इसके पश्चात विभिन्न आयु वर्ग के बालक एवं बालिका के लिए एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भी आयोजन बैंक कॉलोनी स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान लाने वाले खिलाड़ियों को पुलिस उपाधीक्षक जितेंद्र कुमार

एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से ट्रॉफी, मेडल एवं खेल कीट देकर सम्मानित किया गया। जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि सरकार व जिला प्रशासन का प्रयास है कि नशा मुक्त भारत अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़े, ताकि नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य न केवल जन-साधारण को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागृत करना है बल्कि नशे के खिलाफ जन आंदोलन का रुप देना है ताकि नशे के खिलाफ हर आदमी जुड़ कर अपना योगदान दे सकें। नशे पर पूर्णतया अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। अभियान को सफल बनाने पाकुड़ ओलंपिक संघ के सचिव रणवीर सिंह, जिला खेल समन्वयक विवेक रजक, खेलो इंडिया के प्रशिक्षक अक्षय बाउड़ी, एनआईएस कोच जगबंधु दास, श्यामल सोरेन, प्रोन्नति रानी दास, नारायण चंद्र रॉय,अंकिता राय,राम मोहन सैनी,अमित कुमार,नीतीश कुमार एवं खेल शिक्षक एवं शिक्षिका का योगदान सराहनीय रहा।

मांडर, हेसल घुघरी में भाजपा का विकसित भारत संकल्प सभा

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण को समर्पित मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने को लेकर मांडर मंडल भाजपा की ओर से हेसल घुघरी के अखरा में मंगलवार को विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया. सभा में मुख्य अतिथि झारखंड भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय व युवा भाजपा नेता सन्नी टोप्पो मुख्य रूप से शामिल थे. कार्यक्रम में डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि नरेंद्र मोदी अटल बिहारी बाजपेयी के बाद देश के दूसरे ऐसे प्रधानमंत्री हैं. जिनका अपना कोई परिवार नहीं है वह देश की डेढ़ सौ करोड़ जनता को अपना परिवार मानते हैं. और जनता के विकास के लिए दिन रात एक करके मेहनत करते हैं. नरेंद्र मोदी आदिवासी समाज के भी सच्चे हितैषी व शुभचिंतक हैं. उन्होंने आदिवासी समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर यह साबित भी किया है. सभा में सन्नी टोप्पो ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले 11 साल में समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास व दर्जनों कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का जो काम किया है वह आजतक कभी नहीं हुआ था. उन्होंने कहा कि वह मांडर विधानसभा के एक लाख तरह हजार जनता के ऋणी हैं. उनके सुख दुख में वह हमेशा साथ खड़े रहेंगे. इस दौरान अन्य वक्ताओ ने भी विचार व्यक्त किये और विकसित भारत बनाने का संकल्प भी लिया गया. मौके पर जिला उपाध्यक्ष सुधाकर चौबे, कार्यक्रम प्रभारी सतीश कुमार साह, बीजुपाड़ा मंडल अध्यक्ष अरविंद सिंह, मंडल महामंत्री, रामचंद्र भगत, अयोध्या सिंह कार्यक्रम सह संयोजक मनोज किस्पोट्टा, करमा उरांव, सफीक आलम, विनोद उरांव, सुखराम उरांव,चंदू उराव, निशा तिर्की मुन्ना गोप, अजीत उरांव सहित अन्य उपस्थित थे !

रात्रि चौपाल लगाकर पाकुड़ डीसी ने इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान का लिया जायजा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान डोर टू डोर चलाया जा रहा है। ये अभियान 16 जून से 30 जून तक चलाया जाएंगे। इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर सोमवार देर रात को उपायुक्त मनीष कुमार ने सदर प्रखंड के बहिरग्राम गांव का दौरा किया। रात्रि चौपाल लगाकर उपायुक्त मनीष कुमार ने ग्रामवासियों से संवाद किया और जानकारी ली की आज स्वास्थ्य कर्मी आपके घर आए थे, ग्रामीणों ने बताया कि आए थे और गांव के लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया है। उपायुक्त ने गर्भवती महिलाओं से भी मुलाकात कर जानकारी ली की समय पर प्रसव पूर्व जांच हुआ है या नहीं। उपायुक्त ने कहा कि अब घबराने की जरूरत नहीं है अब एक ही जांच से सारी बीमारियों जैसे कालाजार, फाइलेरिया, एनीमिया, कुष्ठ रोग, टीबी, मलेरिया, बीपी, हिमोग्लोबिन, सुगर आदि बीमारियों का पता लगाया जाएगा। साथ ही उपायुक्त ने गांव के सभी लोगों को जांच कराने हेतु प्रेरित किया। उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग और क्षेत्रीय स्वास्थ्य कर्मियों के कार्यों की सराहना की और निर्देश दिया कि यह अभियान पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ लगातार चलाया जाए ताकि कोई व्यक्ति उपचार से वंचित न रह जाए। उपायुक्त ने सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पाकुड़ को निर्देश दिया कि सभी नियमित रूप से फील्ड विजिट करें और शत प्रतिशत अभियान की निगरानी सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

लघु सिंचाई एवं गंगा पम्प नहर प्रमण्डल की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

साहिबगंज:

उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में लघु सिंचाई प्रमण्डल, साहेबगंज एवं गंगा पम्प नहर प्रमण्डल, साहिबगंज अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति को लेकर एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में क्रियान्वित विभिन्न सिंचाई योजनाओं की अद्यतन स्थिति, भौतिक प्रगति एवं कार्यान्वयन की गति की गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी योजनाओं को निर्धारित समयावधि के भीतर गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि विकास योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उपायुक्त ने योजनाओं के कार्य स्थल पर नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने, पारदर्शिता बरतने तथा स्थानीय किसानों से समन्वय बनाकर कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि आगामी मॉनसून सत्र को ध्यान में रखते हुए जल संचयन एवं वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाए, जिससे कृषकों को लाभ मिल सके।बैठक में सहायक अभियंता, कनीय अभियंता सहित संबंधित विभागीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

अंडर 15 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए जिले से 08 खिलाड़ी नागपुर रवाना

20 से 22 जून तक महाराष्ट्र के नागपुर शहर में आयोजित अंडर 15 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेंगे

साहिबगंज:

भारतीय कुश्ती संघ एवं महाराष्ट्र कुश्ती संघ के संयुक्त तत्वाधान में आगामी 20 मई से 22 जून तक महाराष्ट्र के नागपुर शहर में आयोजित अंडर 15 जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए जिले के फूलों झानो इनडोर स्टेडियम, साहेबगंज में संचालित खेलो इंडिया कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु सीमा हेम्ब्रम ,श्रुति कुमारी ,वैष्णवी कुमारी ,राहुल कुमार ,सुधांशु पंडित ,बल्लब कु० चौधरी, कुणाल कुमार ,राजू यादव का चयन झारखंड टीम में किया गया है। वही राज्य टीम का प्रशिक्षक प्रकाश सिंह बादल एवं जिले के सभी खिलाड़ी नागपुर के लिए रवाना हो गए।

संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स का चुनाव 2025-26: नामांकन प्रक्रिया जारी, अब तक दो नामांकन हुए दाखिल

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, देवघर के नए सत्र 2025-27 के लिए चुनाव की प्रक्रिया गतिशील रूप से चल रही है। चैंबर के अध्यक्ष, महासचिव सहित 13 कार्यकारिणी सदस्यों के पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। चुनाव पदाधिकारी विभुती ठाकुर ने जानकारी दिया कि आज नामांकन के दूसरे दिन तक दो उम्मीदवारों ने कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है जबकि अध्यक्ष और महासचिव के लिए अभी किसी का नामांकन नहीं आया है । कार्यकारिणी सदस्य के लिए अब तक सर्वेश कुमार मोदी एवं संजय कुमार बंका (गुड्डू बंका) द्वारा नामांकन दाखिल किए गए हैं।नामांकन की अंतिम तिथि 19 जून 2025 निर्धारित है। चुनाव पदाधिकारी ने कहा है कि इच्छुक उम्मीदवार शाम 5 बजे से 7 बजे तक शिक्षा सभा चौक स्थित चैंबर के चुनाव कार्यालय में अब 18 और 19 जून को भी नामांकन दाखिल कर सकते हैं। चुनाव पदाधिकारी ने सभी सदस्यों से अपील की है कि वे इस चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अनुभवी, जिम्मेदार व प्रगतिशील प्रतिनिधियों को आगे लाकर एक मजबूत और प्रभावशाली चैंबर के निर्माण में योगदान दें। विदित हो कि संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, देवघर का चुनाव प्रत्येक दो वर्षों में होता है। सत्र 2025-27 के लिए 29 जून को वोट डाले जाएंगे। नामांकन के अंतिम दो दिन चैंबर के नामांकन की गहमागहमी बढ़ने की संभावना है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का ऐतिहासिक कायाकल्प हुआ है केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

मानेसर, हरियाणा:

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले दशकों तक रेलवे उपेक्षा का शिकार रहा, जहां मात्र 25-30 हजार करोड़ का वार्षिक निवेश होता था। लेकिन अब यह निवेश बढ़कर 2.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो रेलवे के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास को रफ्तार दे रहा है।

श्री वैष्णव ने कहा, "रेलवे में वर्षों से जमा हुई लेगेसी समस्याएं अब एक-एक कर समाप्त हो रही हैं। स्टेशन, ट्रेन, शौचालय, ट्रैक, सफाई, तकनीक–हर क्षेत्र में व्यापक सुधार किया गया है। यात्रियों को नई सुविधाएं दी जा रही हैं और इंडस्ट्री के साथ मिलकर एकीकृत विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

श्री वैष्णव ने हरियाणा के मानेसर में मारुति प्लांट में रेलवे साइडिंग सुविधा के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए *प्रमुख घोषणाएं और उपलब्धियां गिनायी

100 नई मेन लाइन ईएमयू (MEMU) गाड़ियां

पैसेंजर गाड़ियों को अपग्रेड करने के लिए अब 16 और 20 कोच की मेन लाइन ईएमयू गाड़ियां बनाई जाएंगी। अब तक 8 या 12 कोच की टएटव बनती थीं। यह परियोजना तेलंगाना के काजीपेट में शुरू हो रही एक नई फैक्ट्री में क्रियान्वित की जाएगी। इससे शॉर्ट डिस्टेंस ट्रैवल को बड़ी राहत मिलेगी।

50 नई नमो भारत एसी पैसेंजर गाड़ियां

'नमो भारत' गाड़ियों को यात्रियों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। अब 50 नई अउ पैसेंजर ट्रेनें जोड़ी जाएंगी। इससे पहले अहमदाबाद-भुज और पटना-जयनगर के बीच दो गाड़ियां शुरू की गई थीं। कुल मिलाकर 150 नई पैसेंजर गाड़ियां सेवा में आएंगी।

1200 से अधिक नए जनरल कोच

बीते वर्ष में रेलवे ने यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए 1200 से अधिक जनरल कोच जोड़े हैं। यह अभियान पिछले 2.5 वर्षों से लगातार चलाया जा रहा है।

अमृत भारत स्टेशन योजना

अब तक 1300 अमृत भारत स्टेशन का काम स्वीकृत किया गया है। इनमें से 103 स्टेशन हाल ही में बनकर तैयार हुए हैं और प्रधानमंत्री ने बीकानेर से इसका लोकार्पण किया। दिसंबर 2025 तक 100 और स्टेशन तथा वर्ष 2026 तक 500 और स्टेशन पूरे किए जाएंगे।

टिकटिंग प्रणाली में सुधार

तत्काल टिकट बुकिंग में बॉट्स के दुरुपयोग को रोकने के लिए 1 जुलाई से केवल KYC सत्यापित यात्रियों को ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा मिलेगी। विंडो बुकिंग पर भी कऊअनिवार्य होगी।

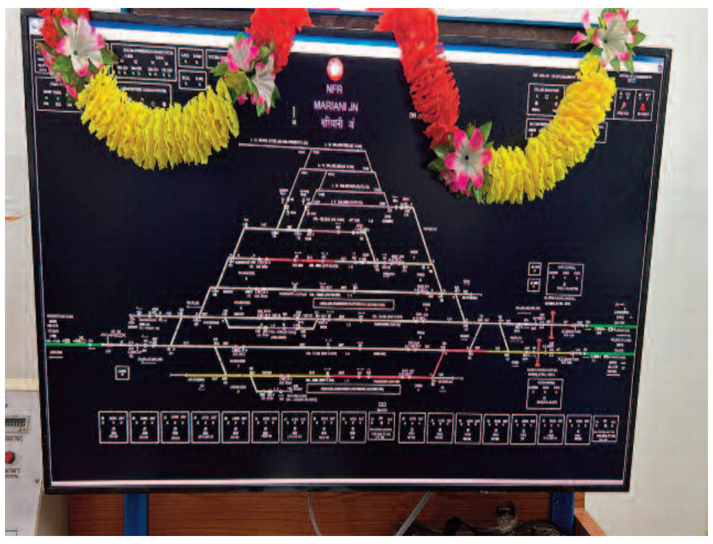

चार्ट पब्लिशिंग में नवाचार

बीकानेर डिवीजन ने एक अभिनव पहल के तहत चार्ट को 24 घंटे पहले प्रकाशित करना शुरू किया है (पहले 4 घंटे पूर्व होता था)। इससे यात्रियों में अनिश्चितता कम हुई है और उन्हें बेहतर योजना बनाने में सुविधा हो रही है।

वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों का विस्तार

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या जल्द ही 6 और बढ़ेगी। 50 और ट्रेनों का निर्माण जारी है। वंदे भारत ट्रेनों को भी लगातार नए रूट्स पर बढ़ाया जा रहा है।

फ्रेट कॉरिडोर और मालवाहक सेवाएं

भारत अब विश्व में माल ढुलाई और यात्री परिवहन–दोनों में दूसरे स्थान पर है। पिछले साल 720 करोड़ यात्रियों ने रेलवे से सफर किया और 1617 मिलियन टन माल ढोया गया। फ्रेट कॉरिडोर अब पूरी तरह क्रियाशील है और प्रतिदिन लगभग 400 मालगाड़ियां इस पर चल रही हैं।

हरियाणा में रेलवे का बुनियादी कायाकल्प

श्री वैष्णव ने बताया कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा को मात्र 315 करोड़ का आवंटन मिलता था, जो अब बढ़कर 3416 करोड़ हो गया है। हरियाणा में: 823 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गईं–यह यूएई की कुल रेल नेटवर्क से अधिक है। 100% रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण 34 स्टेशनः अमृत भारत योजना के तहत पुनर्विकसित किए जा रहे हैं।

540 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए जा चुके हैं।

सोनीपत के रेलवे कारखाने का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। 11,800 करोड़ रुपए का निवेश रेलवे की ओर से हरियाणा में किया जा रहा है।

गति शक्ति मल्टी-मॉडल टर्मिनल्स

प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स को सशक्त करने के लिए 2021 में रेलवे ने बड़े रिफॉर्म्स किए, जिसके परिणामस्वरूप 108 मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल्स अल्प समय में बनकर तैयार हो गए हैं। हरियाणा में स्थित टर्मिनल, जहां यह घोषणा की गई, वह 45 एकड़ में फैला है और इसकी माल वहन क्षमता 4.5 लाख कारों तक की है। श्री वैष्णव ने अंत में कहा, ह्लभारतीय रेलवे की परिवर्तन यात्रा, प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में, नए युग की रेलवे बना रही है–तेज, स्वच्छ, आधुनिक और जन-हितैषी। आने वाले वर्षों में हम इसे और ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत विकास परिषद देवघर शाखा द्वारा बाल संस्कार शिविर का शुभारंभ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारत विकास परिषद, देवघर शाखा द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पुनसिया, देवघर में बाल संस्कार शिविर का शानदार आगाज किया गया। यह शिविर 3 दिनों यानि 19 जून तक चलेगा। इस बाल संस्कार शिविर के माध्यम से बच्चों में भारतीय संस्कृति की अलख जगाया जाएगा। इस बाल संस्कार शिविर को मेधा योग (आर्ट ऑफ लिविंग), संस्कृत व स्वस्ति वाचन, वैदिक गणित और बेसिक मधुर संगीत से पिरोया गया है। आर्ट ऑफ लिविंग के वरीय प्रशिक्षक निशांत जी ने मेधा योग के अंतर्गत बच्चों को खूबसूरत अंदाज में स्वासों की क्रिया और संवेदनाओं, ॐ और राम... के विभिन्न लयों, सहज योग और ध्यान के माध्यम से बच्चों की एकाग्रता और मेधाविता को समग्र बनाने का अभ्यास कराया। पिंटू कुमार पाण्डेय और आशुतोष पाण्डेय ने बच्चों को सरल संस्कृत वार्ता तथा संस्कृत स्तुति वाचन कराया। देवघर कोर्ट से सेवानिवृत्त

अधिकारी शशि शेखर सिंह ने वैदिक पद्धति से गणित को रोचकपूर्ण तरीके से हल करना सिखाया तो संगीत शिक्षक राकेश सिंह ने बच्चों को 7 बेसिक राग का अलाप सिखाया और राग और स्वर के साथ गायत्री मंत्र का भी अभ्यास कराया। इससे पहले भारत विकास परिषद के प्रांतीय महासचिव प्रकाश चन्द्र सिंह, प्रांतीय संस्कार प्रमुख रामसेवक सिंह गुंजन, विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. सी. नायक, शाखा के अध्यक्ष आलोक मल्लिक, संस्कार संयोजक विनीता मिश्रा, सचिव कंचन शेखर सिंह, सेवा संयोजक रंजीत बरनवाल, परिषद के सदस्य प्रो. परिमल सिंह, विद्यालय समिति के अध्यक्ष चांद मणि द्वारी, प्रधानाध्यापिक अंकिता, किरण बरनवाल ने समवेत भारत माता और स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर पुष्पांजलि कर वैदिक रीति से शिविर का शुभारंभ किया। परिषद की परंपरानुसार समवेत वंदे मातरम्-गीत गाकर शिविर संचालन प्रारंभ हुआ। आकांक्षा, रिया तथा विद्यालय के शिक्षक योगेंद्र वर्मा ने शिविर संचालन में मदद किया।

इंसानियत फाउंडेशन के सचिव एवं लाइफ सेवियर्स के सचिव को रक्तदान क्षेत्र मे बेहतर कार्य के लिए किया गया सम्मानित

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ : पाकुड़ जिला के लिए इंसानियत फाउंडेशन एवं लाइफ सेवियर्स समूह के चर्चे सिर्फ झारखंड ही नहीं झारखंड के अलावा दूसरे प्रदेशों में भी हो रही है. इन दोनों संस्था के माध्यम से अब तक कई लोगों की जिंदगी को नया वरदान मिला है. कई लोग मौत के मुंह में पहुंच कर भी इन दोनों संस्था के जरिए मौत को मात दे दी है. यह दोनों समूह ना ही सिर्फ रक्तदान के क्षेत्र में कार्य करती है बल्कि गरीब और जरूरतमंदों के बीच हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं. इन दोनों संस्था के कारण आज काफी लोगों की जिंदगी बदल चुकी है. कहते हैं हौसले जिसके बुलंद होते हैं सफलता उनके कदमों तले जयजयकार करती है. आज की तारीख में इंसानियत फाउंडेशन एवं लाइफ सेवियर्स समूह बहुत ही कम समय के अंदर इतना मशहूर हो चुका है कि दोनों समूह के लोगों के चर्चे झारखंड प्रदेश की राजधानी रांची में गूंज रही है. जिस कारण इंसानियत फाउंडेशन के सचिव बनीज शेख एवं लाइफ सेवियर्स के सचिव नफीसुल आलम को रक्तदान क्षेत्र मे बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया. वाकई में यह सम्मान सिर्फ इस समूह की मेहनत व लगन के लिए बहुत कम मायने रखता है. क्योंकि जिंदगी की जंग लड़ रहे लोगों को उनकी जिंदगी बचाने के लिए जिस तरीके से इन दोनों संस्था के लोगों के द्वारा सहयोग किया जाता है उनका मान और सम्मान सिर्फ एक इंसान ही समझ सकता है जिस इंसान के अंदर इंसानियत हो. दोनों संस्था के सदस्यों द्वारा लोगों की मदद

करना कितना फायदेमंद साबित हो रहा है वह उस जरूरतमंद को पूछिए जो आज इन संस्था के कारण उनकी जिंदगी का पहिया घूम रहा है. संस्था के सहयोग से आज इस समूह में कई सारे युवाओं में लोक भावना का एहसास जाग चुका है. इन दोनों संस्था के सचिव को रांची में मिले सम्मान वाकई में पाकुड़ जिला के लिए महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए. कहते हैं पैसे से सब कुछ नहीं होता,दिल बड़ा होना चाहिए.जिनके हौसलों में छलांग लगाने की हिम्मत हो वह कभी भी पीछे की तरफ मुड़कर नहीं देखते. यह मिसाल इन संस्थाओं के लिए फिट बैठती है.

एम्स देवघर में डेक्सा मशीन की शुरूआत, किया गया शुभारंभ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान देवघर में एक मंगलवार को महत्वपूर्ण चिकित्सा सुविधा की शुरूआत करते हुए अत्याधुनिक डेक्सा (Dual-Energy X-Ray Absorptiometry) मशीन का शुभारंभ किया। यह मशीन हड्डियों की मजबूती और बीमारियों की सटीक जांच के लिए अत्यधिक उपयोगी मानी जाती है। इस सुविधा का उद्घाटन प्रो. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय, कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवघर के कर-कमलों द्वारा किया गया। उन्होंने संस्थान के मरीज केंद्रित दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए इस सुविधा की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कर्नल अभिक दास, उप निदेशक, तथा प्रो. डॉ. सत्य रंजन पात्रा, चिकित्सा

अधीक्षक ने विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाग लिया। कार्यकारी निदेशक प्रो. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय ने बताया की डेक्सा मशीन हड्डियों के खनिज घनत्व (BMD) की जांच करने वाली आधुनिक तकनीक है। यह ऑस्टियोपोरोसिस, फ्रैक्चर जोखिम, तथा हड्डी की अन्य बीमारियों की प्रारंभिक पहचान में सहायक है। यह जांच पूरी तरह से सुरक्षित, तेज और कम विकिरण के साथ की जाती है, जो विशेष रूप से बुजुर्गों और महिलाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है। प्रो. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय की दूरदर्शता और जनहित में लिए गए निर्णय के परिणामस्वरूप यह सेवा अब झारखंड, बिहार एवं आस-पास के राज्यों के लाखों लोगों के लिए उपलब्ध हो पाई है। पहले ऐसी जांच के लिए मरीजों को मेट्रो शहरों की ओर जाना पड़ता था, लेकिन अब यह सुविधा एम्स देवघर में ही उपलब्ध है. वह भी सरकारी दर पर, अत्यंत सुलभ रूप में। डेक्सा मशीन की स्थापना से न केवल इलाज की सुविधा सुलभ होगी, बल्कि हड्डी स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनुसंधान को भी गति मिलेगी। इस दिशा में ऑर्थोपेडिक्स विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष राज के तकनीकी सुझावों और मार्गदर्शन ने भी उपयोगी भूमिका निभाई है। इस शुभ अवसर पर सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, इंजीनियरिंग विभाग, नर्सिंग स्टाफ, तकनीकी टीम, एवं अन्य कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे, जिनके अथक प्रयास और सहयोग से यह मशीन सफलतापूर्वक स्थापित हो सकी। एम्स देवघर जनमानस को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं देने के संकल्प के साथ लगातार प्रगति कर रहा है।

वार्ड संख्या 18 में पेवर हटाकर सड़क को किया जा रहा सुगम, समाजसेवी सूरज झा के प्रयास से हो रहा सुधार कार्य

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर :- वार्ड संख्या 18 स्थित पंडित बी.एन. झा रोड पर पिछले 4 वर्षों से सड़क पर गलत तरीके से लगाए गए पेवर्स के कारण लगातार जाम की समस्या उत्पन्न हो रही थी। इस असुविधा के कारण स्थानीय नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या के समाधान हेतु समाजसेवी सूरज झा ने नगर आयुक्त से विशेष आग्रह किया। समाजसेवी सूरज झा की पहल और नगर आयुक्त की तत्परता से आज से उक्त स्थान पर सुधार कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। पेवर्स को हटाकर सड़क को समतल किया जा रहा है, जिससे आमजन को आवागमन में कोई असुविधा न हो। इस कार्य से स्थानीय लोगों में प्रसन्नता का माहौल है। समाजसेवी सूरज झा ने नगर आयुक्त का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनहित में यह कार्य बेहद जरूरी था और नगर प्रशासन द्वारा शीघ्रता से संज्ञान लेकर कार्य प्रारंभ करना सराहनीय कदम है। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन तत्पर रहेगा।

पाकुड़ अंचल निरीक्षक शिवाशीष के घर हुई डकैती, बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाकर घटना को दिया अंजाम

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ में डकैती की एक बड़ी घटना घटी है, आपको बता दे की पाकुड़ नगर में सरकारी कर्मी शिवाशीष वात्स्यायन के घर हुई डकैती, चेहरा ढक कर गोकुलपुर स्थित सीआई शिवाशीष के घर बीते रात करीब 9बजे बदमाशों का झुंड बनाकर अनुमानित बीस की संख्या में पहुंचे थे। और परिवार वालों को धारदार हथियार के नोक पर डरा धमका कर लाखों के जेवरात और पैसे ले उड़े, पीड़ित परिवार के बयान के अनुसार पिस्टल के साथ साथ देसी हथियार से सभी अपराधी लैस थे। घर पर मेहमान आए हुए थे, जिसमें से एक युवक के सर पर हथियार से हमला कर घायल कर दिया गया। वही मामले की जानकारी मिलते ही पाकुड़ पुलिस छानबीन में जुट गई हैं, मामला बीते रात 9बजे की बताई जा रही है। सदर प्रखंड के सी आई सुभाशीष ने बताया कि घर पर कुछ मेहमान आए हुए थे, मुख्य दरवाजा खुला था, 9 बजकर 20 मिनिट पर वे रोज की तरह बैडमिंटन खेलने

स्टेडियम की और निकल गए। उनके निकलने से महज 10 मिन के अंदर हथियार से लैस होकर तकरीबन 20 की संख्या में लोग घुस गए। उसी वक्त बाहर खड़े हमारे एक रिश्तेदार आदित्य कुमार जब टोका तो उसके सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे सिर फट गया और उसे साथ लेकर घर में प्रवेश कर घटना को अंजाम दिया गया। उन्होंने बताया कि लाखों के जेवरात एवं पैसे लेकर बदमाश चले गए हैं गए।

संक्षिप्त समाचार

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पशु क्रूरता निवारण समिति के कार्य समिति की बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पशु क्रूरता निवारण समिति के कार्य समिति की बैठक जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में इनके कार्यालय कक्ष में संपन्न हुई। जिसमें एनिमल क्रुएल्टी एक्ट के अंतर्गत किए गए प्रावधानों एवं उनके कार्यान्वयन पे विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी सह सचिव पशु क्रूरता निवारण समिति , आरक्षी अधीक्षक महोदय के प्रतिनिधि के रूप में आरक्षी उपाधीक्षक मुख्यालय, सदस्य वरीय अधिवक्ता श्री सिद्धेश्वर विद्यार्थी , श्रीमती पूनम सिंह, प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी, और मैं इस बैठक में उपस्थित था। बैठक समापन के उपरांत हमने विष्णुधाम में होनवाले विकास के मुद्दे, जम्होर नगर पंचायत , जिले में स्वीकृत मेडिकल कॉलेज आदि पे विस्तार पूर्वक सार्थक चर्चा किया गया,सबसे मुख्य बात जम्होर जीवन बाग के लिए निर्माण होने वाले पथ पे सकारात्मक चर्चा हुई जिसपे उन्होंने उत्तर दिया कि यह निविदा प्रक्रिया में है। जिला पदाधिकारी अत्यधिक प्रसन्नचित मुद्रा में दिखे।

बिजली व जल कलेक्शन में अब किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं होगी

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय अवस्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के विधिक सेवा सदन में स्थाई लोक अदालत काम करना शुरू कर दिया है जिसके अध्यक्ष सेवानिवृत्त जिला जज अशोक राज और गैर न्यायिक सदस्य ऋषिकेश और आयुष बगारिया है, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि इसमें जन उपयोगी सेवाएं सम्बंधित विवाद केस के रूप में लाए जाएंगे और स्थाई लोक अदालत के फैसले सर्वमान्य होगा, इसमें मुख्य विषयों में है वायु,जल,संडक यात्री के समस्या,माल परिवहन सेवा में त्रुटि,डाक सेवा, टेलीफोन सेवा, रोशनी और पानी आपूर्ति,लोक स्वच्छता, स्वास्थ्य रक्षा प्रणाली, अस्पताल व डिस्पेंसरी सेवा,बीमा सेवा, मनरेगा, शैक्षिक और शौक्षनिक संस्थान, आवास व भू सम्पदा सेवा,संडक पर जलजमाव, नालियों के समस्या, गंदगी, विधुत व जल कलेक्शन अवैधानिक रूप से काटा जाना,बीमा कम्पनी द्वारा कर्तव्य पूरा करने में टालमटोल करना, सहित बहुत से जन उपयोगी समस्या से सम्बंधित वादों का निष्पादन कराया जाएगा।

अनुमण्डल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित

समस्याओं का होगा निदान शिकायतों की जाँच कर होगी :- एसडीएम दीपक कुमार

दिव्य दिनकर

बिहार डिगिनेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा बिहार मधुबनी जयनगर अनुमण्डल कार्यलय परिसर स्थित एसडीएम कार्यलय के प्रकोष्ठ में अनुमण्डल स्तरीय खाध एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अनुश्रवण समिति की बैठक एसडीएम दीपक कुमार के अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में उपस्थित समिति के सदस्यों विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और सम्बंधित विभाग के पदाधिकारियों कर्मियों ने भाग लिया। समिति के सदस्यों के द्वारा बैठक में जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों से सम्बंधित राशन और रसोई गैस से सम्बंधित समेत विभिन्न जनसमस्याओं पे प्रकाश डालते हुए अवगत कराया गया। घरेलू रशोई गैस सिलेंडर की किल्लत, तय मूल्य से अधिक राशि लेने, ससमय रशोई गैस उपलब्ध नहीं कराने, वेंडर की मनमानी , शिकायत करने पर कार्रवाई नहीं करने। जनवितरण प्रणाली को सुदृढ करने और रसोई गैस निर्बाध आपूर्ति और गैस वेंडरों के द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक राशि लेने की जाँच की मांग को रखा। गैसों के वितरण को मानक स्तर पर रखने से सम्बंधित मुद्दों पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। पीडीएस विक्रेता द्वारा लाभुकों को कम अनाज देने की बातों को रखा गया। मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की गई। बैठक में अन्य जनसमस्याओं के निदान पर सदस्यों ने अपना अपना विचार रखा।बैठक में सदस्यों के द्वारा उठाये गये मांग और समस्याओं के निदान करने की बात कही। एसडीएम के द्वारा जिसे यथासम्भव निष्पादन करने और शिकायतों की जाँच कर करवाई करने का आश्वासन दिया गया। सम्भावित सुखाड़ और बाढ़ को लेकर सभा का आयोजन होने की जानकारी दी गई। बैठक में प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी वीपीन अंशु , मुख्य पार्षद कैलाश पासवान, जिला परिषद सदस्य अंजलि कुमारी, विधायक प्रतिनिधि उद्धव कुंवर,भूषण सिंह, सूर्यनाथ यादव, राज कुमार सिंह, सुरेंद्र महतो, पंकज सिंह राठोड़, अनुरंजन सिंह, कुमार राणा प्रताप सिंह, विशुनदेव भंडारी, प्रदीप पासवान,मो. साबिर अली, गुड्डू साह समेत विभिन्न राजीनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बिहार विधान सभा 2025 की तैयारी के संबंध में समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में आगामी बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 की तैयारी के संबंध में समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों के आगमन, आवासन तथा उनकी तैनाती से संबंधित व्यवस्थाओं के साथ-साथ सभी मतदान केन्द्रों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी द्वारा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों के लिए उपयुक्त आवासन स्थलों की पहचान करें तथा उन स्थलों पर पेयजल, विद्युत, शौचालय इत्यादि मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस कार्य हेतु जिला पंचायती राज पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सभी प्रखंडों में इस कार्य का अनुश्रवण करें तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश निर्गत करें। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा यह भी निर्देश दिया

गया कि आगामी निर्वाचन को देखते हुए सभी मतदान केन्द्रों पर आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम बुनियादी सुविधाएं जैसे कि पेयजल, विद्युत, शौचालय, शेड एवं दिव्यांगजनों के लिए रैम्प आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस कार्य हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी को संयुक्त रूप से आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान यह भी अवगत कराया गया कि शिक्षा विभाग द्वारा चिन्हित 125 केन्द्रीय बल आवासन स्थलों पर कुल 693 शौचालय एवं 1208 स्नानगृहों के निर्माण की आवश्यकता आंकी गई है। इस दिशा में जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक सूची उपलब्ध कराते हुए त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों से सेक्टर पदाधिकारियों की सूची प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि निर्वाचन प्रक्रिया के तहत एउक्छ द्वारा निर्मित ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों का प्रथम स्तरीय जाँच कार्य पूर्ण हो चुका है। दिनांक 17 जून 2025 को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष एवं सचिव की उपस्थिति में मॉक पोल का आयोजन किया जा रहा है ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

महाबोधी महाविहार बचाओं संघर्ष मोर्चा का विशाल धरना आयोजित किया गया।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

पटना :- जिले के सदर प्रखंड के गर्दनीबाग थाना के समीप विशाल धरना का आयोजन किया गया। धरना का मुख्य कारण बोधगया स्थित महान सम्राट अशोक द्वारा 2300 वर्ष पूर्व निर्मित महाबोधी महाविहार का प्रबंधन असम्बैधानिक बी.टी. एक्ट 1949 से संचालित करने के विरोध स्वरूप है। विश्व के हर धर्म सम्प्रदाय के पवित्र स्थल उनके अनुयायियों द्वारा प्रबंधित किये जाते हैं। किन्तु बोधगया महा-विहार के प्रबंधन में बौद्ध एवं हिन्दु दोनों को समान भागीदारी दी गई है, जो विवाद का मुख्य कारण है।तथागत बुद्ध की ज्ञान स्थली की व्यवस्था में गैर बौद्ध को सम्मिलित किये जाने से जब-तब बुद्ध की विचार धारा, मान्यता एवं सिद्धांत के विरूद्ध हिन्दु

कार्मकाण्ड, पूजा-अर्चना आदि सम्पन्न कराने की घटना प्रकाश में आते रहती है। विगत 12 मई बैसाख पूर्णिमा के दिन चुपके-चुपके गर्भ गृह में महामहिम बिहार सरकार के हाथों प्रबंधन कमिटी द्वारा शिवलिंग की पूजा कराई गई, जिससे विश्व भर के बौद्धो में काफी आक्रोश है। इतनी बड़ी गलती करने वाले प्रबंधन कर्मियों को अब तक बर्खास्त नहीं किया गया है जिससे वह अनुमान लगाया जा सकता है कि प्रबंधन कमिटी के इस कृत को राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है। धरना के माध्यम से हम सभी सरकार से माँग करते हैं कि बी.टी. एक्ट 1949 को तत्काल रद्द किया जाए। महाबोधि महाविहार का प्रबंधन व्यवस्था पूर्णतः बौद्धों के हाथ सौंपा जाय। गया जी के तत्कालीन जिलाधिकारी को बर्खास्त किया जाय। उक्त जानकारी मोर्चा के संयोजक श्रीनाथ सिंह बौद्ध, ट्रष्टी सह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दी बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इण्डिया ने दी। कार्यक्रम को सम्बोधित करने वालों में सुभाष कुमार, बिनोद सिंह कुशवाहा, भंते नाग दीपांकर, अमर सहारे, ब्रजकिशोर सिंह कुश-ावाहा, आर.पी. रत्नाकार, डॉ० महबूब आलम, कामेश्वर कुमार आदि प्रमुख थे।

सरस्वती ज्ञान एजुकेशन फाउंडेशन ने कामर्स टॉपर हर्ष राज को उच्च शिक्षा के लिए किया आर्थिक मदद

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय के ब्लॉक मोड़ के समीप अवस्थित पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल के प्रांगण में सरस्वती ज्ञान एजुकेशनल फाउंडेशन के तत्वावधान में सामाजिक कार्यों के बढ़ते कदम के निमित जरूरतमंद विद्यार्थियों को मदद करने का जो बीड़ा उठाया है उस कार्य को आज मूर्त रूप दिया गया।इसके तहत आज हर्ष राज इंटर कॉमर्स में टॉपर हैं जो सरस्वती विद्या मंदिर औरंगाबाद के विद्यार्थी हैं उनको संस्था के अध्यक्ष डॉ ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह के द्वारा 30799 रुपए का चेक प्रदान किया गया। जिससे वे कॉमर्स के पढ़ाई कर कॉमर्स संकाय से जो सबसे बड़ी उपलब्धि होती है उसे वे प्राप्त कर सकें। साथ ही साथ उनके माता-पिता को भी अंगवस्त्र,पुष्पहार देकर सम्मानित किया गया।अपने बच्चों को इस मुकाम पर पहुंचने के लिए अपने उद्बोधन में उनके माता-पिता ने कहा कि वे बच्चों के साथ पढ़ाई के समय सिर्फ बैठते हैं ताकि वे अध्ययन को सुचारू रूप से गति प्रदान कर सकें। कार्यक्रम की अध्यक्षता पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने की, जबकि संचालन की जिम्मेवारी शब्दाक्षर के जिलाध्यक्ष नागेंद्र केसरी ने निभाई।मुख्य अतिथि के रूप में ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह, समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र,जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह,महामंत्री धनंजय जयपुरी,समाजसेवी रविंद्र शर्मा की गरिमामई उपस्थिति रही।इस कार्य को सभी अतिथियों ने सराहना की और शुभकामना दिया ताकि आगे भी इस तरह के कार्य को गति प्रदान करते रहें। ग्लोबल एकेडमी के निदेशक सुनील कुमार की विशेष सहभागिता रही।मौके पर पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव स्वर्णजीत कुमार सिंह,कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह,वरीय सदस्य संजय कुमार सिंह, गोरखनाथ सिंह, रणजीत सिंह,हास्य कवि विनय मामूली बुद्धि,लवकुश प्रसाद सिंह,चंद्रकांत सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

के. ए. पॉल ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को लिखा पत्र

विशेष दर्जा मामले में तुरंत कार्रवाई की मांग की

साथ ही आंध्र प्रदेश विधानसभा में एक कड़ा विधेयक लाने की मांग — ताकि युवा लड़कियों और महिलाओं को क्रूर साहूकारों से बचाया जा सके

हैदराबाद , ।

वैश्विक शांति पहल के संस्थापक और प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय शांति कार्यकर्ता डॉ. के. ए. पॉल ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू को एक खुला पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने राज्य को विशेष राज्य का दर्जा (रस्त्रीं' उंर्३ींङ्क१८ रइं-३४२ - रउर) देने की वर्षों से लंबित मांग पर तुरंत कार्रवाई करने की अपील की है। डॉ. पॉल ने यह भी कहा कि 21 अगस्त और 10 सितंबर 2024 को हुई सुनवाई के दौरान आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा दिए गए निदेशों के अनुसार राज्य सरकार को काउंटर-अफिडेविट दाखिल करना चाहिए था, जो अब तक नहीं किया गया है। डॉ. पॉल ने पत्र में बताया कि हाईकोर्ट ने उनके द्वारा दायर याचिका को स्वीकार कर लिया था और राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे आंध्र प्रदेश की जनता के प्रति अपनी कानूनी, नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी निभाएं। यह वह क्षण है जब आप इतिहास में एक स्थायी छाप छोड़ सकते हैं, डॉ. पॉल ने लिखा। उन्होंने मुख्यमंत्री को 2014 के चुनावों में दिए गए अपने समर्थन की याद दिलाते हुए कहा, आंध्र प्रदेश का विभाजन अन्यायपूर्ण तरीके से किया गया, बिना राजधानी और बुनियादी ढांचे के। जनता से न्याय का वादा किया गया था और अब वह न्याय मिलना चाहिए। डॉ.

पॉल ने अपने पत्र में संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 39(बी), 266, 282, और 360, साथ ही 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों का हवाला दिया। उन्होंने सोनिया गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, नरेंद्र मोदी और वेंकैया नायडू जैसे नेताओं द्वारा विशेष दर्जे के वादों को भी रेखांकित किया, जो सार्वजनिक मंचों पर दिए गए थे।उन्होंने यह भी कहा कि यह आंदोलन केवल राजनीतिक या आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और ऐतिहासिक न्याय से जुड़ा मुद्दा है।महिलाओं की सुरक्षा को लेकर नया विधेयक लाने की अपील डॉ. पॉल ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से यह भी आग्रह किया कि वे आंध्र प्रदेश विधानसभा में एक सख्त विधेयक लाएं, ताकि राज्य की युवा लड़कियों और महिलाओं को क्रूर साहूकारों से बचाया जा सके। उन्होंने एक हालिया घटना का उल्लेख किया, जिसमें आज चित्तूर जिले के कुडप्पम क्षेत्र – मुख्यमंत्री के अपने निर्वाचन क्षेत्र – में एक युवती को पेड़ से बांधकर पीटा गया, क्योंकि उसके पति ने 80,000 का कर्ज चुकाया नहीं था। इस मामले में एक टीडीपी कार्यकर्ता को आरोपी बताया गया है। इस घटना का एक वीडियो रिपोर्ट एक टीवी चैनल द्वारा प्रसारित किया गया है, जिसे साक्ष्य के रूप में संलग्न किया गया है।

सत्यचंडी धाम रायपुरा में आद्रा मेला का आयोजन 22 जून से

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं तीर्थ स्थल सत्यचंडी धाम रायपुरा में आद्रा मेला का शुभारंभ 22 जून को होगी। इस वर्ष आद्रा मेला 22 जून से शुरू होकर 6 जुलाई तक चलेगी। पुण्यदायिनी बटाने के पावन तट पर अवस्थित सत्यचंडी धाम में प्रतिवर्ष आद्रा मेला के अवसर पर हजारों श्रद्धालु भक्तों का आगमन होता है।बटाने नदी में लोग आस्था की डुबकी लगाते हैं सत्यचंडी माता की विशेष पूजा आराधना करते हैं।कुछ श्रद्धालु भक्तों का मनौती होता है जो पूरा होने पर पुनः दूसरे वर्ष यहां आकर विशेष पूजा पाठ करते हैं। सत्यचंडी धाम न्यास समिति के सचिव राजेंद्र सिंह एवं महोत्सव आयोजन समिति के उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने बताया कि आद्रा मेला के अवसर पर स्थानीय स्तर पर तो लोग आते ही हैं दूसरे जिले एवं अन्य राज्यों के लोग भी आकर यहां पूजा पाठ करते हैं।शक्ति के उपासक भक्त अपनी साधना को पूर्ण करने के लिए विशेष पूजा करते हैं। मेला में धार्मिक उपादान से संबंधित दुकानें लगती हैं बच्चों के मनोरंजन के लिए भी झूला आदि का आयोजन किया जाता है खान-पान एवं जलपान की विभिन्न दुकाने लगती हैं हाट बाजार से संबंधित लोग भी यहां आकर खरीदारी करते हैं।सत्यचंडी माता के बातें में जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि उनकी महिमा अपरंपार है।इस स्थल पर माता का रक्तिम हस्त गिरने का प्रमाण मिलता है। अगल-बगल लगभग सैकड़ो ग्राम के कुलदेवी के रूप में पूजी जाती हैं।आद्रा नक्षत्र में जो भी श्रद्धालु भक्त इस स्थल पर पूजा पाठ करते हैं उनका पूरा साल शांतिपूर्ण व्यतीत होता है।इस वर्ष आद्रा नक्षत्र में सूर्य के प्रवेश के साथ ही 22 जून को ही चतुर्मेघ नामक मेघ सक्रिय हो जाएगा जिससे अच्छी बारिश होने की संभावना है।इस नक्षत्र में सूर्य के गोचर को वर्षा ऋतु के आगमन और कृषि कार्यों के लिए अति महत्वपूर्ण माना जाता है।

जिला योजना कार्यालय एवं आकांक्षी प्रखंड योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला योजना कार्यालय एवं आकांक्षी प्रखंड अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की अद्यतन प्रगति, कार्य की स्थिति तथा क्रियान्वयन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की गहन समीक्षा की गई।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों से प्रगति प्रतिवेदन की जानकारी लेते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी योजनाएं तय समयावधि में पूर्ण हों ताकि विकास के लक्ष्यों को प्रभावी रूप से प्राप्त किया जा सके। उन्होंने लंबित योजनाओं की पहचान कर उनके त्वरित निष्पादन हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश भी दिए।बैठक में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में संचालित अधोसंरचना विकास कार्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं की स्थिति पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया।इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला नियोजन पदाधिकारी पंकज झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता देवीलाल हांसदा एवं कार्यपालक अभियंता रमाकांत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गोह में कानून का रखवाला ही बना हमलावर

चौकीदार का बेटा छेड़छाड़ और खुद चौकीदार पर फायरिंग-मारपीट के आरोप, दो पक्षों में केस दर्ज

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)जिसे कानून की रक्षा करनी चाहिए, वही अगर कानून को हाथ में लेने लगे तो समाज में न्याय व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। ऐसा ही मामला सामने आया है गोह थाना क्षेत्र के नगाईन गांव में, जहां सिंघाडी गांव के सरकारी चौकीदार और उसके परिवार पर छेड़छाड़, मारपीट और फायरिंग जैसे संगीन आरोप लगे हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस ने दोनों पक्षों की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित पक्ष का आरोप,नगाईन गांव निवासी बिनोद कुमार ने गोह थाना में आवेदन देकर बताया कि वह सोमवार को अपने घर पर मिट्टी भराई का कार्य कर रहे थे, जो देर रात लगभग 10 बजे तक चला। इसी दौरान सिंघाडी गांव के चौकीदार राज कुमार सिंह का पुत्र उज्वल कुमार उनके घर आया और उनकी भतीजी से पानी मांगा। जब भतीजी ने कोई जवाब नहीं दिया तो उज्ज्वल ने कथित रूप से गलत नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। भतीजी के हल्ला मचाने पर बिनोद कुमार व उनके परिजन मौके पर पहुंचे और उज्ज्वल से पूछताछ करने लगे। आरोप है कि उज्ज्वल ने तत्काल फोन कर लगभग एक दर्जन लोगों को बुला लिया, जिन्होंने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में बिनोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। चौकीदार और साथियों पर भी गंभीर आरोप बिनोद का आरोप है कि थोड़ी देर में खुद चौकीदार राज कुमार सिंह लाठी लेकर घटनास्थल पर पहुंचा। उसके साथ परासी गांव निवासी छोटू भी था, जिसने अपने पास रखी पिस्टल से हवाई फायरिंग की। छोटू को आपराधिक प्रवृत्ति का बताया गया है, जो पहले भी जेल जा चुका है। साथ ही चौकीदार का दामाद मिथलेश पांडेय और अन्य लोगों ने मिलकर पीड़ित परिवार की दोबारा पिटाई की। इस हमले में बिनोद की मां का हाथ टूट गया, उनके भाई अनिल कुमार के सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे वे खून से लथपथ होकर गिर पड़े। भतीजी भी हमले में घायल हुई है। सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची, तब जाकर सभी आरोपी फरार हो गए। फिलहाल घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने की कार्रवाई, दो एफआईआर दर्ज थानाध्यक्ष मो. इरसाद ने बताया कि बिनोद कुमार के आवेदन पर कांड संख्या 204/25 दर्ज की गई है, जिसमें चौकीदार राज कुमार सिंह, उसका पुत्र उज्ज्वल कुमार, दामाद मिथलेश पांडेय, छोटू कुमार (परासी गांव) समेत 8झ10 अज्ञात लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से तीन मोटरसाइकिल जब्त की है।

वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से चौकीदार के पुत्र बाल्मीकि कुमार ने भी एक आवेदन दिया है, जिसमें कहा गया है कि वह मिट्टी भराई के पैसे मांगने गए थे, जहां उसके साथ मारपीट की गई और उसकी गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस मामले में कांड संख्या 205/25 दर्ज की गई है, जिसमें पिंटू ओझा और बिट्टू ओझा को आरोपी बनाया गया है।

गोह पुलिस की त्वरित कार्रवाईः हथियार लहराने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)गोह पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भूरकुंडा गांव में हाल ही में हुए विवाद के दौरान हथियार लहराने के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार युवक की पहचान राजू सिंह के पुत्र अमित कुमार के रूप में हुई है, जो गोह बाजार में देखा गया था। गोह थाना अध्यक्ष मो. इरशाद ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भूरकुंडा गांव में बीते दिन भूरकुंडा गांव में हुए विवाद के दौरान हथियार लहराने वाला आरोपी अमित कुमार फिलहाल गोह बाजार में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोह बाजार से युवक को धर दबोचा। पुलिस के अनुसार, अमित कुमार ने विवाद के दौरान गांव में खुलेआम हथियार लहराया था, जिससे दहशत का माहौल बन गया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी थी और अंततः उसे गिरफ्तार करने में सफलता मिली। थानाध्यक्ष ने कहा कि गोह थाना क्षेत्र में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तारी के बाद अमित कुमार को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

ट्रम्प से इतना भय क्यों खा रहे हो, क्या डर है जो छुपा रहे हो !

बादल सरोज

बहुतई विचित्र समय है। उधर माय डिअर फ्रेंड ऐसा पिलकर पीछे पड़ा हुआ है कि चुप्प होने का नाम ही नहीं ले रहा और इधर उनके प्यारे मित्र मोदी ऐसी चुप्प साधे हैं कि बोल ही नहीं फूट रहा ; न हाँ कहते बन रहा है, न ना कहने की हिम्मत जुटा पा रहे हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच हुई लड़ाई झ जिसमें अमरीकी राष्ट्रपति को परमाणु युद्ध तक की आशंका दिखाई दे गयी थी झ में बीच-बचाव करके, उन्हें डांट-डपट कर, व्यापार के लॉलीपॉप दिखाकर, घुड़की देकर युद्धविराम करवा देने की खुद की उपलब्धि का बखान ट्रम्प बार-बार लगातार कर रहे हैं। इसकी आवृति और बारम्बारता इतनी है कि अब तो गिनती करना तक कठिन होता जा रहा है। 10 मई के बाद के 11 दिन में ट्रम्प ने 8 बार, हर बार कुछ नया मिर्च-मसाला जोड़कर युद्धविराम करवाने का दावा दोहराया। एक देश नहीं, सऊदी अरब और क़तर सहित तीन-तीन देशों के सार्वजनिक कार्यक्रमों में यही बात बोल-बोलकर सार्वजनिक रूप से भारत को उसकी हैसियत दिखाई है। 23 मई को न्यूयॉर्क स्थित अमरीका की अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़े मामलों की संघीय अदालत में तो बाकायदा शपथपत्र दाखिल करके लिखा-पढ़ी में इसे उदाहरण के रूप में पेश किया है। टैरिफ बढ़ाने-घटाने के राष्ट्रपति के निरंकुश अधिकार को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में ट्रम्प प्रशासन के प्रतिनिधि ल्यूटनिक ने तीन न्यायाधीशों की पीठ के सामने शपथ पत्र देकर टैरिफ नीति की कारगरता बताई। उसने उदाहरण देते हुए कहा कि "भारत और पाकिस्तान - दो परमाणु शक्ति संपन्न देश जो सिर्फ़ 13 दिन पहले युद्ध अभियानों में लगे हुए थे - 10 मई, 2025 को एक अनिश्चित युद्ध विराम पर पहुँचे। यह युद्ध विराम केवल राष्ट्रपति ट्रम्प के हस्तक्षेप के बाद ही हासिल किया गया था और दोनों देशों को पूरी तरह युद्ध को रोकने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार करने की पेशकश की थी। इस मामले में राष्ट्रपति की शक्ति को बाधित करने वाला कोई भी प्रतिकूल निर्णय भारत और पाकिस्तान को राष्ट्रपति ट्रम्प की पेशकश की वैधता पर सवाल उठाने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिससे पूरे क्षेत्र की सुरक्षा और लाखों लोगों की जान को खतरा हो सकता है। इस तरह अब भारत को समर्पण कराना भी एक नजीर की तरह पेश किये जाने की नौबत आ गयी है। याद रहे कि भारत या पाकिस्तान में से किसी के भी युद्ध विराम का एलान करने के पहले झ सबसे पहले झजानकारी ट्रम्प ने ट्विटर एक्स पर दी थी। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक ट्रम्प के मुंह से कोई दर्जन भर बार यह दावा दोहराया जा चुका है - इनमें उपराष्ट्रपति वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा किये गए ऐसे दावों का शुमार नहीं है। इस बीच एक नया ब्यौरा रूस के राष्ट्रपति पुतिन के विशेष सलाहकार यूरी उशाकोव ने जोड़ दिया है, जो ट्रम्प के सीजफायर दावे को प्रामाणिकता देता है। एक इंटरव्यू में उशाकोव ने कहा कि ह्लट्रम्प और पुतिन के बीच करीब 75 मिनट की बातचीत हुई, जिसमें परमाणु शक्ति सम्पन्न भारत और पाकिस्तान के बीच जंग एक अहम् मुद्दा थी। इसमें ट्रम्प ने बताया कि किस तरह वह इन दोनों देशों के बीच युद्ध विराम करवा रहे हैं। भले मोदी, उनके विदेश मंत्री और उनके सरसंघचालक से लेकर शाखा प्रमुख तक इतना सब होने पर भी मुसक्का बाँध कर बैठे हों, किन्तु विदेश विभाग के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल एक पत्रकार वार्ता में इसे अपरोक्ष रूप से स्वीकार कर चुके हैं। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने माना कि ह्लहाँ, युद्ध के दौरान अमरीकी उपराष्ट्रपति वेंस और प्रधानमंत्री मोदी तथा अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच बातचीत हुई थी, मगर इसमें व्यापार की कोई बात नहीं थी।ह्व इन पंक्तियों के बीच वह स्वीकारोक्ति छुपी है, जिसका खंडन करने की हिम्मत नहीं हो रही, क्योंकि यह बातचीत मौसम का हाल जानने के लिए नहीं थी - युद्ध रोकने की ही थी ! किसी संप्रभु देश, उसमें भी भारत जैसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे अधिक आबादी वाले देश के साथ इस तरह का बर्ताव, तीसरे देशों में जाकर उसका बार-बार दोहराया जाना सिर्फ कूटनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन ही नहीं है, सरेआम लज्जित और अपमानित करने वाला भी है। सवाल यह है कि दशकों से आमतौर से आत्मसम्मान की विदेश नीति पर चलने वाले और उसके चलते दुनिया भर में अपनी सम्मानजनक हैसियत बनाने वाले देश के साथ ऐसी नौबत क्यों, कैसे और किनके कारण आई है ? यह सवाल इसलिए अहम है, क्योंकि यह सिर्फ एक घटना नहीं है झ यह एक ऐसी फिसलन है, जो यदि अभी नहीं रोकी गयी, तो बहुत तेजी से रसातल में पहुंचा देगी। जी-7 की बैठक में ह्यटू बी ऑर नॉट टू बीह्न वाला ह्यकभी ख़ुशी कभी ग़मह्न एपिसोड ट्रम्पियापे पर हुए मोदियापे के नए सीजन का ही हिस्सा है। बाकी देशों को डेढ़-डेढ़ महीने पहले बुलावा भेजना, भारत को न्यौता देने में इतनी देर करना, महज सप्ताह भर पहले भेजे आमंत्रण में भी रूखी-सूखी भाषा का इस्तेमाल करना अभद्रता तो है ही, भारत की अभी हाल तक की अंतर्राष्ट्रीय हैसियत के मुताबिक़ भी नहीं है। जैसे देर से न्यौतना ही काफी नहीं था, सो यह भी बता दिया गया कि यह न्यौता भी सशर्त है। मेजबान देश कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी देते हुए कहा कि "हम अब, महत्वपूर्ण रूप से, कानून प्रवर्तन वार्ता जारी रखने के लिए सहमत हो गए हैं, इसलिए इस पर कुछ प्रगति हुई है, जो जवाबदेही के मुद्दों को पहचानती है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मोदी को निमंत्रण देने में यह एक कारक था। एक सूत्र ने टोरंटो स्टार को बताया कि यह मोदी को निमंत्रण देने के लिए "शर्तों" में से एक था। कनाडा दुनिया के उन कुछ देशों में से एक है, जहां भारतीय मूल के नागरिकों की भरी-पूरी आबादी है और उसकी काफी हद तक निर्णायक भूमिका भी है। कार्नी यहीं तक नहीं रुके, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि 15-17 जून को कनानसकीस, अल्बर्टा में होने वाला जी-7 शिखर सम्मेलन "शांति और सुरक्षा को मजबूत करने, विदेशी हस्तक्षेप के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय अपराध का मुकाबला करने और जंगल की आग के लिए संयुक्त प्रतिक्रियाओं में सुधार" पर केंद्रित होगा। यह उन तीन प्राथमिकताओं में से पहली है, जिन्हें कार्नी ने शिखर सम्मेलन के लिए रेखांकित किया है। खालिस्तानी पृथकतावादी निज्जर की हत्या के बाद कनाडा द्वारा भारत सरकार पर लगाए गए आरोपों के मद्देनजर यह मोदी सरकार के बारे में कनाडा द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं को साफ़-साफ़ दर्ज करता है। उस शर्त की तरफ भी इंगित करता है, जो आख़िरी समय पर दिये गये बुलावे के साथ जुड़ी बताई गयी हैं। मगर एक तो बात इतनी भर नहीं है और दूसरे ये कि न्यौते को लटकाकर रखने के पीछे सिर्फ कनाडा भर नहीं है झ अंदरखाने बहुत कुछ हुआ है, डील और भी हैं। जी-7 के न्यौते के साथ ही भारत सरकार ने एलान किया है कि वह डालर की जगह किसी स्थानीय करेंसी के उपयोग के ब्रिक्स के प्रस्ताव के साथ नहीं जाएगी। यह मांग असल में अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने मोदी के सामने पत्रकार वार्ता में तब की थी, जब वे उन्हें चुने जाने की बधाई देने गए थे। ट्रम्प ने ब्रिक्स को बंद कर देने तक की हिदायत दी थी और मोदी दन्त-मुख व्यायाम करते रहे थे, जबकि दक्षिण अफ्रीका, यहाँ तक कि यूक्रेन जैसे देश भी ट्रम्प के बडबोलेपन का जवाब उसके मुंह पर देकर आये थे। ब्रिक्स अमरीकी वर्चस्व वाली एकध्रुवीयता के मुकाबले के लिए बना संगठन है। भारत इसके संस्थापक सदस्यों में से एक है। उसके अलावा ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका इसमें हैं, कुछ और देश इसमें शामिल हुए हैं और अनेक अन्य देश इसकी सदस्यता की कतार में हैं। ब्रिक्स बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशो का संगठन है, जिनका दुनिया की जीडीपी में 35% हिस्सा है, जबकि जी-7 का हिस्सा सिर्फ 30% है। ब्रिक्स गठबंधन के देश हर पैमाने से जी-7 देशों की तुलना में मजबूत हैं और लगातार आगे की और बढ़ रहे हैं, जबकि इससे उलट जी-7 देशों की अर्थव्यवस्थाएं गिरावट की ओर हैं। वर्ष 2000 में, दुनिया की कुल जीडीपी में जी-7 देशों की हिस्सेदारी 40% से अधिक थी, लेकिन 2024 तक यह 30% से नीचे गिर गई। यह गिरावट मुख्य रूप से चीन, भारत, ब्राजील के आर्थिक विकास के कारण है और मैन्युफैक्चरिंग से लेकर उपभोग तक चौतरफा है। ब्रिक्स संगठन का एक बड़ा लक्ष्य अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता को कम करना है। वैश्विक लेन-देन में डॉलर के प्रभुत्व से इन देशों की असहमति है। डॉलर पर टिकी प्रणाली बाकी देशों को पश्चिमी प्रतिबंधों के अधीन कर देती है। इसलिए ब्रिक्स ने शुरू से ही व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने और गैर-डॉलरीकरण की दिशा में कदम बढ़ाने का समर्थन किया है। ब्रिक्स देश एक दशक से भी अधिक समय से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की प्रधानता को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। बात तो यूरोपियन यूनियन की यूरो जैसी ब्रिक्स की अपनी मुद्रा बनाने तक की हुई है। डॉलर के स्थान पर किसी नई मुद्रा को अपनाने से सबसे अधिक फायदा ब्रिक्स देशों को हो सकता है। हाल के वर्षों में इन देशों ने अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता घटाने की दिशा में कुछ, भले ही सीमित प्रयास किये हैं। खुद भारत अपनी मुद्रा की मांग बढ़ाने के प्रयत्न करता रहा है। बड़े तेल उत्पादकों के साथ गैर-डॉलर भुगतान आधारित तेल बिक्री पर बातचीत करने का प्रयास किया है। चीन ने सऊदी अरब से ऐसे करार किये, भारत ने रुपए में तेल की कीमत तय करने के लिए यूएई के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इसी वर्ष ब्रिक्स की बैठक होने वाली है, जिसका जिकरा जी-7 का न्यौता न मिलने पर खुद मोदी प्रचारकों ने बड़े जोर-शोर से किया था ; उन्होंने कहा था कि जी-7 में नहीं बुलाया तो क्या, ब्रिक्स में तो जाईबेई करेंगे। बात साफ़ है कि जी-सेवेनिये उजड़ते नवाबों के साथ दस्तरखान पर सिवैयां खाने से पहले ही उसकी कीमत चुकाई जा रही है ; हालांकि आशंका बनी हुई है कि जी-7 के पीरे मुगा ट्रम्प यहाँ कही इन्हीं के सामने तेरहवीं बार फिर से युद्धविराम कराने का जिक्रन छेड़ दें। अगर कहीं ऐसा हुआ, तो लिखकर रख लीजिये कि मोदी अत्यंत शिष्ट, मृदु और अल्पभाषी व्यक्ति होने का परिचय देंगे और उनके सामने कुछ नहीं बोलेंगे। बकौल मोदी चौथी और यूं पांचवी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद मोदी और उनकी सरकार इतने दबाब में क्यूँ हैं ? दक्षिण अफ्रीका में हवाई अड्डे पर रिसीव करने वहां के राष्ट्रपति के न आने, नेपाल के इनके कहने पर चलने से इंकार कर देने, श्रीलंका के अपना रास्ता खुद चुनने जैसी हर बात पर फूफागिरी दिखाने वाले मोदी ट्रम्प और जी-7 के सामने इतने सहमे-सहमे से क्यूँ हैं ? इसलिए कि उनकी विचारधारा ही साम्राज्यवाद की मातहती की विचारधारा है। संघ-जनसंघ से भाजपा तक साम्राज्यवादी अमरीका इनका आराध्य रहा है। उसके लघेन्टे बनना इनका सपना रहा है। ट्रम्प युग का अमरीका तो और भी सगा वाला नजर आता है। फिर इन दिनों अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूँजी का अपना ही अल्गोरिथम है। वह सत्ता के साथ अपनी रही-सही दिखावटी आड़ भी ख़त्म कर देने की हड़बड़ी में है। ट्रम्प और मस्क के बीच फूट रही फुलझड़ियाँ इसी की एक झलक हैं। उस पर नकली सोने में फर्जी सुहागा यह है कि इधर वाले के अपने मस्क हैं, जिनका नाम अडानी और अम्बानी है। उन्हें भी अब बड़े अखाड़ों में खेलना है झ उस एवज में भले ही देश को कितना ही घाटा या जोखिम क्यों न उठानी पड़े ; उनके राजनीतिक चाकरों को सौ प्याज के साथ सौ जूते ही क्यों न खाने पड़े। अम्बानी और मित्तल को कहार बनाकर स्टारलिंक को अपनी पालकी भारत में पधराने की अनुमति इसी श्रृंखला में देखी जानी चाहिए। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा का क्या होगा, लोगों की निजता कितनी बचेगी, इन्टरनेट की उपलब्धता कितनी महंगी होगी, यह सब चिंताएं देसी और विदेशी कारपोरेट के मुनाफों के बोझ तले दम तोड़ देती हैं। यही है फासीवाद की वह नयी किस्म, जो पूँजी की जनरेशन एक्स के पालने में पलती है। इस सरेंडर से ध्यान बंटाना है। जनता का जो हिस्सा और यह बड़ा हिस्सा है झ इस सबको गलत मानता है, उसे भुलावे में डालना है, तो नरेंदर सड़कों पर तफरीह करने निकलते हैं। लगभग सारे उद्योग-धंधे, व्यापार-व्यवसाय, बैंक-बीमा विदेशी पूँजी और उसके साथ जूनियर पार्टनरी करने वाले देसी धनपिशाचों के हवाले करने के बाद छोटी आँखों वाले गणेश न खरीदने, हर विदेशी माल का बहिष्कार करने का ऐसा नारा दे रहे हैं, जिसके बारे में उन्हें पता है कि इसे न लागू होना है, न इन्हें करवाना है। इनके मात-पिता संगठन को भी अपने उस स्वदेशी आन्दोलन की सुध आने लगती है, जिसे दशकों पहले स्वयं इन्हीं ने अपने कर कमलों से कब्र में सुलाकर गोभी उगाये थे। यह विचित्र समय है, सचमुच का विचित्र समय !! मगर स्थायी नहीं है। इससे पहले भी ऐसे समय आये हैं, जनता उनसे बाहर निकली है, दुनिया को भी साबुत सलामत बाहर निकाला है। उसके पास कुंजी है झ एकजुट, जुझारू और कारगर प्रतिरोध की कुंजी। दुनिया भर में इस तरह के उभार सामने आ रहे हैं, खुद अमरीका भी उबलने के बिंदु तक पहुँच रहा है। भारत के मेहनतकश खासतौर से पिछली 34 वर्षों के नवउदार युग के संघर्षों की भट्टी से गुजरते हुए सक्षम हो चुके हैं। यही रास्ता है इसी तरह होना चाहिए ऐसा ही होगा।

(लेखक लोकजतन के संपादक)

संपादकीय

लापरवाही की परत दर परत

अहमदाबाद में पिछले सप्ताह एअर इंडिया का एक विमान उड़ाने भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद बीते रविवार को केदारनाथ के पास श्रद्धालुओं को लेकर आ रहा हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक बच्ची समेत सात लोगों की मौत हो गई। उसी दिन 242 हज यात्रियों को लेकर जेद्दा से लखनऊपहुंचे सऊदी एअरलाइंस के एक विमान के उतरते समय उसके पहियों से धुआं निकलने की घटना हुई। सोमवार को दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के एक विमान को तकनीकी खराबी के कारण वापस हांगकांग जाना पड़ा। इन सभी घटनाओं ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या उड़ान परिचालन के नियमों और दिशा-निर्देशों में कहीं कोई खामी है या फिर इनका पालन करने में कोताही बरती जा रही है ? इस तरह के हादसों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार से लेकर विमानन कंपनियों की ओर से धरातल पर पुख्ता बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए हैं ? उत्तराखंड में केदारनाथ के पास गौरीकुंड में हुए हेलिकाप्टर हादसे ने इन सवालों को और गंभीर बना दिया है। इस हेलिकाप्टर का संचालन कर रही कंपनी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। पुलिस में दर्ज मामले में कहा गया है कि हेलिकाप्टर के संचालन के लिए सुबह छह से सात बजे तक का प्रथम स्लाट आबंटित किया गया था, जबकि यह दुर्घटना उससे पहले ही सुबह साढ़े पांच बजे हुई है। अगर यह दावा सही है, तो साफ है कि हेलिकाप्टर ने तय समय से पहले ही उड़ान भर ली थी। उस दिन सुबह से ही धुंध छाई हुई थी और उड़ान भरने से पहले मौसम की स्थिति को ठीक से नहीं जांचा गया। कोई दोराय नहीं है कि चारधाम यात्रा के लिए हेलिकाप्टर सेवाएं श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक हैं। खासकर बच्चों व बुजुर्गों को, जिनके लिए यह यात्रा मुश्किल भरी होती है। मगर, हवाई यात्रा को सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी राज्य व केंद्र सरकार पर भी है। राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे के बाद कहा कि चारधाम में सेवा दे रहे पायलटों के हिमालयी क्षेत्रों में उड़ान अनुभवों की जांच होगी। मगर, सवाल यह है कि कोई बड़ा हादसा होने से पहले ही एहतियाती तौर पर इस तरह के इंतजाम क्यों नहीं किए जाते। इस साल चारधाम मार्ग पर हादसे या हेलिकाप्टर को आपात स्थिति में उतारने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले आठ मई को उत्तरकाशी के गंगनानी में निजी कंपनी का हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। ऐसी ही एक भयावह घटना रविवार को महाराष्ट्र के पुणे में हुई, जहां इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल ढह गया। इस पुल को जिला प्रशासन ने खतरनाक घोषित किया था और चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए थे। पर क्या सिर्फ चेतावनी बोर्ड लगाने से सरकार व प्रशासन की जिम्मेदारी पूरी हो जाती है ? अगर वह जीर्णावस्था में था, तो पर्यटकों के वहां जाने पर पूर्ण रोक क्यों नहीं लगाई गई। किसी भी स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही के लिए जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई बड़ी अनहोनी न हो।

स्वतंत्रता की पहली शहीद - रानी, माँ, योद्धा

रीतेश कुमार जैन

18 जून 1858 - वह तारीख जब भारत की धरती ने न केवल एक रानी को खोया, बल्कि एक ऐसी क्रांति की ज्वाला को वीरगति प्राप्त करते देखा, जिसने अंग्रेजी साम्राज्य की नींव को हिलाकर रख दिया। ग्वालियर के रणक्षेत्र में, अपने पुत्र को पीठ पर बांधे, तलवार से दुश्मनों को चीरती हुई रानी लक्ष्मीबाई ने न केवल युद्ध लड़ा, बल्कि स्वतंत्रता की उस अग्नि को प्रज्वलित किया, जो आज भी हर भारतीय के हृदय में धधकती है। वह पल केवल एक योद्धा का अंत नहीं था, वह इतिहास के स्वर्णिम पन्नों पर अमर होने वाली एक अनुपम गाथा का प्रारंभ था। रानी लक्ष्मीबाई की गाथा - साहस, बलिदान और स्वाभिमान की गाथा। रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर 1828 को वाराणसी में हुआ। बचपन में 'मनु' कहलाने वाली यह बालिका साधारण नहीं थी। घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्धकला में निपुण मनु ने बचपन से ही यह सिद्ध कर दिया था कि वह नारीत्व की पारंपरिक परिभाषाओं को तोड़ने के लिए जन्मी है। उनके पिता मोरोपंत तांबे और माता भागीरथी बाई ने उन्हें न केवल संस्कार दिए, बल्कि स्वतंत्र चेतना और साहस का वह बीज बोया, जो आगे चलकर झांसी की रानी के रूप में अंकुरित हुआ। विवाह के पश्चात झांसी के राजा गंगर राव की रानी बनने के बाद, लक्ष्मीबाई ने अपने प्रशासनिक कौशल और प्रजा-प्रेम से झांसी को समृद्ध किया। किंतु, नियति ने उनके लिए एक कठिन मार्ग चुना। 1853 में राजा गंगाधर राव के निधन और उनके दत्तक पुत्र दामोदर राव को उत्तराधिकारी मानने से अंग्रेजों के इंकार ने झांसी के लिए संकट ला खड़ा किया। ब्रिटिश सरकार ने 'डॉक्टिन ऑफ लैप्स' के

तहत झांसी को अपने साम्राज्य में मिलाने की साजिश रची। उस समय रानी लक्ष्मीबाई का वह ऐतिहासिक कथन - "मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी" - केवल एक प्रतिज्ञा नहीं थी, यह अन्याय के विरुद्ध उठा एक ऐसा स्वर था, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी बना। यह वाक्य न केवल झांसी की रक्षा का संकल्प था, बल्कि समूचे भारत के स्वाभिमान की हुंकार था। 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भारत के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ था, और रानी लक्ष्मीबाई इस क्रांति की प्रखर नायिका के रूप में उभरीं। उन्होंने न केवल झांसी की रक्षा के लिए सेना को संगठित किया, बल्कि महिलाओं को युद्धकला में प्रशिक्षित कर एक नया इतिहास रचा। झलकारी बाई, सुंदर-मुंदर जैसी वीरांगनाएं उनकी प्रेरणा से रणभूमि में उतरीं और अंग्रेजों के दांत खट्टे किए। रानी का युद्ध-कौशल और रणनीति इतनी प्रभावशाली थी कि ब्रिटिश सेनानायक ह्यू रोज़ ने स्वयं उनकी प्रशंसा की। झांसी के किले की रक्षा में रानी ने जिस अदम्य साहस का परिचय दिया, वह किसी भी सैन्य इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। जब झांसी का किला अंग्रेजों के हाथों में चला गया, तब भी रानी ने हार नहीं मानी। अपने पुत्र को पीठ पर बांध, घोड़े पर सवार होकर वह काल्पी पहुंचीं। वहां से तात्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों के साथ मिलकर उन्होंने ग्वालियर पर कब्जा कर लिया। ग्वालियर में रानी ने न केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया, बल्कि अपनी कूटनीतिक सूझबूझ से क्रांति को नई दिशा दी। किंतु अंग्रेजों ने कोटा की सराय में उन्हें घेर लिया। 18 जून 1858 को, मात्र 29 वर्ष की आयु में, रानी लक्ष्मी ने अपने अंतिम युद्ध में बलिदान दे दिया। कहा जाता है कि वह अंत तक लड़ीं, और अपनी तलवार की धार से दुश्मनों को पीछे धकेलती रहीं। उनकी मृत्यु एक देह का अंत नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रेरणा का जन्म था, जो आज भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की नींव में बस्ती है। रानी लक्ष्मीबाई का जीवन केवल युद्ध की कहानी नहीं, यह नेतृत्व, आत्मबल और रणनीति का एक जीवंत पाठ है। एक युवा रानी, जिसने राजनीतिक कूटनीति, प्रशासनिक कौशल और सैन्य संगठन को अपने साहसिक निर्णयों से जोड़ा, वह केवल रणभूमि की नायिका नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जागरण की अग्रदूत थीं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता किसी जाति, वर्ग या लिंग की बपौती नहीं, बल्कि हर उस आत्मा का अधिकार है, जो अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस रखती है। उनकी ज्वाला ने न केवल 1857 की क्रांति को प्रेरित किया, बल्कि महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के हृदय में स्वतंत्रता की चिंगारी जलाई। रानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि पर उन्हें स्मरण करना केवल एक रस्म नहीं, बल्कि एक आत्ममंथन है। क्या हम उस स्वतंत्रता के सच्चे उत्तराधिकारी हैं, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी ? उनका जीवन हमें सिखाता है कि स्वाधीनता कोई उपहार नहीं, बल्कि तप, त्याग और संघर्ष से अर्जित किया जाने वाला अधिकार है। उन्होंने भारतीय नारी की उस शक्ति को प्रदर्शित किया, जो जब जागती है, तो साम्राज्यों को भस्म कर सकती है। उनकी तलवार की चमक आज भी इतिहास के पन्नों से झांकती है, उनकी आवाज आज भी हर उस आत्मा को पुकारती है, जो स्वाभिमान के लिए जीती है।रानी लक्ष्मीबाई चली गईं, पर वे अमर हो गईं। उनकी गाथा केवल झांसी की कहानी

'स्टार्टअप्स' के लिए जरूरी है, समझ की तब्दीली

अरविंद सरदाना

टेक्नालॉजी में शोध की नींव कमज़ोर है तो स्टार्टअप हवा से प्रकट नहीं होंगे। शोध में निवेश करना सरकार का काम है। कई दशकों से चीन इस दिशा में बड़ी मात्र में निवेश कर रहा है। वर्तमान उदाहरण ही लें तो इस समय चीन का रिसर्च और डेवलपमेंट का बजट 715 अरब डॉलर है जो भारत से दस गुना अधिक और कई सुनियोजित प्लानिंग के साथ किया गया है। हाल ही में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक मीटिंग में भारत के स्टार्टअप्स को फटकार लगाते हुए कहा कि भारत के स्टार्टअप दुकानदारी-नुमा नवाचार कर रहे हैं। मेहनती हैं, किन्तु केवल बाज़ार व्यवस्था में खरीदने-बेचने के नए तरीके के ही प्रयोग कर रहे हैं। इसकी तुलना में चीन में अधिकांश स्टार्टअप तकनीकी क्षेत्र में प्रयोग करते हुए प्रगति की राह पर चल रहे हैं। मंत्री जी का यह कथन सही है, लेकिन क्या इसमें स्टार्टअप का दोष है या सरकारी नीतियों की कमी और उनकी दूरदृष्टि का अभाव ? भारत में किसी भी स्टार्टअप के मूल में दो बातें देखी जाती हैं झ एक, नवाचार और दूसरी, बाज़ार में सफलता ! नवाचार की दृष्टि से यह परखा जाता है कि उस विचार में कितना दम है, क्या यह प्रयोग करने योग्य है ? साथ-ही-साथ यह प्रश्न भी पूछा जाता है कि क्या यह बाज़ार में चल पायेगा ? हम यह भूल रहे हैं कि बाज़ार का आकलन बहुत दूरदृष्टि का नहीं हो सकता। एक विचार जो पुख्ता है, लेकिन उसके बाज़ार में टिकने की सम्भावना नहीं है, ऐसे स्टार्टअप को वित्तीय मदद कौन करेगा ? टेक्नालॉजी में अधिकांश नए विचार शोध के क्षेत्र में होते हैं जो विश्वविद्यालयों या विशेष शोध-संस्थानों में किए जाते हैं। इनमें से कई विचारों को बाजार में उतरने में कई बरस या दशक लग जाते हैं तब जाकर स्टार्टअप की कल्पना की जा सकती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान एवं टेक्नालॉजी में शोध करने वाले कई असफलताओं से गुज़रकर ज्ञान के भंडार को पुख्ता करते हैं। यदि टेक्नालॉजी में शोध की नींव कमज़ोर है तो स्टार्टअप हवा से प्रकट नहीं होंगे। शोध में निवेश करना सरकार का काम है। कई दशकों से चीन इस दिशा में बड़ी मात्र में निवेश कर रहा है। वर्तमान उदाहरण ही लें तो इस समय चीन का रिसर्च और डेवलपमेंट का बजट 715 अरब डॉलर है जो भारत से दस गुना अधिक और कई सुनियोजित प्लानिंग के साथ किया गया है। हमारे एक विज्ञान के साथी ने एक घटना सुनाई जो इस बात को दर्शाती है। दो दशक पहले जब वे जर्मनी के एक लैब में अपना पोस्ट-डॉक्टरेट काम कर रहे थे तो उनके जैसे कई स्टूडेंट चीन से थे, पर खास बात यह थी कि चीन के छात्रों के साथ उनकी मदद करने वाले एक सीनियर वैज्ञानिक भी थे जो इस

बात का भी आकलन कर रहे थे कि हम यह लैब चीन में कैसे बना सकते हैं। उन्होंने चीन सरकार को इसकी रिपोर्ट पेश की और एक दशक बाद चीन की यूनिवर्सिटी से उस प्रकार के उच्चतम स्तर के शोधपत्र निकल रहे थे जो इस बात को सिद्ध करता था कि उनके देश में उस प्रकार के लैब बन गए थे। इसे एक अन्य उदाहरण से भी समझा जा सकता है। चीन के बाद भारत मोबाइल फ़ोन का सब से बड़ा निर्यातक है, पर दोनों में खास अंतर है। चीन में जब मोबाइल फ़ोन बनता है तो उसका लगभग 90 फीसदी तकनीकी हिस्सा चीन में ही बनाया जाता है। भारत में बनने वाले मोबाइल फ़ोनों के 75 फीसदी तकनीकी पार्ट्स बाहर से आयात किए जाते हैं। इस प्रकार के तकनीकी उद्योग जो मोबाइल फ़ोन के अलग-अलग खास पार्ट्स बना पाएं, उनको भारत सरकार एक इको-सिस्टम में नहीं ढाल पाई। तकनीकी उद्योग की नींव में जो शोध होना चाहिए वह भी नहीं बन पाया है। इसका एक कारण है कि हमने इंफ्रास्ट्रक्चर को केवल सड़क, पानी और बिजली तक सीमित रखा है। ये सब उपलब्ध हों तो निजी उद्यमी अपने आप उद्योग का निर्माण करेंगे, किन्तु आज के समय के लिए यह समझ अधूरी है। इंफ्रास्ट्रक्चर का अहम हिस्सा है तकनीकी ज्ञान भंडार और उसमें कुशल मानव संसाधन। यदि यह देश में उपलब्ध नहीं है तो सरकार का काम है उसे उपलब्ध करवाए। इसमें सरकार की कई भूमिकाएं हैं - खुद कारखानों में निवेश करना व चलाना, शोध के लिए विशेष कदम उठाना और उन विदेशी कम्पनियों को लाना जिनके पास यह टेक्नालॉजी है। इन क़दमों के बिना इस प्रकार के उद्योग नहीं लग सकते। तकनीकी ज्ञान आपको आसानी से कोई नहीं देगा। हम 'मेक इन इंडिया' करना चाहते हैं। नारा सही है, पर उसकी कारगर नीति नज़र नहीं आती। उद्योग के लिए ज़रूरी है नए कारखाने लगें और एक तरह का जाल या आपसी सम्बन्ध बने जहां एक का सामान दूसरा उपयोग करता हो। देश के लिए औद्योगीकरण में गहराई तभी बनती है, जब किसी भी सामान को बनाने के अधिकांश पार्ट्स हम देश में बना सकते हैं। यहां विस्तृत योजना की ज़रूरत है। कुछ क्षेत्रों में सरकार को खुद निवेश करना होगा। वर्तमान समय के अध्ययन बताते हैं कि हम कारखानों के लिए ज़रूरी सामान का बड़ा हिस्सा आयात कर रहे हैं। अधिकांश चीन पर निर्भर हैं। प्राइवेट सेक्टर को जब तक सस्ता आयात करने का अवसर रहेगा तब तक वह इस दिशा में निवेश नहीं करेगा। उसकी सोच 'दुकानदारी' की होती है, दूरगामी नहीं। उदाहरण के लिए हम दवा उद्योग के क्षेत्र में अव्वल हैं, परन्तु इसका बहुत सारा ज़रूरी सामान चीन से आयात होता है। यदि यही सामान देश में बनाना है तो सरकार को खुद निवेश करना होगा और उसका तकनीकी ज्ञान हासिल करना होगा। हम इस नारे में फंस गए हैं कि सरकार को कारखाने नहीं लगाने चाहिए। नतीजे में ज़रूरी बुनियादी उद्योग की अवधारणा को भूलकर नेहरूवादी आद्योगिकीकरण को नकारा बताने की निरर्थक बहस में मशगूल हो गए हैं। इन सभी कारणों को मिलाकर देखें तो दुकानदारी-नुमा स्टार्टअप का बनना हमारे वातावरण की उपज है। हमने ऐसा माहौल तैयार नहीं किया है जहां सरकार तकनीकी शोध में अधिक निवेश करती हो, जहाँ 'सार्वजनिक क्षेत्र' के उद्योगों द्वारा बुनियादी क्षेत्र में निवेश किया जा रहा हो या फिर विशेष कम्पनियों को टेक्नालॉजी ट्रान्सफर के लिए सरकारी कम्पनी के साथ अनुबंध किया जाए। हमारी नीतियां बाज़ार व्यवस्था में प्रोत्साहन देने पर टिकी हैं जिससे वातावरण बन जायेगा और निजी क्षेत्र स्वाभाविक रूप से तकनीकी ज्ञान की भरपाई कर लेगा। इस सोच को बदलने की ज़रूरत है।

(लेखक 'एकलव्य फॉउन्डेशन' के पूर्व-निदेशक हैं।)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

कृषि वर्ष 2024-25 के लिए फसल उत्पादन का तृतीय अग्रिम पूवार्नुमान जारी

पटना, ।

उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आज यहां कहा कि कृषि वर्ष 2024-25 के लिए राज्य के प्रमुख फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता से संबंधित तृतीय अग्रिम पूवार्नुमान जारी किया गया है। यह पूवार्नुमान राज्य के योजना एवं विकास विभाग (अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय), द्वारा एकत्रित आंकड़ों, फील्ड निरीक्षण, किसानों से प्राप्त जानकारी तथा तकनीकी विश्लेषण के आधार पर तैयार किया गया है। विजय सिन्हा ने जानकारी दी कि इस वर्ष राज्य में कुल खाद्यान्न उत्पादन के 226.807 लाख मेट्रिक टन टन तक पहुँचने की संभावना है, जो पिछले वर्ष से 14.73 लाख मेट्रिक टन अधिक है। यह राज्य स-रकार की कृषि नीति, तकनीकी हस्तक्षेप एवं किसानों की मेहनत का परिणाम है। चावल का अनुमानित उत्पादन 94.05 लाख मेट्रिक टन, गेहूँ का 74.34 लाख मेट्रिक टन तथा मक्का का 54.17 लाख मेट्रिक टन आंका गया है। इससे स्पष्ट है कि बिहार में अनाज उत्पादन में सतत वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त दलहन उत्पादन का अनुमान 4.00 लाख मेट्रिक टन तथा तेलहन उत्पादन का अनुमान 1.21 लाख मेट्रिक टन है। यह आँकड़े राज्य के पोषण सुरक्षा, खाद्य आत्मनिर्भरता और किसानों की आय वृद्धि की दिशा में सरकार के प्रतिबद्ध प्रयासों को दशार्ते हैं। मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक, तकनीकी मार्गदर्शन और अनुदान सहायता प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही मौसम आधारित कृषि सलाह, मृदा परीक्षण, सिंचाई सुविधाएं और फसल बीमा जैसी योजनाओं ने उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन अग्रिम अनुमानों के आधार पर कृषि प्रबंधन, फसल विविधीकरण, विपणन व्यवस्था एवं भंडारण योजनाओं को और प्रभावी बनाया जाए। साथ ही, उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिक तरीकों और कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन और लाभ में वृद्धि करें। यह अग्रिम अनुमान राज्य के लिए सकारात्मक संकेत है, जो भविष्य में कृषि क्षेत्र की स्थायित्वपूर्ण प्रगति और किसानों की समृद्धि की दिशा में नई दिशा प्रदान करेगा।

चोरी की बाइक के साथ दो शातिर गिरफ्तार, एक पर आधा दर्जन से ज्यादा गंभीर केस

पूर्णिया, ।

जिले में एनएच-31 पर मरंगा टोल प्लाजा के पास वाहन चेकिंग के दौरान पूर्णिया पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली। बाइक से भागने की कोशिश कर रहे दो संदिग्धों को टीम ने पकड़ लिया। जब बाइक के कागजात मांगे गए, तो दोनों युवक कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। पूछताछ में बाइक चोरी की निकली। गिरफ्तार आरोपी मो सत्तार, उम्र 40 वर्ष, निवासी कुशाहर, थाना भवानीपुर दूसरा मो. बबलू, उम्र 30 वर्ष, निवासी कुशाहर, थाना भवानीपुर इनके पास से एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। मुख्य आरोपी मो. सत्तार का आपराधिक इतिहास बेहद संगीन है। उसके खिलाफ पूर्णिया और फुलकाहा थानों में लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट और संगठित आपराधिक गतिविधियों से जुड़े 6 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें शामिल हैः धारा 395, 392, 413, 414, 468, आर्म्स एक्ट/केस दर्जः वर्ष 2013, 2016, 2018, 2019, 2025 में कई थानों में। पुलिस का मानना है कि गिरोह कई जिलों में बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देता रहा है। पूछताछ में अन्य मामलों का भी खुलासा हो सकता है। ऑपरेशन का नेतृत्व बिश्वास 30/10 की पुलिस टीम द्वारा किया गया, जिसमें शिबुगुल कुमार, अरुण कुमार, पंकज कुमार और तकनीकी टीम शामिल रही।

चार एण्ड्रॉयड मोवाइल व अन्य सामान के साथ तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार

नवादा, ।

नवादा जिले के वारिसलीगंज में मंगलवार को गुप्त सूचना पर ठगी के धंधे में लिप्त तीन साइबर अपराधी को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, पुलिस को किसी ने सूचना दी कि थाना क्षेत्र के कोंचगांव पंचायत स्थित कांधा गांव के बधार में पेड़ के समीप कुछ साइबर अपराधी ठगी के धंधे में लिप्त है.। सूचना मिलते ही पुलिस ने आनन-फानन में एक टीम गठित कर छापेमारी की.जिसमें पुलिस ने मौके से तीन साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया.वहीं सात साइबर अपराधी पुलिस को देखते ही भागने में सफल रहा। गिरफ्तार साइबर अपराधी की पहचान थाना क्षेत्र के कोंचगांव पंचायत स्थित कांधा गांव निवासी उमेश साव के पुत्र राकेश साव व सुरेश राम के पुत्र पवन कुमार एवं नालंदा जिले के कतरीसराय थाना क्षेत्र स्थित लालपुरा गांव निवासी अरविन्द प्रसाद के पुत्र प्रदीप कुमार के रूप में की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधी के पास से कीमती चार एण्ड्रॉयड मोवाइल एवं छह पन्ने का डाटा कस्टमर जब्त किया गया.पुलिसिया पूछताछ में गिरफ्तार साइबर अपराधी ने बताया कि धनी फाइनेंस कंपनी से लोन दिलाने के नाम पर कई भोलेभाले लोगों को ठगी का शिकार बनाया है।अन्य सहयोगियों का नाम भी पुलिस को बताया है। इस मामले में पुअनि संजय कुमार के लिखित आवेदन पर गिरफ्तार साइबर अपराधी अजय सहित आठ साइबर अपराधियों के विरुद्ध स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया गया है.इस आशय की जानकारी पकरीबरावां एसडीपीओ महेश कुमार चौधरी व थानाध्यक्ष रुपेश कुमार सिन्हा ने दी.

सड़क दुघर्टना में दो लोगों की मौत, एक घायल

भागलपुर, ।

जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र के निमार्णाधीन मुंगेर-मिजाचौकी फोरलेन पर मंगलवार को सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना लालू कित्ता गांव के समीप सुबह करीब 11:00 बजे हुआ। जब एक तेज रफ्तार हाईवा ने पीछे से एक मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान रसलपुर थाना क्षेत्र के एकचारी पूरब टोला गांव निवासी गंदो साह का पुत्र डब्लू साह (45) और सुगन साह का 19 वर्षीय पुत्र मोनू कुमार के रूप में की गई है। इस दुर्घटना में 22 वर्षीय युवक जगत कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल, कहलगांव में भर्ती कराया गया है। घायल जगत कुमार ने बताया कि वे तीनों युवक मोटरसाइकिल से एकचारी से बाराहाट की ओर जा रहे थे। जैसे ही लालू कित्ता के पास पहुंचे, पीछे से तेज रफ्तार से आ रही एक हाईवा ने उन्हें जबरदस्त तरीके से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डब्लू साह की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मोनू कुमार और जगत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम घटनास्थल पर पहुंची और दोनों घायलों को तुरंत अनुमंडल अस्पताल, कहलगांव पहुंचया। जहाँ इलाज के दौरान मोनू कुमार ने भी दम तोड़ दिया। चिकित्सकों ने बताया कि मोनू के सिर और छाती में गहरी चोटें थीं। जिससे उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। डब्लू साह अपने पीछे दो पुत्र और एक पुत्री को छोड़ गए हैं। वह परिवार मे एक मात्र कमाने बाला था। जिनकी अचानक मौत से पूरे घर में मातम पसर गया है। मृतक मोनू कुमार अपने चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। वह पढ़ाई के साथ-साथ पिता के कामकाज में हाथ बंटाया करता था। उसकी मौत से परिजन बार बार अचेत हो रहे हैं। इधर कहलगांव पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की करवाई की जा रही है।

सागरपुर शहीदों को श्रद्धांजलि प्रो. लक्ष्मण यादव बोले,बहुजनों की एका से ही होगा बदलाव

रिपोर्ट- ब्यूरो चीफ प्रमोद कुमार सिंह के साथ अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) :- जिले में 48 साल पहले गोह विधानसभा क्षेत्र के सागरपुर मतदान केंद्र पर हुए जनसंहार में शहीद हुए आठ लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए गोविंदपुर गांव में आयोजित कार्यक्रम में कई प्रमुख नेता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डॉ. लक्ष्मण यादव, बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी और भारत सरकार की पूर्व मंत्री डॉ. कांति सिंह समेत दर्जनों जनप्रतिनिधियों ने शहीद स्मारक का अनावरण किया और लोकतंत्र की रक्षा के लिए शहीद हुए पुरखों को नमन किया।

प्रो. लक्ष्मण यादव ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

सभा को संबोधित करते हुए प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा, ह्लमेरी बोली केंद्र सरकार को चुभती है, इसलिए मुझे नौकरी से निकाल दिया गया। लेकिन इस इलाके के लोगों की तो पूरी जिंदगी सामंतों ने छीन ली।ह्व उन्होंने कहा कि सागरपुर और मियांपुर की घटनाएं इस बात की सीख हैं कि अन्याय, अत्याचार और सामंती सोच के खिलाफ संघर्ष ही रास्ता है। उन्होंने बहुजन समाज से एका की अपील करते हुए कहा, ह्लजातीय सेनाओं की क्रूरता जाति देखकर नहीं होती, मियांपुर में पासवान और बढ़ई जाति के लोग भी शहीद हुए। यह लड़ाई सबकी है।

उदय नारायण चौधरी बोले: पुरखों को याद करना ही सच्चा लोकतंत्र

बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने कहा, ह्लभारत का इतिहास मगध से शुरू होता है, और आज मगध अंगड़ाई ले रहा है। नौजवानों की चेतना हमें हिम्मत देती है। जो अपना इतिहास नहीं पढ़ सकता, वह अपना इतिहास नहीं बना सकता।ह्व उन्होंने युवाओं से पुरखों के

बलिदान को याद रखने और लोकतंत्र की रक्षा में आगे आने की अपील की।

डा. कांति सिंह हुई भावुक, शहीद की विधवा को किया नमन

पूर्व मंत्री डॉ. कांति सिंह उस समय भावुक हो गई जब शहीद दशरथ यादव की विधवा मंच पर पहुंचीं। उन्होंने कहा, ह्लइस दर्द से कोई न गुजरे, लेकिन हम उनके साहस और बलिदान को सलाम करते हैं। हमारे पुरखों ने हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने की ताकत दी है।

कार्यक्रम संयोजक श्याम सुंदर बोले: आज भी सामंतों से मुकाबला जारी

जिप प्रतिनिधि श्याम सुंदर ने कहा कि आज भी सामंतवाद जिंदा है, बस उसका रूप बदल गया है। ह्ल1977 में वोट डालने गये लोगों पर गोलियां बरसाईं गई थीं, तो 2020 में सकलेश यादव को वोट की गोलबंदी के कारण मार डाला गया। अब हमारे ऊपर झूठे मुकदमे लादे जा रहे हैं। मुझे 17 मुकदमों में फंसाया गया, प्रो. लक्ष्मण की नौकरी छीनी गई।ह्व

सामाजिक न्याय की सरकार लाने का आह्वान

सभा के अंत में प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा कि 2025 चुनाव में बिहार से सामाजिक न्याय की सरकार बनानी होगी। ह्ल27 में यूपी से बीजेपी का सफाया होगा और 29 में दिल्ली में बदलाव आएगा। केंद्र सरकार बच्चों से शिक्षा, नौजवानों से रोजगार और किसानों

महादलित बस्ती में बच्चों के बीच पहुंचकर राहुल गांधी का जन्मदिन मनाएंगे कांग्रेसी कार्यकर्ता

जमालपुर।

शहर कांग्रेस कमेटी जमालपुर के तत्वावधान में आगामी 19 जून को लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन के मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ता महादलित बस्ती में बच्चों के बीच पहुंचकर राहुल गांधी का जन्मदिन मनाएंगे। उक्त जानकारी इंदौर से आई अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय पर्यवेक्षक प्रज्ञा फिलिप्स ने मंगलवार को मारवाड़ी धर्मशाला रोड स्थित गांधी चर्चा मंदिर नगर कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक आवश्यक बैठक के दौरान कही। बैठक की अध्यक्षता शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष साईं शंकर ने किया। अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक पासवान तथा जमालपुर नगर परिषद क्षेत्र के प्रभारी युगल किशोर यादव मौजूद थे। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राष्ट्रीय

पर्यवेक्षक प्रज्ञा फिलिप्स ने कहा कि जमालपुर नगर परिषद क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकताओं के द्वारा महागठबंधन की प्रस्तावित माई बहिन मान योजना को लेकर महिलाओं को जागरूक बनाने की दिशा में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक पासवान ने कहा कि जमालपुर नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न वार्ड में कांग्रेस पार्टी से युवाओं, महिलाओं, अल्पसंख्यक, दलित, पिछड़े वर्ग तथा अति पिछड़े वर्ग के लोगों को जोड़ने की दिशा में भी सदस्यता अभियान भी चलाया जा रहा है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव मानसी कुमारी ने कहा कि आगामी 19 जून को शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष साईं शंकर के नेतृत्व में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाएगा। प्रातः बेला में महादलित बस्तियों में बच्चों के बीच कांग्रेसी कार्यकर्ता पहुंचेंगे और उनके बीच खाद्य सामग्री वितरित किए जाएंगे। देर शाम मारवाड़ी धर्मशाला में सादे समारोह के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जन्मदिन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें राष्ट्रीय पर्यवेक्षक प्रज्ञा फिलिप्स सहित कांग्रेस नेताओं के द्वारा केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया जाएगा। मौके पर जिला उपाध्यक्ष सिद्धेश्वर नाथ विश्वकर्मा, विनोद कुमार मंडल, अरविंद कुमार, शंभू नाथ सिंह, मोहम्मद नवाब कुरैशी मौजूद थे।

जसूपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अरबिंद कुमार सिंह पहुंचे औरंगाबाद

पार्टी के सारे अनुमंडल कार्यकर्ताओ के साथ किया बैठक और कई बिंदुओं पर विस्तार से किया चर्चा - अरविंद कुमार सिंह

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में जन सुराज पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष अरबिंद कुमार सिंह पहुंचे औरंगाबाद और पार्टी के सारे अनुमंडल कार्यकर्ताओ के साथ किया बैठक और कई बिंदुओं पर विस्तार से किया चर्चा अरविंद कुमार सिंह, बताते चलें कि जिले के जिला कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि बिहार बदलाव को लेकर सभी अनुमंडल कार्यकर्ताओ को पार्टी को युद्ध अस्तर पर मजबूत बनाने को दिशा निर्देश दिया गया है सभी समर्थकों और कार्यकताओं को। आगे इन्होंने जिला संगठन और अनुमंडल संगठन को मजबूत करने के उदेश्य से जन सुराज पार्टी का जिला कार्यालय में महती बैठक की गयी। जहां बैठक में पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने की बातें कार्यकताओं के बीच रखा गया। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष अरविन्द कुमार सिंह औरंगाबाद पहुंचे जहां उन्होंने कार्यकताओं के साथ बैठक की। इस मौके पर संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर बताया कि बिहार में जनसूराज पार्टी न सिर्फ सभी 243 सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी बल्कि राजग गठबंधन और महागठबंधन का सफाया होना लगभग तय है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कहा हमारी पार्टी ईस बार बिहार विधानसभा चुनाव में 243 सिटों पर चुनाव लड़ेंगी और बिहार की सबसे बड़ी पार्टी होगी जन सुराज होगी।

पीड़ित महिला फरियादी को थाना प्रभारी और थाने में मौजूद असमाजिक तत्वों ने बेइज्जत कर डांट कर भगाया

थाने के अंदर मौजूद नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव कुमार और मौजूद असमाजिक तत्वों ने महिला से कहा थाना प्रभारी वही करेंगे जो हम कहेंगे तुमको झूठा एससी एसटी केस में फंसाकर कर देंगे बर्बाद

दिव्य दिनकर पी मिश्रा

कहलगांव दबंग महिला दरोगा ने फरियादी को थाने से भगाया कुछ दिन पहले संघ के एक वरिष्ठ स्वयंसेवक को थाना प्रभारी ने एक मामले से हटने को लेकर दी थी झूठा एससी एसटी केश में फसाने की धमकी ।थाना में कौन केस दर्ज होगा नहीं होगा यह थाना प्रभारी नहीं हम तय करते हैंक संजीव कुमार ने कहाँ क कहलगांव थाना के दबंग दरोगा के रवैया को देखते हुए जनता में है काफी आक्रोश, कभी भी हो सकता है आंदोलन*कहलगांव थाना के अंदर से ही बहुत बड़ा मामला निकल कर सामने आया है जब एक पीड़ित महिला फरियादी न्याय मांगने के लिए आवेदन लेकर जब कहलगांव थाना पहुंची तो दबंग थाना प्रभारी अतुलेश सिंह नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव कुमार और मौजूद कई असमाजिक तत्वों ने आए महिला फरियादी को बेइज्जत करते हुए कहा हम आपका आवेदन पर कोई कार्रवाई होगा ना ही ज़्ञ्ल्क दर्ज होगा, आप यहां से चले जाइए तभी वहीं मौजूद नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा की थाना मेरे कहने पर उठता है मेरे कहने पर बैठता है तुमको जो समझ में आता है तुम करो? तुम जो सारा बात पत्रकार को बताई हो बहुत बड़ा गलती की हो तुम चुपचाप थाना से चले जाओ नहीं तो ऐसा एससी एसटी केस में उलझाएंगे की बर्बाद हो जाओगी थाना में कौन केस दर्ज होगा नहीं होगा यह थाना प्रभारी नहीं हम तय करते हैंक इतना कहकर संजीव

कुमार और मौजूद असमाजिक तत्वों ने और भी कई तरह की अभद्र बातें पीड़ित महिला को कहीं कतब पीड़ित महिला ने उक्त सभी बातें स्थानीय समाजसेवक मनोज यादव को बताइ साथ में स्थानीय पत्रकारो को जानकारी देने के साथ साथ महिला ने उक्त मामले की सूचना कहलगांव के डीएसपी कल्याण आनंद, कहलगांव एसडीएम अशोक कुमार मंडल सहित जिले के वरीय पदाधिकारी एसएसपी आईजी व महिला आयोग को देकर न्याय की गुहार लगाई है कज्ञात हो की इस्के पहले भी कहलगांव थाना प्रभारी के द्वारा माफियाओं से मिलकर कहलगांव वार्ड नंबर 16 के रहने वाले श्याम यादव और पत्रकार का कन्हैया खंडेलवाल के ऊपर झूठ एससी एसटी केस दर्ज करवा दिया गया थाक जब फरियादी महिला के साथ थाने के अंदर हुए इस अभद्रता की जानकारी स्थानीय जनता को पता चली तो जनता के बीच तरह-तरह की चर्चा उठने शुरू हो गई और कहलगांव थाना प्रभारी तथा नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव कुमार के रवैयों को लेकर काफी आक्रोश व्यक्त करने लगे कजनता ने कहा कि अगर महिला को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन खड़ा किया जाएगाक वही गांधी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजसेवी मनोज यादव ने कहा कहलगांव थाना प्रभारी का रवैया जनहित में नहीं है इसे तुरंत हटाया जाए और महिला के आवेदन पर कार्यवाही की जाए कजनसूराज पार्टी के पदाधिकारी व पूर्व उप मुखिया निशिकांत मंडल ने कहा कहलगांव थाना प्रभारी का जो तोड़ है यह काफी गलत और नींदनीय है, वरीय पदाधिकारी संज्ञान लेकर महिला और पत्रकार तथा कहलगांव की जनता के साथ न्याय करें क

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार काउंसिल के जिला अध्यक्ष ने कहलगांव थाना प्रभारी के द्वारा पहले भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश तथा पुलिस महानिदेशक के आदेश का अवमानना करने को लेकर भागलपुर सीजीएम में मामला भी दर्ज करवाया जा चुका है कथाना प्रभारी कहलगांव कई भ्रष्टाचार में शामिल हैं और माफियाओं से मिले हुए हैं इस थाना प्रभारी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए इन्होंने पत्रकार के साथ-साथ आम जनता के साथ काफी गलत कृत किया है जो कानूनंन अपराध है क

राष्ट्रीय स्वयं संघ के एक स्वयंसेवक ने बताया की कहलगांव थाना प्रभारी ने पहले भी संघ के एक वरिष्ठ कार्यकर्ता को भी एक मामले से पीछे हटने के लिए झूठा एससी एसटी केश में फंसा कर बर्बाद करने की धमकी दी थी कवहीं कहलगांव के समाजसेवी सह पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल ने बताया कि कहलगांव के श्री कृष्ण गौशाला में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं शहर में बिकने वाले ब्राउन शुगर के कारण शहर में आए दिन युवक और किशोर आत्महत्या करने के मामले का लगातार उद्वेदन करने को लेकर गौशाला कमेटी और नशा माफियाओ के द्वारा झूठा एससी एसटी केस में फसाने की धमकी धमकी दी जा रही है जिस्की सूचना पत्रकार ने वरीय पदाधिकारी सहित कहलगांव थाना प्रभारी को दिया था परंतु थाना प्रभारी ने सूचना मिलने के बाद भी पत्रकार पर झूठा एससी एसटी केश बिना जांच के ही दर्ज कर लिया क्कहलगांव अधिवक्ता संघ के कई अधिवक्ताओं ने कहा कहलगांव थाना प्रभारी का जो कृत्य है वह कानून का सीधा-सीधी उल्लंघन है क पीड़ित महिला और पत्रकार के साथ जो गलत हुआ है उसे न्याय मिलेक

प्रधानमंत्री के सिवान आने को लेकर छपरा में राज पैलेस विवाह भवन मे एनडीए कार्यकर्त्ता की बैठक

पटना, ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 20 जून को सिवान में होने वाले कार्यक्रम की तैयारी को लेकर छपरा मे राज पैलेस विवाह भवन मे एनडीए कार्यकर्त्ता के बैठक मे पहुंचे जदूयू रास्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और बिहार सरकार मंत्री मंटू सिंह का भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने बड़ा माला और अंग वस्त्र से किया इस अवसर पर सांसद जनार्दन सिग्रवाल एमएलसी वीरेंद्र नारायण यादव विधायक जनक सिंह विधायक डॉ उठ गुप्ता पूर्व विधायक रणधीर सिंह पूर्व विधायक धूमल सिंह गौतम सिंह भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह जदूयू अध्यक्ष अल्ताफ राजू लोजपा अध्यक्ष दीपक सिंह अशोक सिंह उज्जवल कुमार महामंत्री विवेक सिंह धर्मेंद्र साह मंडल अध्यक्ष रामानंद सिंह मंटू बाबा भूलन जी अजय नाथ पूरी मोनू सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

RNI(JHAHIN/2007/21993) स्वत्वधिकारी, कुसुम कुमारी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार द्वारा जे.एस.एस.सी. रोड टी गार्डेन पी.ओ. व थाना नामकुम, जिला –रांची 834010, झारखंड से प्रकाशित एवं एस.एच. प्रिन्टर्स प्रा. लि., काठिटांड (नियर टेण्डर बगीचा) रातू, रांची-835222, झारखंड से मुद्रित। संपादक : राकेश कुमार, विज्ञापन एवं प्रसार-9031133553 कार्यालय : 9431739847, किसी भी प्रकार के विवाद में न्यायिक क्षेत्र रांची होगा। (* पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

हज 2026 के इच्छुक लोगों को पासपोर्ट तैयार रखने की सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली।हज 2026 की घोषणा जुलाई 2025 में संभावित है, क्योंकि सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्रालय ने हज 2026 (हिजरी 1447) के लिए प्रशासनिक दिशा-निर्देश 8 जून को जारी कर दिए हैं। हज कमेटी ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शानवास सी. ने एक परिपत्र में भारत के उन तमाम इच्छुक लोगों को सुझाव दिया है, जो हज 2026 (1447 हिजरी) में हज कमेटी ऑफ इंडिया के माध्यम से यात्रा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपना मशीन रीडेबल अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट, पहले से तैयार रखें, जिसकी वैधता कम से कम 31 दिसंबर 2026 तक हो।

भाजपा विधायकों ने बांग्लादेश में रबिंद्र नाथ टैगोर के पैतृक निवास संग्रहालय पर सुनियोजित तोड़फोड़ के खिलाफ किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में सोमवार को भाजपा सांसदों और विधायकों ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग पर बांग्लादेश में भारत रत्न गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास को तोड़े जाने पर विशाल प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि रविन्द्र नाथ टैगोर वह महान पुरुष हैं जिनकी लिखी गए दो गीत दो देशों भारत और बांग्लादेश के राष्ट्र गान है। उन्होंने कहा कि उनके पैतृक घर पर सुनियोजित तरीके से तोड़फोड़ करना सिर्फ एक हमला नहीं बल्कि यह बांग्ला संस्कृति पर हमला है। यह हिंदू संस्कृति पर हमला है। सचदेवा ने कहा कि बांग्ला संस्कृति गाना, मीठी बातें, कला और कल्चर की बातें करती है लेकिन उसे अगर कोई अपमानित करने की कोशिश करेगा तो हिंदुस्तान का हर व्यक्ति आवाज उठाएगा। उन्होंने कहा कि भारत अगर किसी देश की सहायता करता है तो उस देश में हिंदुओं के साथ हो रहे अन्याय पर चुप नहीं बैठने वाला है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने साविलया लहजे में पूछा कि बांग्लादेश का राष्ट्रीय गाना आमार बांग्ला सोनार जिसका मतलब है कि मेरा सोने का बंगाल लेकिन आज उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या आज बांग्लादेश सोना रह गया है क्या?

दिल्ली महापौर ने एमसीडी के 200 दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों को नियमित करने संबंधी किए पत्र प्रदान

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने दुर्घटना में पैर गंवाने वाले सफाई कर्मचारी शीश पाल के आश्रित पुत्र को दिल्ली नगर निगम में नियमित आधार पर नौकरी का नियुक्ति का पत्र प्रदान किया। इसके साथ ही एमसीडी के 200 दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों को नियमित करने संबंधी पत्र भी प्रदान किए। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि नगर निगम की भाजपा सरकार निगम के सफाई कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील है। इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली नगर निगम की भाजपा सरकार द्वारा सत्ता में आते ही सफाई कर्मचारियों के नियमितीकरण का कार्य तेज कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्थायी समिति बने अभी कुछ ही हफ्ते हुए हैं और 200 सफाई कर्मचारियों को आज नियमित किया जा रहा है। महापौर ने कहा कि जल्द ही बाकी बचे अस्थायी सफाई कर्मचारियों को भी तेजी से नियमित किया जाएगा। सिंह ने कहा कि सफाई कर्मचारी नगर निगम की रीढ़ हैं। जो दिल्ली को स्वच्छ व स्वस्थ रखने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सफाई कर्मी हमारे स्वच्छता सैनिक हैं जो शहर को स्वच्छ रखकर सभी नागरिकों की बीमारियों से रक्षा करते हैं।

कमरे के अंदर मिला युवक का शव

नई दिल्ली। सीलमपुर इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया जब गौतमपुरी की गली नंबर 10 स्थित एक घर से दुर्गंध आने की सूचना पुलिस को मिली। घटनादोपहर करीब 2:25 बजे की है जब स्थानीय लोगों ने पुलिस को शिकायत दी कि एक मकान से तेज दुर्गंध आ रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पाया कि मकान की दूसरी मंज़िल पर स्थित एक कमरा अंदर से बंद था। मामले की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर कमरे के अंदर एक व्यक्ति का शव सड़ी-गली अवस्था में पड़ा था। पुलिस के मुताबिक जांच में मृतक की पहचान कृपाल सिंह के रूप में हुई है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि कृपाल सिंह अकेले रहते थे और किसी से ज्यादा बातचीत नहीं करते थे। पड़ोसियों ने बताया कि उन्हें पिछले तीन दिनों से नहीं देखा गया था। सूचना मिलने के बाद क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम को मौके पर बुलाया गया। जिन्होंने घटनास्थल की बारीकी से जांच की। शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

भारतीय चाहें तो देश की अर्थव्यवस्था को खुद बहुत बड़ा कर सकते हैं : सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली सरकार के शुरुआती 100 दिनों के कार्यों की झलक भी देखने को मिली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर भारतीय चाहें तो अपने देश की अर्थव्यवस्था को खुद बहुत बड़ा कर सकते हैं। रेखा गुप्ता ने प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद कहा, आजकल लोगों को विदेशों में जाने का चस्का लगा है, अगर कहीं जाना है तो पहले देश घुमें। पीएम मोदी बहुत भक्ति से देश के लिए काम कर रहे हैं। लोगों को खादी के कपड़ों का इस्तेमाल करना चाहिए, हाथ के काम की बहुत प्रशंसा होती है। भारतीय चाहें तो अपने देश की

अर्थव्यवस्था को खुद बहुत बड़ा कर सकते हैं। उद्घाटन की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए मुख्यमंत्री ने दिल्ली में आयुष्मान योजना के लागू होने की तारीफ की। उन्होंने लिखा, वर्षों तक दिल्ली के गरीब आयुष्मान भारत जैसी महत्वपूर्ण योजना से वंचित रहे।

लेकिन अब माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के सहयोग से यह लंबा इंतजार समाप्त हुआ। अब दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू हो चुकी है, ताकि हर जरूरतमंद को सम्मानजनक और निःशुल्क उपचार मिल सके। भाजपा सरकार के कार्यकाल में दिल्ली में हो रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा, इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी दिल्ली को वर्षों तक केवल घोषणाओं और अधूरे वादों का सामना करना पड़ा। आज, केंद्र सरकार के समर्थन और दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता से राजधानी में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण तेजी से हो रहा है। फ्लाईओवर हों, मेट्रो कनेक्टिविटी हो या जल-निकासी की आधुनिक व्यवस्था, दिल्ली अब बदलाव की राह पर अग्रसर है। उन्होंने लिखा, भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रदर्शनी माननीय प्रधानमंत्री जी के 11 वर्षों के सुशासन, सेवा और संकल्प की झलक है। साथ ही दिल्ली में बीते 100 दिनों में लिए गए निर्णायक फैसलों और तेज गति से हुए कार्यों का भी प्रतिबिंब है। यह प्रदर्शनी दिल्ली की उस नई दिशा की कहानी कहती है, जहां विकास दिखता है, सुशासन महसूस होता है और सेवा अनुभव होती है।

चौधरी ब्रह्म प्रकाश का दूरदर्शी नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा: विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को कहा कि ÷चौधरी ब्रह्म प्रकाश का दूरदर्शी नेतृत्व और उनकी अमर विरासत सदैव प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी। उन्होंने यह वक्तव्य दिल्ली विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. चौधरी ब्रह्म प्रकाश जी की 107वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिया। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में अध्यक्ष गुप्ता के अलावा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, लोक निर्माण एवं विधायी कार्य मंत्री परवेश साहिब सिंह, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण, सहकारिता एवं निर्वाचन मंत्री इन्द्राज सिंह, नगर निगम के उपमहापौर जय भगवान यादव तथा मुख्य सचेतक अभय वर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान चौधरी ब्रह्म प्रकाश के जीवन से जुड़ी दुर्लभ और ऐतिहासिक झलकियों की एक विशेष फोटो प्रदर्शनी भी विधानसभा परिसर में लगाई गई। विजेंद्र गुप्ता ने अपने संबोधन में चौधरी ब्रह्म प्रकाश के योगदान को याद करते हुए कहा कि 15 मार्च 1979 को तत्कालीन नेता स्व. साहिब सिंह वर्मा द्वारा दिल्ली विधानसभा परिसर में चौधरी ब्रह्म प्रकाश की प्रतिमा की स्थापना की गई थी, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि स्व. साहिब सिंह वर्मा स्वयं चौधरी ब्रह्म प्रकाश से गहराई से प्रभावित थे और उन्हें अपना राजनीतिक मार्गदर्शक मानते थे।

केंद्र ने जनगणना से जुड़ी अधिसूचना जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 2027 में होने वाली 16वीं जनगणना के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी है। इस जनगणना में पहली बार जाति गणना भी शामिल होगी। अधिसूचना के अनुसार लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के केंद्र शासित प्रदेशों में जनगणना 1 अक्टूबर, 2026 की मध्यरात्रि से शुरू होगी, जबकि देश के बाकी हिस्सों में गिनती 1 मार्च, 2027 की मध्यरात्रि से शुरू होगी।अधिसूचना में कहा गया है, ÷केंद्रीय सरकार, जनगणना अधिनियम, 1948 (1948 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (द्वद्व), तारीख 28 मार्च, 2019 में प्रकाशित भारत सरकार के गृह मंत्रालय (भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय) की अधिसूचना संख्या का.आ. 1455(अ), तारीख 26 मार्च, 2019 के अधिक्रमण में उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है. यह घोषणा करती है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी। अधिसूचना में कहा गया है, जनगणना के लिए संदर्भ तारीख, संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख के और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से घिरे असमकालिक क्षेत्रों के सिवाय, मार्च, 2027 के पहले दिन के 00:00 बजे होगी। अधिसूचना में कहा गया है, 'संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख , जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फ से घिरे असमकालिक क्षेत्रों के संबंध में, संदर्भ तिथि 1 अक्टूबर, 2026 को 00¬00 बजे होगी। अधिसूचना जारी करने से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आगामी जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की थी। जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण यानी हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना (पीई) में प्रत्येक घर के प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य जानकारी एकत्र की जाएगी। जनगणना में जाति गणना भी की जाएगी। जनगणना कार्य के लिए लगभग 34 लाख कर्मचारी और पर्यवेक्षक तथा लगभग 1.3 लाख जनगणना पदाधिकारी तैनात किए जाएंगे।

जातिगत जनगणना सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। जातिगत जनगणना का गजट नोटिफिकेशन जारी होने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी का कहना है कि मोदी सरकार के जरिए जातिगत जनगणना का निर्णय एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि जनगणना का फॉर्म भरते समय मुसलमान अपनी जाति की सही जानकारी दें और कट्टरपंथी मौलानाओं के बहकावे में नहीं आएं, क्योंकि यह सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम है। पहली बार मुस्लिम समुदाय के भीतर मौजूद जातियों की भी विस्तृत गिनती की जाएगी। अब तक मुस्लिमों को केवल एक धार्मिक समूह के रूप में दर्ज किया जाता रहा है, जिससे उनके भीतर की सामाजिक और आर्थिक विविधताओं पर स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं थी। इस जनगणना से मुस्लिम समुदाय की जातियों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति से जुड़े ठोस आंकड़े सामने आएंगे, जो नीति निर्माण और सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण

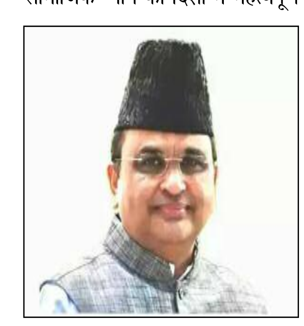

आधार बन सकते हैं। जमाल सिद्दीक़ी ने कहा कि पसमांदा मुसलमान मुस्लिम कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं और अपनी जाति की सही जानकारी उपलब्ध कराएं क्योंकि कुछ कट्टरपंथी मौलानाओं द्वारा गुमराह करने के लिए लोगों से अपील की जा रही की जातिगत जनगणना के दौरान मुस्लिम अपनी जाति इस्लाम बताएं। जबकि यह जातिगत जनगणना है, धार्मिक जनगणना नहीं। जाति संस्कृति का हिस्सा है, धर्म का हिसा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति में जातियां होती हैं जिसके द्वारा मुस्लिम समाज के भीतर भी जातिगत विविधताओं को सामने लाया जाएगा, तो उस एकरूपता की धारणा टूटेगी। इस पहल का सबसे बड़ा असर पसमांदा मुस्लिम समुदाय पर पड़ सकता है। मुस्लिम समाज में भी 85 फीसद जनसंख्या पसमांदा मुसलमानों की है, जो पिछड़े हुए हैं, लेकिन सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र में उन्हें प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है। लेकिन ठोस आंकड़े नहीं होने के कारण उनकी आवाज अनसुनी कर दी जाती है। देश के सभी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड में भी एक भी पसमांदा मुसलमान सदस्य नहीं है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

एजेंसी

भोपाल। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगी। साथ ही, राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्री भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा जिनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशानिर्देश/मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के एनसीसी निदेशालय के सहयोग से सिकल सेल मित्र पहल की शुरुआत भी की जायेगी। सिकल सेल मित्र युवा आबादी में जागरूकता के लिए सेवा प्रदाताओं के बीच लिंक के रूप में कार्य करेंगे। जनसंपर्क अधिकारी अंकुश मिश्रा ने बताया कि पूरे प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर लगाए जाएंगे। यहां आनुवंशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग तथा परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी। सिकल सेल रोगियों और उनके देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। प्रभावित जिले की विशेष रूप से प्रभावित जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा। राज्य स्तर पर विकसित जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड का वितरण किया जाएगा, जिससे लोगों को आनुवंशिक जानकारी समझने में सुविधा होगी। दिव्यांगता योजनाओं और वित्तीय सहायता से सिकल-सेल रोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल करने के लिए यूडीआईडी कार्ड निर्माण के लिए मेगा शिविर भी लगाए जाएंगे।

प्रदेश में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 6 लाख से अधिक नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की जा चुकी है और इनमें से 2 लाख से अधिक वाहक चिन्हित हुए और 29,277 लोग सिकल सेल रोग से ग्रसित पाए गए। इन मरीजों का उपचार जारी है। अब तक 80 लाख 9 हजार से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं जिनसे प्रभावित नागरिक अपनी स्वास्थ्य स्थिति को समझ कर उचित उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

नेशनल सिकल सेल पोर्टल के माध्यम से स्क्रीनिंग व उपचार की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है। रोगियों को निःशुल्क उपचार, जेनेटिक काउंसलिंग, औषधियां, वैक्सीनेशन एवं ब्लड ट्रांस्फ्यूजन की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 26,115 रोगियों को हाईड्रॉक्सीयूरिया दवा से उपचार मिला है। विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर जनजातीय स्कूलों, कॉलेजों व छात्रावासों में स्क्रीनिंग शिविर भी सतत आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश में मिशन की शुरुआत 15 नवंबर 2021 को राज्य हिमोग्लोबिनोपैथी मिशन के रूप में अलीराजपुर और झाबुआ में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की थी।

तेलंगाना मॉडल पर हो जाति जनगणना : इमरान मसूद

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार द्वारा जनगणना के लिए अधिसूचना जारी करने के बाद अब देश में सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने तेलंगाना मॉडल पर जाति जनगणना कराने की मांग की है और इसके स्पष्ट प्रारूप की वकालत की है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सोमवार को समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, अगर जनगणना तेलंगाना के प्रारूप के अनुसार होगी तो यह सार्थक होगी, लेकिन अगर इसे बिहार की तरह किया जाएगा तो यह निरर्थक होगी। इसलिए प्रारूप को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। तेलंगाना में जनगणना एक व्यापक डोर-टू-डोर सर्वे के रूप में आयोजित की गई, जिसमें राज्य के सभी 33 जिलों को शामिल किया गया। महाराष्ट्र के पुणे में पुल ढहने की घटना पर कांग्रेस सांसद ने कहा, भ्रष्टाचार स्पष्ट रूप से मौजूद है, भ्रष्टाचार का मुद्दा कहां चला गया? चाहे पुल गिरे या लोग मरें, इस देश में अब कुछ भी मायने नहीं रखता। इतना खराब मौसम होने के बाद हेलीकॉप्टर क्यों उड़ाया जा रहा था, इसका जवाब कौन देगा? अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हुआ, यह बड़ी दुर्घटना थी, लेकिन खराब मौसम में हेलीकॉप्टर उड़ाने का क्या मतलब समझा जाए? साइप्रस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि डिजिटल पेमेंट के मामले में भारत सबसे आगे है। इस पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि भारत बेरोजगारी में भी सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि युवाओं को देश की तरक्की के साथ नहीं जोड़ा जा रहा है। देश में 65 प्रतिशत आबादी युवाओं की है और देश के नवजवान परेशान हो रहे हैं, इससे ज्यादा दुखद क्या होगा?

कांग्रेस के दबाव के चलते सरकार जाति जनगणना कराने पर मजबूर हुई : सप्तगिरि उलाका

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जाति जनगणना को लेकर अधिसूचना जारी करने के बाद कांग्रेस सांसद सप्तगिरि उलाका ने दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी के दबाव के चलते केंद्र सरकार को जाति जनगणना कराने पर मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने इसके लिए स्पष्ट समय सीमा की मांग की है। सप्तगिरि उलाका ने समाचार एजेंसी से कहा, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के लगातार दबाव के कारण सरकार जाति जनगणना कराने के लिए मजबूर हुई। हालांकि, हमारी मांग सिर्फ जाति जनगणना की घोषणा के लिए नहीं है, हम एक स्पष्ट समयसीमा, आवंटित बजट का विवरण और जनगणना के संचालन के लिए अपनाए जाने वाले मॉडल के बारे में स्पष्टता चाहते हैं। हम नहीं चाहते कि जाति का नाम लेकर यह किया जाए। तेलंगाना में जिस तरह से बातचीत कर मॉडल निकाला गया है, वैसे ही होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे विपक्ष को लेकर इस पर चर्चा करें।बता दें कि यह पहली बार है, जब जाति गणना को जनगणना में शामिल किया जा रहा है। हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में केंद्र ने जाति आधारित गणना को मंजूरी दी थी, ताकि सरकार बेहतर नीतियां बना

सके और इन्हें लक्ष्य-आधारित कर सके। सप्तगिरि उलाका ने ओडिशा सरकार के एक साल पूरे होने पर कहा कि इस एक साल में राज्य में कोई भी काम नहीं किया गया है। लेकिन हर जगह घूमकर सरकार विकास मेला कर अपनी उपलब्धियों को गिना रही है। सरकार ने हर वृद्ध, विधवा और दिव्यांग लोगों को 3,000 रुपए पेंशन देने का वादा किया था। बिजली फ्री करने, हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने जैसे कई वादे किए थे, लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि ओडिशा सरकार हर मोर्चे पर फेल है, कानून-व्यवस्था खराब हो चुकी है और इस सरकार में भ्रष्टाचार हो रहा है। राज्य में महिलाओं पर अत्याचार, बेरोजगारी और पलायन बढ़ा है, विकास नहीं। आदिवासी मुख्यमंत्री होने के नाते लोगों को उम्मीद थी कि आदिवासियों की रक्षा करेंगे, लेकिन शोषण बढ़ गया है।

पीएम मोदी बेखौफ कनाडा गए, जहां से उन्हें धमकियां मिलती थीं : एमएस बिट्टा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कनाडा के दौरे पर गए हैं। 'ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट' के अध्यक्ष एम.एस. बिट्टा ने कहा कि प्रधानमंत्री देशहित में कनाडा गए हैं। वह बेखौफ होकर ऐसे देश में गए हैं, जहां से उन्हें मारने की धमकियां दी जाती रहीं हैं। बिट्टा ने समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा, मुझे भारत के पूरे सिख समुदाय से शिकायत है। जब हमारे प्रधानमंत्री को विदेश में गाली दी जाती है तो पूरा समुदाय चुप क्यों रहता है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दी योगी हैं और राष्ट्र को बचाने के लिए अपना धर्म भी निभा रहे हैं। जी-7 सम्?मेलन में शामिल होना अलग बात है, पर उस गढ़ में जाना जहां पर उनकी जिंदगी के लिए चुनौतियां हैं, बड़ी बात है। पीएम किसी और मंत्री को इस सम्?मेलन में भाग लेने के लिए भेज सकते थे, लेकिन वह खुद इस सम्मेलन में आतंकवाद का मुद्दा उठाएंगे। ऐसे में हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है। उन्होंने कहा कि कनाडा की धरती से कई वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को बार-बार जान से मारने की धमकियां मिलती रही हैं। प्रधानमंत्री कफन बांधकर अपने देश के लिए बगैर किसी खौफ से उस गढ़ में जा रहे हैं, जहां आईएसआई के एजेंट और खालिस्तानी हैं। यह सब

पाकिस्तान से पैसों पर पलने वाले एजेंट हैं।बिट्टा ने कहा कि कनाडा में तिरंगे का अपमान, हनुमान मंदिर और हिंदू धर्म के लोगों पर हमला किया जाता रहा है। ये लोग सिर्फ खौफ फैला रहे थे, वह अब समाप्त हो गया है। पीएम मोदी के कनाडा जाकर सम्मेलन में भाग लेने से पंजाब में खालिस्तान का नारा लगाने वाले और पाकिस्तान के एजेंटों की आंखें खुलेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खालिस्तानियों के गढ़ में चले गए हैं। अब खालिस्तानियों के सुधरने की बारी है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पीएम मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल को बताया 'युग परिवर्तक'

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 11 वर्ष और दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर सोमवार को यहां एक प्रदर्शनी लगाई गई। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हम पीएम मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल को देखें तो इसमें सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए काम किया गया है। इसे हम सही मायनों में युग परिवर्तन कहते हैं। यह 11 साल प्रगति और भरोसे के हैं। 11 साल के इस स्वर्णिम काल ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में अग्रसर किया है।

उन्होंने कहा कि आज जो यह प्रदर्शनी शुरू की गई है, इसे हम दिल्ली की जनता के बीच लेकर जाएंगे। प्रदर्शनी में पीएम मोदी के 11 साल और दिल्ली सरकार के 100 दिन की सफलताओं के बारे में बताया गया है। 100 दिन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने जिस तरह से काम किया है, इसे दिल्ली की जनता को

बताएंगे। दिल्ली के अलग-अलग जिलों में यह प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

सीएम रेखा गुप्ता ने केंद्र सरकार के 11 साल और दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे करने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि दिल्ली में ÷डबल इंजन सरकार÷ ने जिस तरह से काम करना शुरू किया है, वह सराहनीय है। केंद्र ने हमेशा दिल्ली के लिए काम किया है, लेकिन दुर्भाग्य से पिछली सरकार ने न तो उनके प्रयासों को पहचाना और न ही उन्हें श्रेय दिया। आज जब हम दिल्ली को देखते हैं, तो हम देख सकते हैं कि हमें बेहतरीन बुनियादी ढांचे के विकास में केंद्र से महत्वपूर्ण सहयोग मिला है। हरदीप सिंह पुरी ने भी पीएम मदी के 11 साल के कार्यकाल को सराहा। उन्होंने कहा कि हमें अब विकास के वादों को पूरा करना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि दिल्ली को वह मिले जिसकी वह हकदार है।

कांग्रेस को न तो विदेश नीति समझ में आती है और न ही राष्ट्रहित : मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस यात्रा को कांग्रेस की ओर से इवेंट बताए जाने पर भाजपा भड़क गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस यह स्वीकार नहीं कर पा रही है कि पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत तेजी से विकास कर रहा है और लगातार आगे बढ़ रहा है। नकवी ने कहा कि भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। कांग्रेस को यह स्वीकार करना चाहिए कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है।मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने बातचीत के दौरान कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कुंठित कटुता के कबाड़खाने में फंसी कांग्रेस पार्टी को न तो विदेश नीति समझ में आती है और न ही राष्ट्रहित। हमारी विदेश नीति राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतरता बनाए रखते हुए आगे बढ़ रही है और इसके लिए हमें उनसे अनुमोदन के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने अपने परिवार की प्राथमिकताओं के आधार पर विदेश नीति को आकार देने की कोशिश की। उनके लिए राष्ट्रहित महत्वपूर्ण नहीं है। पीएम मोदी की साइप्रस यात्रा पर कांग्रेस नेताओं के बयानों पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि जब किसी का दिमाग खराब हो जाता है, तो वह भ्रमित करने वाले सवाल उठाने लगता है और अनावश्यक अराजकता पैदा करता है। यह स्पष्ट कर दूं कि प्रधानमंत्री सिर्फ एक राजनीतिक दल के नहीं हैं, वह पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। वह हमेशा देश के हितों को सर्वोपरि रखते हुए प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। नकवी ने आगे कहा कि हमेशा से यह परंपरा रही है कि जब प्रधानमंत्री या कोई राष्ट्रीय नेता विदेश में हो, तो देश के भीतर भय और भ्रम पैदा करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। लेकिन, कांग्रेस अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रही है। भारत की जनता कांग्रेस का असली चेहरा देख रही है।

अमिताभ कांत ने जी-20 के शेरपा पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। अमिताभ कांत ने जी-20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे दिया है। उनको भारत के जी-20 शेरपा के रूप में जुलाई, 2022 में नियुक्त किया गया था। अमिताभ कांत की नियुक्ति भारत की ओर से जी-20 की अध्यक्षता संभालने से कुछ महीने पहले की गई थी। उन्होंने 45 वर्ष की अपनी सरकारी सेवा के दौरान कई कार्यभार संभाले हैं। अमिताभ कांत ने एक्स' पोस्ट पर लिखा है कि नए अवसरों को तलाशने और जीवन में एक नया अध्याय शुरू करने का फैसला किया है। अपने इस्तीफे के साथ उन्होंने भारत के जी-20 शेरपा के रूप में अपना इस्तीफा स्वीकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा है कि प्रधानमंत्री ने मुझे कई विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाने और भारत की वृद्धि, विकास और प्रगति में योगदान करने का अवसर दिया। उन्होंने आगे लिखा है कि मैं अपने सभी सहकर्मियों, साथियों और मित्रों का उनके धैर्य, समझ और समर्थन के लिए आभारी हूं। अब मैं मुक्त उद्यम, स्टार्टअप, थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों को सुविधा और समर्थन देकर विकसित भारत की ओर भारत की परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने के लिए तत्पर हूं। इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मेरी लिंक्ड इन पोस्ट संलग्न है।

शहरी सहकारी बैंकों के लिए 'सहकार पाठशाला' शुरू

पुणे। नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनयूसीएफडीसी) ने शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) की कार्यकुशलता और सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 'सहकार पाठशाला' नाम से राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की है। 'सहकार पाठशाला' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुये एनयूसीएफडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभात चतुर्वेदी ने कहा कि यह शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत सरकार के 'सहकार से समृद्धि' के विजन के अनुरूप, सहकार पाठशाला कार्यक्रम का उद्देश्य यूसीबी के अनुपालन ढांचे को मजबूत करना और उन्हें गतिशील, डिजिटल रूप से सशक्त तथा भविष्य-उन्मुख संस्थान बनाना है। यह केवल कुशलता बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक क्षमता रूपांतरण कार्यक्रम है। यह पहल क्षेत्रीय उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और बदलते वित्तीय माहौल में शहरी सहकारी बैंकों के सतत विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में है। इसमें महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना और कर्नाटक समेत विभिन्न राज्यों के शहरी सहकारी बैंकों के सीईओ और निदेशक स्तर के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। यह राष्ट्रीय पहल शहरी सहकारी बैंकों को आधुनिक बैंकिंग, वित्तीय प्रबंधन और डिजिटल तकनीकों में प्रशिक्षित कर उनकी कार्यक्षमता और सेवा गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसके साथ-साथ ही एनयूसीएफडीसी ने 'सहकार पाठशाला इंटरएक्टिव वेबिनार सीरीज' भी शुरू की, जिसका आयोजन महीने के दूसरे और चौथे होगा।

सरकारी बैंकों में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों में अपनी हिस्सेदारी कम करने की तैयारी में है, जिससे शेयर बाजार में क्क (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) बैंक शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। इस खबर के बाद से इन बैंकों के शेयर रॉकेट की गति से बढ़ रहे हैं, जिससे निवेशकों को बड़ा मुनाफा हो रहा है। यह कदम सरकार की विनिवेश रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य सरकारी खजाने को बढ़ाना और इन बैंकों के प्रबंधन में दक्षता लाना है। सूत्रों के अनुसार, सरकार चरणबद्ध तरीके से चुनिंदा सरकारी बैंकों में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी। इस खबर ने शेयर बाजार में सकारात्मक माहौल बना दिया है, और निवेशक इन बैंकों के शेयरों में जमकर खरीदारी कर रहे हैं। आज के कारोबार में कई क्क बैंकों के शेयरों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इस तेजी के पीछे निजीकरण की संभावनाओं और बेहतर प्रबंधन की उम्मीदें हैं, जिससे इन बैंकों की भविष्य की वृद्धि को लेकर निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। हालांकि, सरकार ने अभी तक उन बैंकों के नामों का खुलासा नहीं किया है जिनमें हिस्सेदारी बेची जाएगी, लेकिन बाजार में इसको लेकर कयासों का दौर जारी है। आने वाले समय में सरकार इस संबंध में और स्पष्टता प्रदान कर सकती है, जिससे इन बैंकों के शेयरों में आगे भी हलचल देखने को मिल सकती है। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे निवेश से पहले विशेषज्ञों की राय लें।

बगैर पैसे के पहलगाम हमला संभव नहीं थाः एफएटीएफ

नई दिल्ली। आतंकवादी वित्तपोषण नेटवर्क को खत्म करने के उद्देश्य कार्यरत वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले पर गंभीर चिंता जतायी और हमले की निंदा करते हुये कहा है कि पहलगाम और अन्य हालिया हमले पैसे और आतंकवादी समर्थकों के बीच धन स्थानांतरित करने के साधनों के बिना नहीं हो सकते थे। एफएटीएफ ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। एफएटीएफ का यह बयान ऐसे समय में आया जब भारत सीमा पार आंतकी गतिविधियों में पाकिस्तान की भूमिका को वैश्विक स्तर पर उठा रहा है। सूत्रों का कहना है कि एफएटीएफ का यह बयान पाकिस्तान को फिर से ग्रेड सूची में डालने का जोखित पैदा कर सकता है।

जैनिक पावर ने कमजोर लिस्टिंग से किया निराश, अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली । एल्यूमिनियम वायर और पावर केबल्स बनाने वाली कंपनी जैनिक पावर एंड केबल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 110 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 25.45 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 82 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 86.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। अपर सर्किट के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन ही 21.73 प्रतिशत का नुकसान हो गया।जैनिक पावर एंड केबल्स का 51.30 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से

एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.54 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.13 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 46,63,200 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपना नया प्लांट लगाने, पुराने कर्ज चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 15 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 5.02 करोड़ रुपये और 2024-25 में 9.24 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 128 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 352.28 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

जम्मू-कश्मीर की चेरी हुई वैश्विक, पहली अंतरराष्ट्रीय खेप को दिखाई गई हरी झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के तत्वावधान में प्रीमियम गुणवत्ता वाली कश्मीरी चेरी की पहली अंतरराष्ट्रीय खेप को आधिकारिक तौर पर रवाना किया गया, जो वैश्विक ताजा उपज बाजारों में घाटी के प्रवेश करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि जम्मू-कश्मीर से प्रीमियम चेरी की पहली वाणिज्यिक खेप सऊदी अरब और यूएई के लिए रवाना हुई। इससे हमारे चेरी किसानों के लिए एक बड़ा बाजार खुल गया है, जिन्हें अब अपनी उपज के लिए बेहतर कीमत मिलेगी। पीयूष गोयल ने आगे लिखा है मोदी सरकार भारत को प्रीमियम कृषि उत्पादों के वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने के लिए रसद संबंधी कमियों को दूर करने में जुटी है। ये उपलब्धि भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्यरत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के तत्वावधान में हासिल की गई है। ताजा चेरी की यह पहली खेप संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को निर्यात की जा रही है, जो कश्मीरी बागवानी उत्पादों के लिए एक संरचित वैश्विक निर्यात पाइपलाइन की शुरुआत है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के कीमत में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,050 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये से लेकर 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,000 रुपये से लेकर 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज 100 रुपये की मामूली तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना

1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश का निर्यात मई में 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। देश का निर्यात मई में 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया। मई में आयात सालाना आधार पर 1.7 फीसदी घटकर 60.61 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान व्यापार घाटा 21.88 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल में 26.42 अरब डॉलर था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश का निर्यात मई में 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया। मई में आयात सालाना आधार पर 1.7 फीसदी घटकर 60.61 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान व्यापार घाटा 21.88 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल में 26.42 अरब डॉलर था। इस तरह मई 2024 में दर्ज 22.09 अरब डॉलर की तुलना में व्यापार घाटा सालाना आधार पर कम रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने संवाददाताओं से कहा

कि व्यापार के संबंध में वैश्विक नीति अनिश्चितता के बावजूद हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन सहित इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्यात में मई में सालाना आधार पर सबसे तेज 54 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि रसायनों के निर्यात में 16 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि फार्मास्यूटिकल्स के निर्यात में 7.38 फीसदी की वृद्धि हुई है चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहली तिमाही के दो महीनों अप्रैल-मई के दौरान वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात बढ़कर 77.19 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात बढ़कर 125.52 अरब डॉलर रहा। बर्थवाल ने कहा कि व्यापार घाटे में कमी से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी और यह ऐसे समय में हुआ है, जब देश का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

अर्थूड सर्विसेज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी फिर से दाखिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली।गुड़गांव स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी ने सेबी के समक्ष 27 दिसंबर, 2024 को जमा अपने पुराने आईपीओ ड्राफ्ट को 28 अप्रैल, 2025 को वापस ले लिया था। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक अर्थूड सर्विसेज का 10 रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य वाले यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री के लिए प्रस्ताव के रूप में संरचित है। इसमें मुख?य प्रमोटर डॉ. कविराज सिंह के 42.90 लाख इक्विटी शेयर और अशोक कुमार गौतम के 20 लाख इक्विटी शेयर है,

जो कुल मिलाकर 62.90 लाख इक्विटी शेयर हैं। इस ऑफर में पात्र कर्मचारियों के सदस्यता आरक्षण भी शामिल है। इसके साथ ही कर्मचारी आरक्षण भाग में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जाएगी। आईपीओ दस्तावेज के मुताबिक बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया में शुद्ध प्रस्ताव का कम से कम 75 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों को आवंटित किया जाएगा, जबकि गैर-संस्थागत और खुदरा व्यक्तिगत बोलीदाताओं को क्रमशः शुद्ध प्रस्ताव का 15 फीसदी और 10 फीसदी से अधिक नहीं मिलेगा। गुड़गांव में मुख्यालय वाली कंपनी अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड, जो पर्यावरण संबंधी विशेषताओं को प्रमाणित करने में लगी एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कंपनी है। ये कंपनी मुख्य रूप से कार्बन सत्यापन और सत्यापन सेवाएं प्रदान करती है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कंपनी ने 132 देशों में 400 से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान की है।

मई में कारों की बिक्री 12.2 प्रतिशत घटी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में इस वर्ष मई में यात्री कारों की घरेलू बिक्री इसके पिछले वर्ष की समान अवधि के 1,06,952 इकाई के मुकाबले 12.2 प्रतिशत घटकर 93,951 इकाई रह गई। ऑटोमोबाइल कंपनियों के शीर्ष संगठन सियाम की ओर से सोमवार को जारी आंकड़े के अनुसार, मई 2025 में घरेलू बाजार में कुल 93,951 कारों की बिक्री की गई, जो मई 2024 की 1,06,952 कारों के मुकाबले 12.2 प्रतिशत कम है। इस अवधि में कारों के निर्यात में 17.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 28,802 से बढ़कर 33,902 इकाई पर पहुंच गया। आलोच्य अवधि में यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 1,82,883 से 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 1,96,821 और वैन की बिक्री 10,960 से 12.5 प्रतिशत बढ़कर 12,327 इकाई हो गई। इस तरह इस अवधि में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 3,00,795 से महज 0.8 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,03,099 इकाई पर रही। इस दौरान यात्री वाहनों के कुल निर्यात में 24.4 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 53,991 से बढ़कर 67,181 इकाई पर पहुंच गया। इस दौरान दुपहिया वाहनों की बिक्री 16,20,084 के मुक़ाबले 2.2 प्रतिशत बढ़कर 16,55,927 इकाई हो गई। इसी तरह कुल निर्यात 3,13,131 से 21.7 प्रतिशत उछलकर 3,80,979 इकाई पर पहुंच गया। इस अवधि में स्कूटर की बिक्री 5,40,866 से 7.1 प्रतिशत बढ़कर 5,79,507, मोटरसाइकिल की 10,38,824 से बढ़कर 10,39,156 इकाई हो गई। वहीं, मोपेड की बिक्री 40,394 के मुक़ाबले 7.7 प्रतिशत कम होकर 37,264 इकाई रह गई। आलोच्य अवधि में तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री में 3.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 55,763 इकाई से लुढ़ककर 53,942 इकाई पर आ गई।

ईपीएफओ से जुड़ी कोई भी सेवा थर्ड पार्टी एजेंट या साइबर कैफे से न लेने की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने सदस्यों, कंपनियों और पेंशनर्स से ईपीएफओ से जुड़ी कोई भी सेवा थर्ड पार्टी एजेंट या साइबर कैफे से न लेने की अपील की है। ये सेवाएं ईपीएफओ के पोर्टल और 'उमंग' ऐप पर बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध हैं। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के मुताबिक ईपीएफओ ने बीमारी, आवास, विवाह और शिक्षा के तहत अग्रिम के लिए ऑटो क्लेम निपटान सुविधा की सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप विति?त वर्ष 2024-25 में 2.34 करोड़ दावों का ऑटो मोड में निपटान किया गया है। साथ ही अधिकांश मामलों में नियोक्ता की मंजूरी की आवश्यकता को हटाकर 15 जनवरी, 2025 से स्थानांतरण

दावा प्रक्रिया को भी सरल बना दिया गया है। मंत्रालय के मुताबिक कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके सदस्य प्रोफाइल सुधार के लिए प्रदान की गई ऑनलाइन सुविधा को भी सरल बनाया गया है। अधिकांश मामलों में सदस्य प्रोफ़ाइल सुधा के लिए नियोक्ता और ईपीएफओ पर निर्भरता समाप्त कर दी गई है। ऑनलाइन डी-लिंकिंग सुविधा ने सदस्यों को उनके यूएएन से गलत सदस्य आईडी को डीलिंक करने में सक्षम बनाया है। इस प्रकार शिकायतों में भी कमी आई है। इसके अलावा यूएएन का आवंटन और सक्रियण फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी (एफएटी) का उपयोग करके उमंग ऐप के जरिए किया जा रहा है। इस सुविधा का लाभ उठाकर, सदस्य को ईपीएफओ सेवाओं जैसे पासबुक देखना, केवाईसी अपडेट, दावा प्रस्तुत करना आदि तक तत्काल पहुंच प्राप्त होती है। इसके मद्देनजर ईपीएफओ ने अपने सदस्यों, कंपनियों और पेंशनर्स से अनधिकृत एजेंटों से संपर्क करने से बचने और मुफ्त एवं सुरक्षित ऑनलाइन सेवाओं के लिए आधिकारिक ईपीएफओ पोर्टल का उपयोग करने का आग्रह किया है।

वाटरवेज लीजर टूरिज्म ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

मुंबई। वाटरवेज लीजर टूरिज्म ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के माध्यम से 727 करोड़ रुपये जुटाना है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉक एकसचेंज पर सूचीबद्ध होंगे। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड का 10 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 727 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया इश्यू है, जिसमें कोई बिक्री के लिए प्रस्ताव नहीं है। इस ऑफर का योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए आवंटन न्यूनतम 75 फीसद निर्धारित किया गया है, जबकि 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और 10 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है। सेंट्रम कैपिटल लिमिटेड, इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं, जबकि एमयूएफजी इंटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रार है। कंपनी की योजना इस इश्यू से प्राप्त 552.53 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मुख्य रूप से अपनी सहायक कंपनी 'बेक्रूज आईएफएससी' के साथ ही लीजिंग उद्देश्यों और अन्य सामान्य कॉर्पोरेट रणनीतियों के लिए करने की है। भारत की एकमात्र घरेलू महासागर क्रूज ऑपरेटर टरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड वर्तमान में कॉर्डेलिया क्रूज ब्रांड नाम के तहत एक क्रूज जहाज एमवी एम्प्रेस का संचालन करता है। लॉन्च होने के बाद से 5,49,051 मेहमान इस क्रूज जहाज पर यात्रा कर चुके हैं। इसने 31 दिसंबर, 2024 तक भारतीय तटरेखा और आसपास के द्वीपों के साथ 2,25,079.53 समुद्री मील से अधिक की दूरी तय की है। वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड एकमात्र घरेलू क्रूज लाइन कॉर्डेलिया क्रूज़ का संचालन मुंबई और चेन्नई से करती है।

अडानी एयरपोर्ट्स का मेगा आईपीओ : समूह 2027 तक लिस्टिंग की तैयारी में

एजेंसी

मुंबई। भारतीय उद्योग जगत में अपनी मजबूत पकड़ रखने वाला अडानी समूह अब अपनी एयरपोर्ट इकाई, अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड , को सार्वजनिक करने की बड़ी तैयारी में है। खबरों के अनुसार, समूह 2027 तक इस इकाई का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की योजना बना रहा है, जो इसकी महत्वाकांक्षी .100 बिलियन की विस्तार योजना का एक अहम हिस्सा है। इस खबर से निवेशकों के बीच खासा उत्साह देखा जा रहा है, जो भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में सीधे निवेश का मौका तलाश रहे हैं। अडानी एयरपोर्ट्स लिमिटेड, जो वर्तमान में भारत में आठ हवाई अड्डों का संचालन करती है और देश के यात्री यातायात का लगभग 23त्र और हवाई कार्गो यातायात का 29त्र संभालती है, को अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड से अलग कर एक स्वतंत्र सूचीबद्ध इकाई के रूप में लाने की संभावना है। समूह के अधिकारियों के अनुसार, यह डिमर्जर (ष्ठद्गद्वद्गह्म्द्दद्गह्म्) 2027-28 के वित्तीय वर्ष तक पूरा होने की उम्मीद है। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य हवाई अड्डे के व्यवसाय को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना, स्वतंत्र परिचालन क्षमता विकसित करना और भविष्य में तीव्र विकास के लिए आवश्यक निवेश आकर्षित करना है।

शुरुआती गिरावट के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह के आखिरी दो कारोबारी दिन बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही जोरदार बढ़त के साथ बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार कुछ देर के लिए कमजोरी के साथ लाल निशान में भी कारोबार करता रहा, लेकिन पहले 20 मिनट के बाद ही खरीदारी का रुख बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने हरे निशान में अपनी जगह बना ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते जियो-पोलिटिकल टेंशन के बावजूद आज लार्ज कैप और ब्लू चिप शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इस खरीदारी के कारण पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.84 प्रतिशत और निफ्टी 0.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 450.44 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 447.21 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.23 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,253 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,977 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,107 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,598 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,366 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,232 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 27 शेयर बढ़त के साथ और 3 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 46 शेयर हरे निशान में और 4 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 84.15 अंक की कमजोरी के साथ 81,034.45 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले ही ये सूचकांक 106.29 अंक की कमजोरी के साथ 81,012.31 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद बाजार में खरीदारी का जोर बन गया, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी का रुख बनने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के कारण दोपहर 12 के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 747.22 अंक की मजबूती के साथ 81,865.82 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 677.55 अंक की तेजी के साथ 81,796.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 13.75 अंक की बढ़त के साथ 24,732.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

म्यूनिख आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2025: भारत ने दो स्वर्ण, दो कांस्य के साथ पदक तालिका में हासिल किया तीसरा स्थान

एजेंसी

म्यूनिख। जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित तीसरे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2025 में भारत की 36 सदस्यीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार पदक अपने नाम किए। इसमें दो स्वर्ण और दो कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया, जिससे आगे केवल चीन और नॉर्वे ही रहे। दो बार की ओलंपियन और 'गन फॉर ग्लोरी' अकादमी में प्रशिक्षण ले रहीं एलेवनिल वलारिवन ने भारत का पदक खाता खोला। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जिसमें उन्होंने 231.2 का स्कोर किया। इसके अलावा उन्होंने क्वालिफिकेशन राउंड में 635.9 अंक हासिल कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। वहीं, 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन इवेंट में भारत की सिफ्ट कौर समरा ने 453.1 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। 19 वर्षीय सुरूचि सिंह ने म्यूनिख में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में 241.9 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीतकर वर्ल्ड कप 2025 में अपना तीसरा गोल्ड हासिल किया। इससे पहले वह ब्यूनस आयर्स और लीमा में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी थीं। पुरुष और महिला मिश्रित टीम 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अर्जुन बबूटा और आर्या बोर्से की जोड़ी ने चीनी टीम को 17-7 से हराकर भारत को एक और स्वर्ण पदक दिलाया।

डीडीसीए ने राजधानी में शुरू की मेगा टी20 क्रिकेट लीग, 104 क्लबों की होगी टक्कर

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने राजधानी की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित टी20 क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ कर दिया है। इस इंटर-क्लब टूर्नामेंट की शुरुआत आज सेंट स्टीफंस कॉलेज ग्राउंड में हुई, जहां क्रिकेट प्रेमियों, खिलाड़ियों और अधिकारियों की उत्साही मौजूदगी देखने को मिली। यह टूर्नामेंट न केवल स्थानीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के लिए एक सुनहरा मंच भी साबित होगा। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला मद्रास क्रिकेट क्लब और यॉर्क्स क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया, जिससे टूर्नामेंट की रोमांचक शुरुआत हुई। कुल 104 क्लब इस मेगा इवेंट में हिस्सा ले रहे हैं, जिन्हें ग्रुप चरण के लिए 9 पूलों में विभाजित किया गया है। उद्घाटन समारोह में डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा, निदेशक श्याम शर्मा, लीग समिति के सह-अध्यक्ष डॉ. अहमद तमीम, सह-संयोजक हर्ष गुप्ता और वरिष्ठ सचिव प्रमोद जैन व शर्वन कुमार मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए टूर्नामेंट की सफलता की कामना की। डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने इस पहल पर खुशी जताते हुए कहा, यह टूर्नामेंट दिल्ली क्रिकेट की जड़ों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अर्जुन बाबूटा ने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया के लॉन्च पर कहा, अब इस खेल को मिलेगा उसका हकदार सम्मान

नई दिल्ली। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की पहली सीजन की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और देश के निशानेबाज इस अनोखे कॉन्सेप्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा शुरू की जा रही इस लीग का उद्देश्य शूटिंग स्पोर्ट की बढ़ती लोकप्रियता और अंतरराष्ट्रीय मंच पर हालिया सफलताओं को और मजबूती देना है। 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत ने शूटिंग में तीन पदक जीतकर इतिहास रचा था और हाल ही में अर्जुन बाबूटा और आर्या बोर्से की जोड़ी ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल) में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर भारत की निरंतर श्रेष्ठता को दोहराया। ओलंपियन अर्जुन बाबूटा का मानना है कि यह लीग इस खेल की दिशा और दशा दोनों को बदलने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा, हर कोई इस लीग को लेकर बहुत उम्मीदें रखता है। हमारे मन में जितनी कल्पनाएं चल रही हैं, उतनी शायद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट को लेकर नहीं हुई।

आर्मंड डुप्लांटिस ने 12वीं बार पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, स्टॉकहोम में रचा इतिहास

स्टॉकहोम। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रविवार को डायमंड लीग प्रतियोगिता के दौरान डुप्लांटिस ने 6.28 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए 12वीं बार नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। अमेरिका में जन्मे इस दो बार के ओलंपिक चैंपियन ने फरवरी में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर से बेहतर किया। स्टॉकहोम के ऐतिहासिक ओलंपिक स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने पहले ही प्रयास में यह कारनामा कर दिखाया। शानदार मौसम और घरेलू दर्शकों का उत्साह उनके प्रदर्शन को और ऊंचाई देने वाला साबित हुआ। डुप्लांटिस ने प्रतियोगिता से पहले ही वादा किया था कि वे रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करेंगे। उनके नाम की उद्घोषणा होते ही पूरा स्टेडियम तालियों और जोश से गूंज उठा।

महिला मैराथन की अग्रदूत नीना कुशसिक का निधन, 86 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी

बोस्टन। महिला धावकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली बोस्टन मैराथन की पहली आधिकारिक महिला विजेता नीना कुशसिक का निधन हो गया है। वह 86 वर्ष की थीं। न्यूयॉर्क के हंटिंगटन स्टेशन स्थित ए.एल. जैकबसेन अंतिम संस्कार गृह के अनुसार नीना कुशसिक का निधन रविवार को अल्ज़ाइमर रोग से लंबे संघर्ष के बाद श्वसन विफलता के कारण हुआ। बोस्टन एथलेटिक एसोसिएशन (बीएए) ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, नीना सिर्फ़ एक अग्रदूत या महिला धावकों की पैरोकार नहीं थीं, बल्कि खेल जगत की एक प्रतिष्ठित हस्ती थीं। उनके चेहरे की मुस्कान, हंसी और स्नेह को हम हमेशा याद रखेंगे। बोस्टन मैराथन में 1972 में पहली बार महिलाओं को आधिकारिक रूप से भाग लेने की अनुमति दी गई, तब नीना कुशसिक ने वह दौड़ जीतकर इतिहास रच दिया। इसके बाद उन्होंने

हजारों महिलाओं को प्रेरित किया कि वे भी अपने लक्ष्यों और फिनिश लाइन तक पहुंच सकती हैं। नीना ने 16 साल की उम्र में हाई स्कूल पास किया था, और न्यूयॉर्क के एक नियम को बदलवाकर 18 वर्ष की उम्र में नर्स की लाइसेंस प्राप्त की थी, जबकि उस समय न्यूनतम उम्र 21 वर्ष थी। उन्होंने स्केटिंग, रोलर स्केटिंग और साइक्लिंग जैसे खेलों में राज्य स्तर की चैंपियनशिप जीतीं और फिर साइकिल टूट जाने के कारण दौड़ की दुनिया में कदम रखा। 1968 से 1971 के बीच उन्होंने चार बार बोस्टन मैराथन में भाग लिया, जब महिलाओं को औपचारिक अनुमति नहीं थी। इन्हें अब 'पायनियर एरा' के रूप में जाना जाता है। फिर 1972 में उन्होंने पहली आधिकारिक महिला दौड़ जीती। 1970 में वे न्यूयॉर्क मैराथन में भाग लेने वाली पहली महिला बनीं। 1972 में 'सिक्स हू सैट' आंदोलन में वे शामिल थीं, जिसमें छह महिलाओं ने 10 मिनट तक दौड़ शुरू नहीं की थी, जिससे एमेच्योर एथलेटिक यूनियन के उस नियम का विरोध किया गया था जिसमें महिलाओं की दौड़ को पुरुषों से अलग करने की बात थी। उसी वर्ष उन्होंने यह दौड़ भी जीती और अगले साल फिर से खिताब अपने नाम किया। नीना बाद में AAU और USA ट्रैक एंड फील्ड की समितियों में शामिल हुईं और महिला दौड़ के लिए नियम बनाने में अहम भूमिका निभाई। प्रसिद्ध धाविका कैथरीन स्विट्ज़र ने उन्हें 'हमारी सबसे महान नेताओं में से एक' बताया। स्विट्ज़र ने कहा, 'नीना न केवल एक शानदार धाविका थीं बल्कि उन्होंने वर्षों तक नियम बदलने, शोध प्रस्तुत करने और यह साबित करने में योगदान दिया कि महिलाएं लंबी दूरी की दौड़ में पूरी तरह सक्षम हैं।' अपने जीवन में नीना कुशसिक ने 80 से अधिक मैराथन में भाग लिया। उन्होंने 1977 में 50-मील दौड़ का अमेरिकी रिकॉर्ड बनाया और 1979 से 1981 तक लगातार तीन वर्षों तक एम्पायर स्टेट बिल्डिंग रन-अप जीता।

साओ पाउलो ने मैनेजर जुबेलदिया को पद से हटाया

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राजीलियन फुटबॉल क्लब साओ पाउलो ने अर्जेंटीनी मैनेजर लुइस जुबेलदिया को खराब प्रदर्शन के चलते पद से हटा दिया है। क्लब ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। ब्राज़ीलियन सीरी-ए लीग में साओ पाउलो का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम 12 मैचों में केवल दो जीत के साथ 20 टीमों की तालिका में 14वें स्थान पर है। हालांकि, कोपा लिबरटाडोरेस में क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने ग्रुप में टॉप किया है और अब अगस्त में कोलंबिया की एटलेटिको नैसिओनल से प्री-क्वार्टर फाइनल खेलेगा। क्लब द्वारा जारी बयान में कहा गया, आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण तरीके से यह निर्णय लिया गया कि लुइस जुबेलदिया अब टीम की कमान नहीं संभालेंगे। जुबेलदिया ने अप्रैल 2024 में टीम की जिम्मेदारी संभाली थी और उनके कार्यकाल में साओ पाउलो ने 38 मुकाबले जीते, 27 ड्रॉ खेले और 20 में हार का सामना किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अर्जेंटीना के पूर्व

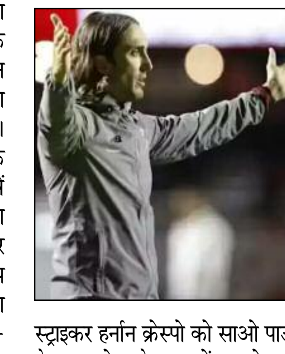

स्ट्राइकर हर्नान क्रेस्पो को साओ पाउलो के नए कोच के रूप में सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। क्रेस्पो पहले भी 2021 में आठ महीने तक साओ पाउलो के कोच रह चुके हैं। वे नवंबर 2024 में यूएई के क्लब अल ऐन से अलग हुए थे और तब से कोचिंग से बाहर हैं।

एशियन कैनो स्प्रींट एवं पैरा कैनो चैम्पियनशिप में मप्र ने जीते 3 स्वर्ण समेत आठ पदक

एजेंसी

भोपाल। थाईलैण्ड के रेयान्ग (पट्टाया) शहर में 12 से 15 जून तक आयोजित एशियन कैनो स्प्रींट एवं पैरा कैनो चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पर्धाओं में तीन स्वर्ण समेत कुल 8 पदक अर्जित किए। इनमें दो रजत और तीन कांस्य पदक भी शामिल हैं। प्रतियोगिता में ओलम्पियन प्राची यादव ने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया। जनसम्पर्क अधिकारी विकास खराड़कर ने बताया कि एशियन कैनो स्प्रींट स्पर्धा में मप्र अकादमी के खिलाड़ी प्रिंस गोस्वामी और सुधीर कुमार की जोड़ी ने सी-2-1000 मीटर की जूनियर स्पर्धा में कांस्य पदक अर्जित किया, जबकि बालिका वर्ग की सी-2-500 मीटर स्पर्धा में दीपिका ढ़ीमर ने कांस्य पदक जीता। वहीं, एशियन पैरा कैनो चैम्पियनशिप में प्राची यादव ने महिला वर्ग की केएल-2-200 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक, वीएल-2-200 मीटर में स्वर्ण पदक, केएल-2-500 मीटर में स्वर्ण पदक एवं वीएल-2-500 मीटर स्पर्धा में रजत पदक हासिल

किया। इसी तरह पैरा कैनो पुरुष वर्ग में मनीष कौरव ने केएल-3- 200 मीटर स्पर्धा में रजत पदक एवं केएल-3-500 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। प्रदेश के खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा तीन स्वर्ण और एक रजत पदक अर्जित करने वाली प्राची यादव की मंत्री सारंग ने सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में मप्र अकादमी ने जीते तीन स्वर्ण पदक

एजेंसी

भोपाल। उत्तराखंड के देहरादून शहर में 11 से 15 जून तक आयोजित के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश राज्य कराते अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक अर्जित किए। चैम्पियनशिप के जूनियर एवं सब-जूनियर वर्ग में मप्र अकादमी के 7 खिलाड़ियों ने भागीदारी की। इनमें धारकन शाह, कल्याणी कोडोपे और रूषा तांबत ने स्वर्ण पदक अर्जित कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। राज्य के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी सराहना की है। जनसम्पर्क अधिकारी विकास खराड़कर ने बताया कि देहरादून में आयोजित के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में 53 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में मप्र अकादमी की खिलाड़ी धारकन शाह ने स्वर्ण पदक हासिल किया। धारकन ने पहले राउंड में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को 8-0 शिकस्त दी। दूसरे राउंड में राजस्थान के खिलाड़ी से 7-3 के अंतर से मुकाबला जीता और तीसरे एवं चौथे राउंड में क्रमशः हरियाणा एवं अरूणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को 8-0 के अंतर से परास्त कर फाइनल

में जगह बनाई। फाइनल राउंड में धारकन शाह ने बिहार के खिलाड़ी को एकतरफा 8-0 से हराकर स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा जमाया। वहीं, 66 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में कल्याणी कोडोपे ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। कल्याणी ने पहले राउंड में महाराष्ट्र को 9-0 से परास्त किया, जबकि दूसरे व तीसरे राउंड में क्रमशः राजस्थान व दिल्ली को 8-0 से हराया। चौथे राउंड में कल्याणी ने छत्तीसगढ़ को 8-2 से परास्त कर स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी तरह 59 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में रूषा तांबत ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। रूषा ने पहले राउंड में राजस्थान को 8-0 तथा दूसरे राउंड में नागालैण्ड को 5-0 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में रूषा ने कर्नाटक को 8-2 से एवं सेमी फाइनल में हरियाणा को 6-1 से परास्त कर फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल में रूषा ने उत्तराखण्ड को 9-0 से एकतरफा मुकाबले में हराकर स्वर्ण पदक जीता।

तीन सुपर ओवर के रोमांच के बाद नीदरलैंड्स ने नेपाल को हराया, टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास

एजेंसी

ग्लासगो। नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच खेले गए टी20 मुकाबले में दर्शकों को रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिली, जब मैच लगातार तीन सुपर ओवर तक चला। यह किसी भी पुरुष पेशेवर टी20 या लिस्ट ए मुकाबले में पहली बार हुआ है। अंततः नीदरलैंड्स ने यह रोमांचक मुकाबला जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया।

अंतिम ओवर से तीसरे सुपर ओवर तक का सफर

152 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही नेपाल को अंतिम ओवर में 16 रनों की जरूरत थी। नंदन यादव ने काइल क्लेन की गेंदों पर 4, 2, 2, और फिर एक और चौका लगाकर मुकाबला पहले सुपर ओवर तक खींच दिया। पहले सुपर ओवर में नीदरलैंड्स की ओर से डेनियल डोरम ने गेंदबाजी की। कुशल भुर्तेल ने दो छक्के और एक चौका लगाकर

19 रन बना डाले। जवाब में माइकल लेविट ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा, इसके बाद मैक्स ओ'डाउड ने अंतिम दो गेंदों पर 6 और 4 जड़कर मुकाबले को दूसरे सुपर ओवर तक पहुंचा दिया। दूसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स ने 17 रन बनाए। नेपाल की ओर से रोहित पौडेल ने पहली गेंद पर छक्का लगाया, और फिर दीपेन्द्र सिंह ऐरी ने चौका जड़कर समीकरण आखिरी गेंद पर 7 रन का बना दिया। ऐरी ने काइल क्लेन की गेंद को काउ कॉर्नर पर छक्के के लिए भेजकर तीसरा सुपर ओवर तय कर दिया। तीसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स के ऑफस्पिनर जैक लायन-कैशे ने कमाल कर दिखाया। उन्होंने पौडेल और रूपेश सिंह को आउट कर नेपाल को खाता भी नहीं खोलने दिया। इसके बाद लेविट ने संदीप लामिछाने की गेंद पर लंबा छक्का जड़कर नीदरलैंड्स को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स ने 152/7 रन बनाए। टीज़ी निडामानुरु ने 35 और विक्रमजीत सिंह ने 30 रन बनाए। नेपाल की ओर से संदीप लामिछाने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट मात्र 18 रन देकर झटके, जबकि नंदन यादव ने 2 विकेट लिए। नेपाल की पारी की शुरुआत खराब रही। बेन फ्लेचर ने डेब्यू मैच में ही लोकेश बम को आउट किया और क्लेन ने अनिल साह को चलता किया। हालांकि कुशल भुर्तेल (34) और रोहित पौडेल (48) ने पारी को संभाला। लेकिन डेनियल डोरम ने 3 विकेट लेकर नेपाल की पारी पर लगाम लगा दी। आखिरी ओवरों में रूपेश, पौडेल और करण केसी ने मुकाबले को बराबरी तक पहुंचाया।

आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में चार मैचों की मेजबानी करेगा गुवाहाटी

एजेंसी

गुवाहाटी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप-2025 के लिए ड्राफ्ट शेड्यूल का अनावरण किया, जिसमें गुवाहाटी की एक प्रमुख मेजबान शहर के रूप में भूमिका की पुष्टि की गई। गुवाहाटी के बरसापारा के असम क्रिकेट एसोसिशन (एसीए) स्टेडियम में चार लीग मैच आयोजित किए जाएंगे, जिसकी शुरुआत 7 अक्टूबर (दोपहर 3 बजे से) को इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश के मैच से होगी। इंग्लैंड 11 अक्टूबर को श्रीलंका का सामना करने के लिए वापस आएगा, जबकि स्थानीय प्रशंसकों के लिए मुख्य आकर्षण 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के साथ भारत का आमना-सामना होगा।गुवाहाटी का अंतिम लीग मैच 26 अक्टूबर (सुबह 11 बजे से) को इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड होगा। गौरतलब है कि गुवाहाटी 29 अक्टूबर को पहले सेमीफाइनल की मेजबानी भी कर सकता है, लेकिन केवल तभी जब पाकिस्तान क्वालीफाई करने में विफल हो। इससे भारतीय प्रशंसकों को अपनी टीम को फिर से देखने का मौका मिल सकता है, अगर भारत ग्रुप चरण में शीर्ष या चौथे स्थान पर रहता है

मुंबई सिटी ने जोथनपुइया के साथ तीन साल का करार किया, मिडफील्ड को मिलेगी नई मजबूती

एजेंसी

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब मुंबई सिटी एफसी ने मिजोरम के उभरते मिडफील्डर जोथनपुइया को अपने साथ जोड़ने की घोषणा की है। 20 वर्षीय जोथनपुइया ने आइज़ॉल एफसी से मुंबई सिटी में तीन साल का करार किया है। जोथनपुइया, जिन्हें प्यार से 'पुइपुइया' कहा जाता है, ने 2022 में मिजोरम की इलेक्ट्रिक वेंग एफसी से अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने आई-लीग 2 में ओरांजे एफसी और 2024 कलकत्ता लीग में सदर्न समिटी का प्रतिनिधित्व किया। 2024-25 सीज़न में उन्होंने आइज़ॉल एफसी के लिए 20 मैचों में 3 गोल और 2 असिस्ट दर्ज किए, जिससे उन्होंने मिडफील्ड में अपनी उपयोगिता साबित की। मुंबई सिटी

एफसी ने नए सीजन के लिए अपनी टीम को युवा और ताज़ा ऊर्जा से लैस करने का फैसला किया है। जोथनपुइया का आगमन 2025-26 सीजन और भविष्य की योजनाओं को देखते हुए मिडफील्ड को नई गहराई और संतुलन देगा। जोथनपुइया ने कहा कि मुंबई सिटी एफसी से जुड़कर मैं बेहद उत्साहित हूं। यह एक प्रतिष्ठित क्लब है जिसने कई खिताब जीते हैं। मैं टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं और यहां के अनुभवी खिलाड़ियों से सीखते हुए खुद को और बेहतर बनाना चाहता हूं। ढ्रस्रु में खेलना मेरा सपना था और अब वह सपना मुंबई सिटी के साथ साकार हो रहा है। वहीं, मुंबई सिटी के डायरेक्टर सुझय शर्मा ने कहा कि जोथनपुइया एक युवा और होनहार खिलाड़ी हैं, जिन्होंने शुरुआती वर्षों में ही अपनी प्रतिभा दिखा दी है। मिडफील्ड में उनकी विविधता और योगदान करने की क्षमता हमारी टीम के लिए फायदेमंद होगी।

अंडर-19 क्रिकेट टीम (मेन) के चयन के लिए 21 जून को ट्रायल्स

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर-19 क्रिकेट टीम (मेन) के चयन के लिए 21 जून को ट्रायल रखे गए हैं। ट्रायल प्रक्रिया हमीरपुर जिला के अमतर स्थित अटल बिहारी वाजपेई क्रिकेट स्टेडियम में पूरी की जाएगी। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने बताया कि ट्रायल में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी खिलाड़ी हिमाचली बोनाफाइड होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रायल में एक सितंबर 2006 को या इसके बाद पैदा हुए युवा ही हिस्सा ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रायल्स में वही खिलाड़ी हिस्सा ले पाएंगे जो एचपीसीए के साथ पंजीकृत हैं। ट्रायल्स के दौरान खिलाड़ियों को जन्मतिथि प्रमाण पत्र, 10वीं का प्रमाणपत्र, बोनाफाइड और आधारकार्ड साथ लाने होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए होने जा रहे यह ट्रायल्स 21 जून को सुबह नौ बजे से शुरू होंगे। खिलाड़ियों को अपना किट साथ लाना होगा।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत अंडर-19 टीम में दो बदलाव, चोटिल आदित्य राणा और खिलन पटेल टीम से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारत अंडर-19 टीम में दो अहम बदलाव किए गए हैं। जूनियर क्रिकेट समिति ने आदित्य राणा और खिलन पटेल के स्थान पर डी. दीपेश और नमन पुष्पक को टीम में शामिल किया है। दोनों खिलाड़ी पहले से ही स्टैंडबाय सूची में शामिल थे। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे हाई परफॉर्मेंस कैंप के दौरान आदित्य राणा को पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ, जबकि खिलन पटेल के दाहिने पैर में स्ट्रेस रिएक्शन की समस्या पाई गई। चिकित्सा टीम की सलाह के अनुसार, दोनों खिलाड़ियों को आराम की आवश्यकता है, जिसके चलते उन्हें दौरे से बाहर कर दिया गया। भारत अंडर-19 टीम का यह दौरा इंग्लैंड में युवा खिलाड़ियों के अनुभव और कौशल को निखारने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। चयनकर्ताओं का मानना है कि दीपेश और नमन जैसे होनहार खिलाड़ी टीम

को मजबूती प्रदान करेंगे।

अपडेटेड भारतीय अंडर-19 टीम:

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्याराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर. एस. अम्ब्रीश, कनिष्क चौहान, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, अनमोलजीत सिंह, डी. दीपेश, नमन पुष्पक।

महिला विश्व कप के बाद वनडे को अलविदा कहेंगी सोफी डिवाइन, टी20 करियर रहेगा जारी

एजेंसी

वेलिंगटन/नई दिल्ली। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने घोषणा की है कि वह इस वर्ष भारत और श्रीलंका में होने वाले 50 ओवर के महिला विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के साथ कैजुअल (चयनित) अनुबंध के तहत उपलब्ध रहेंगी। 35 वर्षीय डिवाइन ने यह घोषणा न्यूजीलैंड की 17 सदस्यीय महिला अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची जारी होने से ठीक एक दिन पहले की है। चूंकि वह अब केंद्रीय अनुबंध का हिस्सा नहीं होंगी, इसलिए विश्व कप के बाद एक नई वनडे कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। डिवाइन ने 2006 में 17 साल की उम्र में वनडे डेब्यू किया था और करीब 19 वर्षों तक न्यूजीलैंड की एक प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक वनडे खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं और वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर हैं। लेकिन संभावना है कि विश्व कप के दौरान वह 4000 रन का आंकड़ा पार कर डेबी हॉकलि को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगी। उनके नाम 8 वनडे शतक हैं, जो न्यूजीलैंड की

महिलाओं में सुजी बेट्स के बाद दूसरा सर्वोच्च आंकड़ा है। साथ ही, वह 100 से अधिक विकेट लेने वाली दो न्यूजीलैंड महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, और इस सूची में भी ली ताहुहु के बाद दूसरे स्थान पर हैं। डिवाइन ने एक बयान में कहा, मुझे लगता है कि यह सही समय है धीरे-धीरे पीछे हटने का। एनजेडसी का सहयोग पाकर मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं। इससे मुझे टीम के साथ जुड़े रहने का मौका भी मिलेगा।

उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए जरूरी है कि सभी जानें कि मैं पूरी तरह समर्पित हूं और विश्व कप तक इस टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इस युवा टीम के भविष्य को लेकर मैं उत्साहित हूं और आने वाले 6-9 महीनों में अपनी भूमिका निभाने को लेकर तैयार हूं। एनजेडसी की महिला हाई परफॉर्मेंस प्रमुख लिज़ ग्रीन ने कहा, सोफी ने व्हाइट फर्न्स के लिए लगभग दो दशक तक सेवा दी है। हम उनके निर्णय का पूरी तरह समर्थन करते हैं और यह समझौता उनके और टीम दोनों के लिए सकारात्मक है। एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वीनिंक ने कहा, सोफी डिवाइन एक असाधारण लीडर और खेल की महान ऑलराउंडर्स में से एक रही हैं। उनकी विरासत और युवा खिलाड़ियों के विकास के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है।

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?

सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं।ङ्क

राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।

राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?

सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।

राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?

सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।

राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।

इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।

राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।

सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।

देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।

इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।

इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।

राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।

हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।

सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?

राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते है, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूसकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ.यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत

कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।

लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।

75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता-माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न-भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती हैं, जबकि चेलुस फिम्ब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॅन बेसिन तक सीमित है।

अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गईं थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॅन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग-अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधर पर अलग हो गईं और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।

नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।

इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा हैं।

हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते है कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता.कुछ झीलों काफी डारवनी भी है.आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं.कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है.यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है. इसे फुन्दूजी झील के नाम से जाना जाता है.स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो कारी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नहीं दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.

कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं. स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है.इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करतें हैं, जिसमें कुवारी लड़कियां नाचती हैं.कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है.

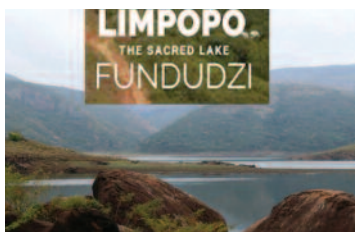

जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुईं, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे. कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए यहां आया था.उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया. लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया.एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे. हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी.

आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है.कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहां पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ़इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया . जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.

जुदा हुए कुशाल टंडन और

शिवांगी जोशी

एक्टर ने दी ब्रेकअप की जानकारी, बोले- कोई पछतावा नहीं

शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन के फैंस के लिए एक बुरी खबर है. दरअसल टीवी के मशहूर एक्टर कुशाल टंडन, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम खूबसूरत शिवांगी जोशी कुछ समय से डेट कर रहे थे. ये भी कहा जा रहा था कि दोनों जल्द ही शादी कर सकते हैं. लेकिन अब कुशाल टंडन ने खुद सोशल मीडिया पर शिवांगी के साथ अपने ब्रेकअप की जानकारी दी, हालांकि सोशल मीडिया पर ब्रेक अप की पुष्टि करने के कुछ समय बाद ही कुशाल ने अपनी ये इंस्टाग्राम स्टोरी डिलीट कर दी.

कुशाल टंडन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में साफ-साफ लिखा था, मुझसे प्यार करने वाले मेरे सभी फैंस को मैं ये कहना चाहता हूं कि मैं और शिवांगी अब एक साथ नहीं हैं. इस बात को अब 5 महीने हो गए हैं. यानी कुशाल ने सीधे तौर पर बता दिया है कि वो और शिवांगी अब अलग हो चुके हैं. इस स्टोरी के तुरंत बाद, उन्होंने अगली स्टोरी में लिखा,मैं सिंगल और खुश हूं और इस बात का मुझे कोई पछतावा नहीं है. हालांकि, इन दोनों स्टोरीज को कुशाल ने कुछ ही समय बाद हटा दिया, लेकिन ये खबर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है.

सीरियल के सेट पर हुआ था प्यार

कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी की मुलाकात टीवी सीरियल 'बरसातें ङ्क मौसम प्यार का' के सेट पर हुई थी. इस शो में दोनों ने लीड रोल निभाया था और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. सीरियल के दौरान ही दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई थी, जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई. भले ही दोनों ने एक दूसरे के साथ रिश्ते को लेकर कोई पुष्टि नहीं की थी. लेकिन दोनों ने इस बात से इनकार भी नहीं किया था. शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन को उनका सीरियल खत्म होने के बाद भी कई बार एक साथ देखा गया था और उनके सोशल मीडिया पोस्ट भी उनके रिश्ते की तरफ इशारा कर रहे थे.

फैंस हुए हैरान

कुशाल के इस अचानक खुलासे से फैंस हैरान रह गए, क्योंकि कई लोगों को लग रहा था कि इन दोनों का रिश्ता काफी मजबूत है. हालांकि, कुशाल ने ब्रेकअप की कोई खास वजह नहीं बताई है. बस इतना कहा कि वे पांच महीने से अलग हैं और वो अकेले खुश हैं. फिलहाल,शिवांगी जोशी की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

अहमदाबाद हादसे के बाद एयर इंडिया की फ्लाइट मे बैठीं रवीना टंडन, अंदर का नजारा देखकर हिल गईं

अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश से देश अब तक उबर नहीं पाया है. अहमदाबाद से यात्रियों को लंदन ले जा रहा विमान उड़ने के एक मिनट के अंदर ही क्रैश हो गया था. इसमें महज एक यात्री जीवित बच पाया. बाकी सभी 241 लोगों की मौत हो गई. इनमें यात्रियों के साथ ही क्रू मेंबर्स भी शामिल हैं. वहीं जिस जगह प्लेन गिरा था वहां के भी कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है. इस हादसे के बाद लोग प्लेन के नाम से डरने लगे हैं और हवाई जहाज में सफर करने से दूरी बनाने लगे हैं.

इस भीषण हादसे पर देश दुनिया के लोगों और दिग्गज हस्तियों ने भी शोक व्यक्त किया था. बॉलीवुड ने भी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी. अब हादसे के कुछ दिनों बाद ही रवीना टंडन ने एयर इंडिया की फ्लाइट से उड़ान भरी है. मालूम हो कि हादसे का शिकार हुआ विमान भी एयर इंडिया का ही था. रवीना जब सफर के लिए प्लेन के अंदर गईं तो उनके होश उड़ गए. उन्होंने जो नजारा देखा वो सारी कहानी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बयां की है.

रवीना ने प्लेन के अंदर से शेयर की फोटोज

रवीना टंडन ने 16 जून, सोमवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं. वो एयर इंडिया विमान के भीतर बैठीं हुई नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस ने इन तस्वीरों में अपना टिकट भी शेयर किया है. साथ ही बताया कि आखिर अहमदाबाद हादसे के कुछ दिनों के बाद अब एयर इंडिया की फ्लाइट में कैसा माहौल है? रवीना ने कैप्शन में लिखा, नई शुरुआत सभी बाधाओं के बावजूद फिर से उड़ान भरना और मजबूत होना. सवारियों का सन्नाटा और क्रू की मुस्कान में दुख छिपा हुआ था. यात्रियों और क्रू के बीच चुपके से संवेदनाएं दिख रही हैं.

रवीना ने आगे अपनी बात जारी रखते हुए लिखा, उन परिवारों के प्रति संवेदनाएं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है. एक ऐसा घाव जो कभी नहीं भरेगा. भगवान हमेशा आपकी मदद करें एयर इंडिया. निडर होकर फिर से मजबूत बनने की इच्छा. जय हिंद.

12 जून को हुआ था हादसा

क्रू मेंबर और यात्रियों सहित 242 लोगों को 12 जून की दोपहर को अहमदबाद से लंदन ले जा रहा विमान उड़ान भरने के ठीक बाद अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था. हादसे का शिकार हुए लोगों के शवों की शिनाख्त फिलहाल DNA सैंपल के जरिए की जा रही है.

करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय की आखिरी तस्वीर आई सामने!

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने 2016 में अपने पति संजय कपूर को तलाक दे दिया था. लेकिन बच्चों के कारण दोनों की मुलाकातें होती रहती थीं, जो करिश्मा के पास रहते हैं. 12 जून की रात जब खबर आई कि करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की डेथ हो गई है तो इस खबर ने हर किसी को हैरानी में डाल दिया. संजय कपूर का निधन पोलो खेलते समय हुआ और पोलो क्लब की तरफ से संजय कपूर की आखिरी तस्वीर एक दिन पहले शेयर की गई है. इस तस्वीर में संजय कपूर हंसते हुए नजर आए.

दिल्ली के रहने वाले बिजनेसमैन संजय कपूर ज्यादातर यूके में ही रहते थे. यहां उन्होंने गार्ड्स पोलो क्लब में Sujan Indian Tigers Polo Team ज्वाइन की हुई थी और पूरी टीम के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी. उनके साथ ही संजय अक्सर पोलो खेलने जाते थे. इस क्लब के इंस्टाग्राम पेज पर ही संजय कपूर की आखिरी मुस्कुराती तस्वीर शेयर की गई है और साथ में एक लंबा पोस्ट भी लिखा गया है. इस तस्वीर में सुजान इंडियन टाइगर्स के ओनर भी नजर आ रहे हैं.

संजय कपूर की आखिरी तस्वीर हुई वायरल

तस्वीर शेयर करने के साथ ही इसके कैप्शन में लिखा गया, 'आज हम अपने डियर फ्रेंड संजय कपूर की याद में कार्टियर ट्रॉफी का फाइनल खेलेंगे, जिनकी कुछ दिन पहले मैदान पर ट्रैजिकली डेथ हो गई थी. हमारे कैप्टन और संरक्षक, जैसल सिंह अपने पुराने दोस्त संजय कूपर के सम्मान में एक मिनट का मौन रखने के लिए टीम के साथ जाएंगे और फिर सम्मान के प्रतीक के रूप में बाहर बैठेंगे. संजय और जैसल की यह तस्वीर कुछ दिन पहले सेमीफाइनल खेलने के लिए तैयार होने से कुछ समय पहले ही ली गई थी. RIP संजय, आपकी याद आएगी, आपने इस क्लब में जो योगदान दिया वो हमेशा याद रखा जाएगा.'

करिश्मा कपूर और संजय कपूर कब हुए अलग?

2003 में करिश्मा कपूर ने दिल्ली के रहने वाले बिजनेसमैन संजय कपूर से शादी की थी. उनके दो बच्चे समायरा और कियान हैं जो पैरेंट्स के तलाक के बाद करिश्मा के पास ही रहते हैं.

संजय कपूर ने तलाक के बाद प्रिया सचदेव से शादी कर ली थी, जिनसे उन्हें एक बेटी भी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, करिश्मा कपूर से पहले संजय कपूर ने 1996 में नंदिता महतानी के साथ शादी की थी, जिनसे वो 2000 में अलग हो गए थे.

इरफान खान

कोंकणा सेन

की जोड़ी, केके का अलविदा... 18 साल बाद कितनी बदल गई मेट्रो लाइफ?

अनुराग बासु की आने वाली फिल्म मेट्रो इन दिनों के ट्रेलर ने आज से अट्ठारह साल पीछे जाने पर मजबूर कर दिया. यह फिल्म चार जुलाई को सिनेमा घरों में रिलीज होगी. इस फिल्म की कहानी में एक बार फिर से महानगरों की जिंदगी दिखाने की कोशिश की जाएगी, जैसा कि फिल्म का ट्रेलर देखने से जाहिर होता है. यह फिल्म इसलिए खासी मायने रखती है क्योंकि अनुराग बासु ने जब साल 2007 में लाइफ इन मेट्रो बनाई थी, तब उस फिल्म ने महानगरीय जिंदगी जीने वालों को एक प्रकार से झकझोर दिया था. फिल्म दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में रहने वाले मध्यवर्गीय सोसायटी का आईना कहलाई. उस फिल्म की यादें आज भी ताजा हैं. इरफान-कोंकणा और शाइनी- शिल्पा की कैमेस्ट्री भूलना मुश्किल है. मेट्रो इन दिनों का ट्रेलर देखने के बाद उसकी एक झलक आंखों में फिर से कौंध गई.

वहीं अलविदाज गाने के साथ केके की आवाज भी कानों में फिर से गूंज गई. अनुराग बासु की मेट्रो इन दिनों में कुछ कलाकार लाइफ इन मेट्रो के हैं तो कुछ अलग भी. मसलन आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फ़ज़ल, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता, अनुपम खेर और शास्वत चटर्जी आदि. मेट्रो इन दिनों को अट्ठारह साल पुरानी चर्चा और प्रतिष्ठा दिलाने का भार इन्हीं कलाकारों के कंधे पर है. इन नामों की सूची देखने के बाद जाहिर होता है कि डायरेक्टर ने इसमें कोंकणा सेन शर्मा को फिर से याद किया है और बाकी कलाकार सब बदल दिए हैं.

इरफान और कंगना के बिना मेट्रो इन दिनों

साल 2007 में आई लाइफ इन मेट्रो में शिल्पा शेट्टी, के के मेनन, शाइनी आहूजा, नफीसा अली, कंगना रनौत, शरमन जोशी के अलावा जिस कलाकार की उपस्थिति ने फिल्म को अलग रुतवा प्रदान किया, वह थे- इरफान खान और कंगना रनौत. इनके अलावा के के मेनन, शाइनी आहूजा भी फिल्म के खास आकर्षण थे. लेकिन 2025 की मेट्रो इन दिनों के दौर में इनकी परछाइयां ही शेष हैं. कंगना रनौत सांसद बन चुकी हैं और इस किस्म के रोल अब उन्हें रास नहीं आ रहे. वहीं इरफान खान फानी दुनिया से रुखसत कर चुके हैं.

मेट्रो इन दिनों को इरफ़ान खान के बिना देखना बहुत ही कचोट पहुंचाने वाली संवेदना जगा सकता है. इरफ़ान ने उस फिल्म में मोंटी यानी श्रुति के प्रेमी का रोल निभाकर युवतियां हों या शादीशुदा महिलाएं- दोनों के बीच अलग किस्म की लोकप्रियता बटोरी थी. यह लोकप्रियता शाहरुख, सलमान वाली लोकप्रियता से अलग किस्म की थी. इरफान को इस फिल्म ने थिंकिंग वुमेनज सिंबल की संज्ञा दी थी. वह केवल जुबान से संवाद नहीं बोलते थे बल्कि अपनी गोल आंखों के जरिए भी बखूबी बोलते थे.

कोंकणा सेन शर्मा के साथ इरफान की जोड़ी खूब जमी

उस फिल्म में श्रुति घोष के किरदार में कोंकणा सेन शर्मा के साथ उनकी जोड़ी बहुत ही अनोखी मानी गई थी. कोंकणा भी अपने ग्लैमर से कहीं ज्यादा अपने गंभीर अभिनय के लिए जानी जाती हैं. अनुराग बासु की लाइफ इन मेट्रो से कोंकणा सेन शर्मा की पहचान को नया फॉर्मेट मिला था. इरफ़ान और कोंकणा बतौर प्रेमी-प्रेमिका उस फिल्म की एक साख बने. कमर्शियल होकर भी फिल्म को एक अलग फॉर्मेट मिला, जिसे पढ़े लिखे बुद्धिजीवी वर्ग ने भी पसंद किया.